राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 105 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, गुरुवार ,21 अक्टूबर 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

जुलूस में हिंदुस्तान जिंदाबाद के बीच लगे पाक जिंदाबाद के नारे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नोएडा के सेटर 20 थाना क्षेत्र में जुलूस निकालने के दौरान पाक जिंदाबाद नारे लगने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वीडियो वारयल होने के बाद नोएडा पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए वीडियो की जांच कराई, जिसमें वीडियो को सत्य माना गया है। वीडियो को सत्य माना गया है। नोएडा पुलिस द्वारा तीन लोगों की पहचान कर उन्हें गिरतार कर लिया गया है। दरअसल मंगलवार को ईद मिलाद-उल-नबी के मौके पर शहर में जुलूस निकाला गया। जिसमें नोएडा सेटर 8 स्थित काफी भीड़ इकट्ठा हुई, उसी दौरान नारेबाजी भी की जाने लगी।

असम की पांच विस उपचुनाव में 31 प्रत्याशी चुनाव मैदान में

गुवाहाटी, (एजे ंसी)। असम की पांच विधानसभा सीटों पर 30 अटूबर को होने वाले उपचुनाव के लिए 31 उमीदवार मैदान में हैं। गोसाईगांव, भबानीपुर, तामूलपुर, मरियानी और थौरा सीटों पर उपचुनाव 30 अटूबर को होंगे। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक मतगणना दो नवंबर को होगी और मतदान की पूरी प्रक्रिया पांच नवंबर तक खत्म हो जाएगी।

उाराखंड- चितकुल जा रहे आठ ट्रैकर लापता

उारकाशी, (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में चितकुल की यात्रा पर गए आठ ट्रैकर और उनके साथ गए तीन रसोइये लापता हो गए हैं। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल ने बताया कि ग्यारह लोगों का दल उाराखंड के उारकाशी जिले में हर्सिल होते हुए चितकुल की यात्रा पर गया था। टीम में कोलकाता के सात और दिल्ली का एक पर्यटक शामिल था। यह टीम 11 अटूबर को हर्सिल से चितकुल के लिए रवाना हुई थी और उसे 19 अटूबर को वहां पहुंचना था। पटवाल ने कहा कि जब यह टीम मंगलवार को चितकुल नहीं पहुंची, तो चिंतित ट्रेक आयोजकों ने उारकाशी जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय को सूचित किया।

दमिश्क में सैन्य बस में विस्फोट, 14 लोगों की मौत

दमिश्क, (एजेंसी)। सीरिया की राजधानी दमिश्क के मध्य इलाके में बुधवार को सेना की एक बस में हुए बम विस्फोट मे कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सरकारी संवाद समिति साना ने यह जानकारी दी है। मीडिया रिपोर्टों में सेना के हवाले से बताया गया कि इस सैन्य बस के फर्श के नीचे तीन बम छिपाकर रखे गए थे और दो बम उस समय फटे जब यह बस मध्य दमिश्क के प्रेजीडेंट पुल पर पहुंची थी। तीसरे बम में विस्फोट नहीं हुआ और बाद में इसे निष्क्रिय कर दिया गया। मीडिया रिपोर्टों में बुरी तरह जली हुई इस बस की तस्वीरें दिखाई गई हैं जिसके चारों तरफ सुरक्षाकर्मी स्थिति की निगरानी रख रहे हैं। जिस स्थान पर बम विस्फोट हुआ है वह राजधानी दमिश्क का सबसे व्यस्त क्षेत्र है और यहां हमेशा गाड़ियों का जमावड़ा लगा रहता है।

शोभा राम राय मैन ऑफ द मंथ अवार्ड से समानित

लखनऊ । 2021 को महाप्रबंधक, उार मध्य रेलवे, प्रमोद कुमार ने कर्मचारियों को उनकी ट्रेन संचालन में संरक्षा के प्रति सतर्कता और उल्लेखनीय योगदान के लिए पुरस्कार प्रदान किए। उार मध्य रेलवे मुयालय में आयोजित साप्ताहिक संरक्षा एवं समयपालन बैठक के दौरान आयोजित पुरस्कार समारोह में रंजन यादव, अपर महाप्रबंधक, मनीष कुमार गुप्ता, प्रधान मुय संरक्षा अधिकारी सहित उार मध्य रेलवे के प्रमुखविभागाध्यक्षों तथा आगरा, झांसी और प्रयागराज मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों ने अपने मंडलों के अधिकारियों के साथ वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने किया कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन

कुशीनगर गौतमबुद्ध का महापरिनिर्वाण स्थल है और बौद्ध समुदाय के लोगों का एक अहम तीर्थ स्थल है

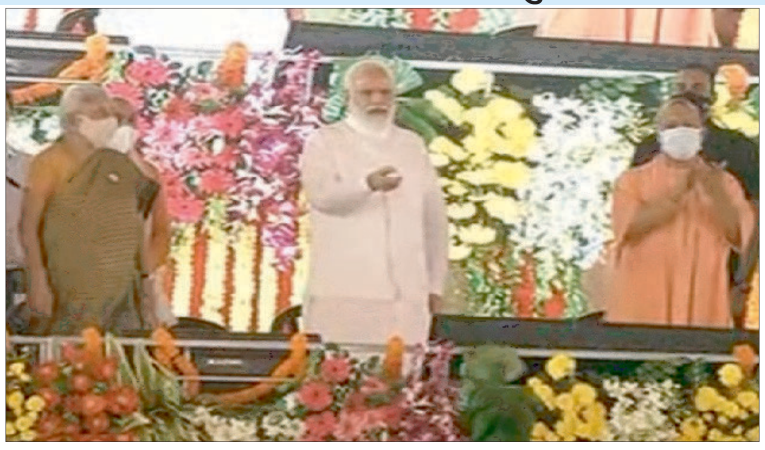

कुशीनगर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज बुधवार को उत्तर प्रदेश स्थित कुशीनगर को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की सौगात दी। 589 एकड़ में 260 करोड़ की लागत से बने इस हवाई अड्डे के लोकार्पण के साथ उत्तर प्रदेश सर्वाधिक हवाई अड्डा वाला प्रदेश बन गया है। यह उत्तर प्रदेश का तीसरा और सबसे लंबे रनवे वाला एयरपोर्ट भी है। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि कुशीनगर एयरपोर्ट बनने से किसानों, दुकानदारों, उद्यमियों को लाभ मिलेगा। उन्होंने महापरिनिर्वाण स्थल में बुद्ध प्रतिमा पर चीवर चढ़ाया और भिक्षुओं को चीवर दान किया। पीएम मोदी ने अभिधम्म समारोह को भी संबोधित किया। इसके बाद प्रधानमंत्री यहां 180.6 करोड़ रुपये की लागत से 12 परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण और 281 करोड़ रुपये से बनने वाले मेडिकल कालेज का शिलान्यास किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत एथेनाल को लेकर आज जिस नीति पर चल रहा है उसका भी बड़ा लाभ उत्तर प्रदेश के किसानों को होने वाला है। गन्ने और दूसरे खाद्यान्न से पैदा होने वाला बायो फ्यूल विदेश से आयात होने वाले कच्चे तेल का एक अहम विकल्प बन रहा है। डबल इंजन की सरकार यहां किसानों से खरीद के नए रिकॉर्ड स्थापित कर रही है। यूपी के किसानों के ही बैंक अकाउंट में अभी तक लगभग 80 हजार करोड़ रुपये उपज की खरीद के पहुंच चुके हैं। पीएम किसान सम्मान निधि से यूपी के किसानों के बैंक खाते में 37 हजार करोड़ रुपये से अधिक राशि जमा की जा चुकी है। आने वाला समय यूपी की आकांक्षाओं की पूर्ति का समय है। आजादी के इस अमृत काल में ये हम सभी के लिए जुट जाने का समय है। यहां से यूपी के लिए पांच महीने के लिए योजनाएं नहीं बनती हैं, आने वाले 25 वर्षों की बुनियाद रखके यूपी को आगे ले जाना है। इस दीपावली पर लोकल फार वोकल का आह्वान करते हुए पीएम ने कहा कि हमारे आसपास स्थानीय वस्तुए खरीदें।

कुशीनगर एयरपोर्ट भारत के कूटनीतिक में भी काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला साबित हो सकता है। बुधवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने पूर्वी उत्तर प्रदेश स्थित इस अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का उद्घाटन किया और इस समारोह में नई दिल्ली से 12 देशों के राजनयिकों ने हिस्सा लिया। इसमें जापान, मंगोलिया, म्यांमार, वियतनाम, कंबोडिया, थाइलैंड, लाओपीडीआर (लाओस), श्रीलंका, भूटान, रिपब्लिक आफ कोरिया, नेपाल और सिंगापुर के राजनयिक शामिल थे।

इन सभी देशों के राजनयिकों ने कहा है कि कुशीनगर एयरपोर्ट से जुड़ने के बाद उनके देश के साथ भारत का सांस्कृतिक जोर और मजबूत होगा क्योंकि अब उनके देश से लाखों बौद्ध अनुयायी सीधे भारत के प्रमुख बौद्ध केंद्रों की यात्रा कर सकेंगे। इस लिहाज से यह एयरपोर्ट भारत में विदेशी पर्यटन के लिए भी वरदान साबित हो सकता है।

विदेश मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि कुशीनगर एयरपोर्ट के साथ बौद्ध धर्म मानने वाले देशों से आने वाले पर्यटकों की संख्या नहीं बढ़ेगी बल्कि इसका दूरगामी असर होगा। बौद्ध धर्म के अनुयायी बहुल अमूमन सभी देश हिंद प्रशांत क्षेत्र में स्थित हैं और यह समूचा क्षेत्र भारत के रणनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण हो गए हैं। मौजूदा समय में वैश्विक वाद-विवाद का यह केंद्र भी बना हुआ है। यह एक वजह है कि भारत सरकार इन देशों के साथ कूटनीतिक, आर्थिक व सांस्कृतिक संबंधों को खास तौर पर तवज्जो देती है। कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के उद्घाटन में श्रीलंका के एक वरिष्ठ दल का आना दोनों देशों के रिश्तों में सांस्कृतिक जुड़ाव को बताता है।

इस दल मे श्रीलंका के पीएम मिहंदा राजपक्षे के पुत्र व युवा और खेल मंत्री नमल राजपक्षे की अगुवाई में चार राज्य मंत्री और 100 वरिष्ठ बौद्ध भिक्षुओं ने हिस्सा लिया है। यह पहली बार है कि श्रीलंका के विभिन्न 22 जिलों के बौद्ध मंदिरों के प्रतिनिधि एक साथ भारत के दौरे पर आये हैं। कुशीनगर गये श्रीलंका के मंत्री नमल राजपक्षे ने अपने देश के सभी बौद्ध धर्मावलंबियों की तरफ से इस एयरपोर्ट के निर्माण के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद दिया है। उन्होंने इसे भारत की तरफ से बौद्धों को दिया गया सबसे बड़ा उपहार करार दिया है और कहा है कि इससे दोनों देशों के रिश्तों में और प्रगाढ़ता आएगी। भारत में वियतनाम के राजदूत फाम सान छऊ ने कहा है कि उनके देश से भारत आने वाले पर्यटकों में बौद्ध धर्म को मानने वालों की संख्या सबसे ज्यादा है।

हिरासत में लिए जाने के बाद प्रियंका गांधी को मिली आगरा जाने की इजाजत, चार लोगों संग रवाना हुईं

लखनऊ,एजेंसी। आगरा में पुलिस हिरासत में मारे गए सफाईकर्मी के परिजनों से मिलने की इजाजत प्रियंका गांधी को मिल गई है. हिरासत में लेने के कुछ देर बाद ही उन्हें लखनऊ पुलिस ने आगरा जाने की इजाजत दे दी है. इस दौरान सिर्फ चार लोगों को ही उनके साथ आगरा जाने की इजाजत मिली है. अब प्रियंका गांधी आगरा के लिए रवाना हो गई हैं.

आगरा के जगदीशपुरा थाना में पुलिस हिरासत में हुई युवक की मौत के बाद कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी मृतक के परिजनों से मिलने जा रही थीं. लेकिन लखनऊ पुलिस ने उन्हें रोक दिया था. कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इस मौके पर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की. पुलिस ने इसके बाद प्रियंका गांधी को धारा 144 और कानून व्यवस्था का हवाला देते हुए हिरासत में ले लिया और पुलिस लाइन लेकर चली गई. अब उन्हें चार लोगों के साथ आगरा जाने की इजाजत मिल गई है.

सरकार ने 10 लाख के मुआवजे का किया ऐलान- पुलिस कस्टडी में युवक की मौत के मामले में निरीक्षक आनंद शाही और जगदीशपुर का चार्ज संभाल रहे एएसआई समेत पांच पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है. आगरा एडजी राजीव कृष्ण ने बताया कि परिवार को शक है कि हिरासत में पिटाई से युवक की मौत हुई है. इस मामले में स्न्नद्बक्र दर्ज कर ली गई है और जांच की जा रही है.

उन्होंने आगे कहा, मुकदमा पहले ही कायम हो चुका है, इसकी निष्पक्ष विवेचना के लिए जांच जिले से बाहर की जाएगी. थाना जगदीशपुरा की जांच टीम में 5 सदस्य शामिल थे, उनको आरोपों के मद्देनज़र निलंबित कर दिया गया है, इसकी जांच एक गजेटेड ऑफिसर द्वारा की जाएगी.

उन्होंने आगे कहा कि, शासन द्वारा मृतक के परिवार को 10 लाख रुपए का मुआवजा देने की घोषणा की गई है. इससे पहले इसी से जुड़े दूसरे मुद्दे में थाने पर मालखाने से सामान चोरी के चलते लापरवाही के मद्देनज़र तत्कालीन एसएचओ सहित 5 पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी.

मायावती ने की कार्रवाई की मांग- पुलिस हिरासत में हुई मौत के मामले में बसपा सुप्रीमो मायावती ने सरकार से कार्रवाई की मांग की है. उन्होंने कहा, आगरा में एक सफाई कर्मी की पुलिस हिरासत में हुई मौत अति-दु:खद व शर्मनाक है. यूपी सरकार दोषियों को सख्त सजा दे तथा पीड़ित परिवार की भी हर प्रकार से पूरी-पूरी मदद करे, बीएसपी की यह माँग है.

इजरायल के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मिले विदेश मंत्री एस जयशंकर, द्विपक्षीय संबंधों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली,एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को इजरायल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग और प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट से मुलाकात की है. इस दौरान द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने सहित आपसी हितों से जुड़े क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की गई. जयशंकर पांच दिवसीय यात्रा पर इजरायल में हैं. विदेश मंत्री के रूप में यह उनकी पहली इजरायल यात्रा है. वह इजरायल के विदेश मंत्री यायर लैपिड के निमंत्रण पर यहां आए हैं. यह बैठक बेत हानासी में हुई, जो इजरायली राष्ट्रपति का अधिकारिक आवास है.

राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, राष्ट्रपति हर्जोग ने इजरायल के साथ संबंधों को प्रगाढ़ करने और उसे मजबूती प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री जयशंकर और दूसरे मंत्रियों की प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद दिया. राजनयिक कामकाजी बैठक के दौरान हर्जोग ने विविध क्षेत्रों में आगे बढ़ते इजरायल-भारत संबंधों की सराहना की. बयान के अनुसार, भारत और इजरायल के राजनयिक संबंध स्थापित होने के अगले वर्ष 30वीं वर्षगांठ से पहले राष्ट्रपति हर्जोग ने इस महत्वपूर्ण संबंध को प्रगाढ़ करने और मजबूती प्रदान करने में सहयोग करने के प्रति अपने व्यक्तिगत इरादे पर जोर दिया.

इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति हर्जोग और जयशंकर ने वैश्विक सामरिक मामलों पर चर्चा की है. जयशंकर ने कहा कि राष्ट्रपति हर्जोग से उनकी मुलाकात 'बड़े सम्मान' की बात है . विदेश मंत्री जयशंकर ने बेत हानासी में आगंतुक पुस्तिका में लिखा, 'जब हम अपने संबंधों को उन्नत बनाने की 30वीं वर्षगांठ की ओर बढ़ रहे हैं, ऐसे में मैं भारत के लोगों और सरकार की शुभकामनाएं लाया हूं.' मंगलवार को, विदेश मंत्री जयशंकर ने इजरायल की संसद नेसेट के स्पीकर मिकी लेवी से भी मुलाकात की थी.

स्पीकर माइके लेवी से भी मिले जयशंकर

जयशंकर ने ट्वीट किया, 'इजरायल के नेसेट के स्पीकर माइके लेवी से आज सुबह मुलाकात की.' उन्होंने कहा था, 'विदेश मामलों और रक्षा समिति के अध्यक्ष राम बेन बराक से व्यापक चर्चा की.' विदेश मंत्री ने कहा कि वह भारत के साथ संबंधों को नेसेट में व्यापक समर्थन की सराहना करते हैं . वे आधुनिक पशुधन प्रबंधन प्रौद्योगिकी देखने किबुत्ज बेरॉत यित्जाक भी गए. सोमवार को जयशंकर ने इजरायल के विदेश मंत्री यायर लैपिड के साथ 'सार्थक' चर्चा की थी और दोनों देशों ने मुक्त व्यापार समझौते पर वार्ता शुरू करने पर सहमति व्यक्त की थी, जिसका मकसद अगले साल जून तक इस समझौते को पूरा करना है, जो काफी समय से लंबित है.

तीस्ता नदी पर बना मिट्टी का बांध टूटा, कई इलाकों में घुसा बाढ़ का पानी, बंगाल और सिक्किम का सड़क संपर्क टूटा

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के उत्तरी बंगाल के पहाड़ी जिले और सिक्किम के पार्वतीय इलाके में भारी बारिश के कारण कई पुल क्षतिग्रस्त हो गए हैं. इससे सिक्किम और पश्चिम बंगाल के बीच मुख्य सड़क मार्ग टूट गया है. इसके साथ ही तीस्ता नदी का जलस्तर बढ़ने से मालबाजार महकमा के अंतर्गत बसुसुरा के मिट्टी का बांध टूट गया है. 100 मीटर से अधिक इलाके में बने मिट्टी का बांध टूटने से मौलानी समेत विभिन्न इलाकों में पानी घुस गया है. भूस्खलन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग 10, पश्चिम बंगाल और सिक्किम के बीच मुख्य सड़क संपर्क बड़े पैमाने पर अवरुद्ध हो गया जबकि तीस्ता सहित उफनती नदियों ने इसके किनारे के गांवों को तबाह कर दिया. भारी बारिश के कारण हुए एक भूस्खलन से पश्चिम बंगाल के 29वीं माइल क्षेत्र में राजमार्ग बंद हो गया जो सिक्किम की रांगपो सीमा से लगभग 60 किलोमीटर दूर है। अधिकारियों ने बताया कि यहां आज सुबह पानी हाउस इलाके में एक और भूस्खलन हुआ जिससे यातायात बाधित हो गया। उन्होंने कहा कि सड़क से मलबा हटाने का काम जारी है. उन्होंने कहा कि तीस्ता नदी में पानी के अत्यधिक बहाव के कारण रांगपो में स्टील के पुल के खंभे क्षतिग्रस्त हो गए और पुल पर आवाजाही सीमित कर दी गई है. उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर बारिश की वजह से फसलों को भी नुकसान पहुंचा हैं. उत्तरी बंगाल में भारी बारिश से बुधवार को आम जनजीवन प्रभावित रहा. दार्जिलिंग, कलिमपोंग और जलपाईगुड़ी जिलों में बारिश की वजह से भूस्खलन की घटनाएं हुई हैं जिससे सड़क और पुल क्षतिग्रस्त हो गए हैं

मजदूर की हत्या में शामिल आतंकी को सुरक्षाबलों ने मार गिराया, शोपियां एनकाउंटर में दो आतंकी ढेर

जम्मू । जम्मू-कश्मीर में शोपियां के द्रगाड इलाके में चल रहे मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया है. इलाके में पुलिस और सेना का सर्च ऑपरेशन जारी है. जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इस बात की जानकारी दी. आतंकवाद विरोधी अभियान के तहत सभी लोगों को घरों के अंदर रहने के लिए कहा गया है. इलाके में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं. पुलिस और सुरक्षा बल पूरी तरह से सतर्क हैं. पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ में दो अज्ञात आतंकवादी मारे गए हैं.

कश्मीर के आईजीपी विजय कुमार ने बताया, 'शोपियां एनकाउंटर में मारे गए आतंकवादियों में से एक की पहचान आदिल आह वानी के रूप में हुई है, जो 7/2020 से सक्रिय था. वह लिटर, पुलवामा में एक गरीब मजदूर की हत्या में शामिल था.

2 हफ्ते में अब तक 15 आतंकियों को ढेर किया जा चुका है.' जैसे ही बलों की संयुक्त टीम संदिग्ध स्थान की ओर बढ़ी, छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने भी आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी होने की पुष्टि की. सूत्रों के मुताबिक दो से तीन आतंकियों के फंसे होने की आशंका है.

सेना के अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय मस्जिदों से मुनादी कर लोगों को सतर्क किया गया. सुरक्षा बल आतंकवादियों के खिलाफ अंतिम वार की तैयारी कर रहे हैं. सुरक्षा बल और आतंकियों के बीच लगातार हो रही मुठभेड़ को लेकर सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे जम्मू क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे थे. इस दौरान उन्होंने नियंत्रण रेखा के साथ आगे के इलाकों का दौरा किया और सुरक्षा बलों को जारी अभियान के तहत कई निर्देश दिए गए. इसके साथ ही जम्मू के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह ने भी रविवार को भीमबेर गली का दौरा किया था और जल्द ही उग्रवादियों के खात्मे का भरोसा जताया.

एक सप्ताह से यहां आतंकवादियों के एक समूह को ट्रैक करने की कोशिश की जा रही हैं. इसमें अब तक नौ सैनिक शहीद हुए हैं. सूत्रों ने बताया कि बीते सोमवार सुबह भी दोनों ओर से जोरदार फायरिंग हुई.

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर निशाना, बोले- 'जितना वो देश को तोड़ेंगे उतना ही हम जोड़ेंगे'

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने वाल्मीकि जयंती के मौके पर बीजेपी केंद्र की मोदी सरकार निशाना साधा. राहुल ने कहा कि वाल्मीकि जी की विचारधारा और खासतौर पर हमारे गरीब दलित भाई-बहनों पर आक्रमण हो रहा है और ये सबको दिखाई दे रहा है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ये आक्रमण नहीं होने देगी. ये देश को जितना तोड़ेंगे, हम उतना जोड़ेंगे÷.

दिल्ली में वाल्मीकि शोभा यात्रा के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि वाल्मीकि जी ने देश को राह दिखाई. उनका संदेश प्यार और भाईचारे के बारे में था. आज जब हम भारत को देखते हैं, तो हम देखते हैं कि उनके संदेश पर हमला हो रहा है. हमारा संविधान वाल्मीकि जी की विचारधारा का संविधान है. उन्होंने इस दौरान वाल्मीकि जयंती पर 'शोभा यात्रा' को झंडी दिखाकर रवाना किया.

उन्होंने आगे कहा कि भारत के लोगों ने संविधान में वाल्मीकि द्वारा प्रचारित विचारधारा का इस्तेमाल किया. आज हम उनकी विचारधारा और गरीब दलित भाइयों और बहनों पर हमले देखते हैं. इसे हर कोई देख सकता है. पूरा देश जानता है कि दलितों और कमजोरों पर हमले हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि मैं दलित भाइयों और बहनों को एक संदेश देना चाहता हूं कि कांग्रेस पार्टी इन हमलों को रोकेगी.

जितना वो देश को तोड़ेंगे उतना ही हम देश को जोड़ेंगे. जितना वे नफरत फैलाएंगे, हम उतना ही प्यार और भाईचारे की बात करेंगे. महर्षि वाल्मीकि ने ही पवित्र रामायण की रचना की थी और इसलिए ही वाल्मीकि जयंती का विशेष महत्व है.

चीन सीमा पर भारत ने सजाया मोर्चा, अरुणाचल प्रदेश में एलएसी पर तैनात की विमानभेदी एम-777 और बोफोर्स तोपें

तवांग । भारत और चीन के बीच तलवारें खिंच चुकी हैं। पूर्वी लद्दाख और उत्तराखंड के बाद अब अरुणाचल प्रदेश से लगने वाली सीमा पर मोर्चेबंदी शुरू हो गई है। चीन की ओर से तैयारियों को देखते हुए भारत ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के नजदीक के पहाड़ों पर अत्याधुनिक एल 70 विमानभेदी तोपें तैनात कर दी हैं। यह तैनाती इलाके में की गई 40 किलोमीटर की दूरी तक मार करने वालीं एम-777 हावित्जर तोपों और स्वीडन की बोफोर्स तोपों के अतिरिक्त की गई है। इस लिहाज से भारत ने भी चीन सीमा पर अपना मोर्चा सजा लिया है।

चीन से लगने वाली सीमा पर एम-777 अल्ट्रालाइट हावित्जर तोपों की तैनाती के बाद ये तोपें लगाई गई हैं। सीमा पार चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की गतिविधियों को देखते हुए एल 70 विमानभेदी तोपों की तैनाती दो महीने पहले ही की जा चुकी है। पूर्वी क्षेत्र में बोफोर्स तोपों की तैनाती भी पूरी हो चुकी है। इससे चीन की तरफ से होने वाले किसी भी हमले का मुंहतोड़ जवाब देने में भारत अब सक्षम हो गया है। सेना की तैनाती को बढ़ाने के लिहाज से सड़कों, पुलों और सुरंगों की भी मरम्मत कर उन्हें तैयार किया जा रहा है।

सैनिकों को दी जा रही ट्रेनिंग - इतना ही नहीं पर्वतीय इलाकों की जरूरतों के हिसाब से सैनिकों को प्रशिक्षण देकर उन्हें तैयार किया जा रहा है। ज्यादा ऊंचाई वाले स्थानों पर कम तापमान और कम आक्सीजन के बीच कैसे रहा और युद्ध किया जा सकता है, इसके लिए सैनिकों का नियमित प्रशिक्षण चल रहा है।

सैनिकों को आगे बढ़ते हुए कैसे दुश्मन के हमलों से बचना है, उनका जवाब देना है और उनके इलाके पर हमला बोलना है, इसका प्रशिक्षण भी तेज कर दिया गया है। वायुसेना के साथ मिलकर बचाव और हमले की रणनीति को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

खास कैमरों, रडार से लैस है एल 70 तोप- सेना के अधिकारियों के अनुसार एल 70 तोपों की तैनाती खास पहाड़ों पर की गई है जिससे देश में घुसने वाले दुश्मन के विमानों, हेलीकाप्टरों और ड्रोन को नुकसान पहुंचाने से पहले ही मार गिराया जा सके। सेना की हवाई सुरक्षा इकाई की कैप्टन सरिया अब्बासी के अनुसार ये विमानभेदी तोपें अपना लक्ष्य खोजकर उस पर गोला दागती हैं। सभी तरह के मौसम में काम करने वाली ये तोपें इलेक्ट्रो-आप्टिकल सेंसर से लैस हैं और टेलीविजन कैमरे व थर्मल इमेजिंग कैमरे से लैस हैं। ये उच्च क्षमता वाले मजल वेलोसिटी रडार से भी लैस हैं। इनसे इनकी अचूक निशाना लगाने की क्षमता बढ़ जाती है।

विमानन विंग को भी किया मजबूत-सेना ने अपनी विमानन विंग के एयर फायर पावर में हेरान आई ड्रोन, हथियारबंद अटैक हेलीकाप्टर रुद्र और ध्रुव की तैनाती की है। मालूम हो कि इस विंग में पहले से ही एविएशन विंग में बड़े पैमाने पर चीता हेलीकाप्टर तैनात थे। समाचार एजेंसी आइएएनएस ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि सेना ने स्वदेशी हल्के हेलीकाप्टर ध्रुव के स्क्वाड्रन को भी एलएसी से लगे इलाकों में तैनात कर दिया है। यही नहीं किसी भी नापाक हरकत का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए रुद्र लड़ाकू हेलीकाप्टरों का पहला स्क्वाड्रन भी तैयार किया जा चुका है।

इजरायली यूएवी हेरान ड्रोन भी शामिल- गौर करने वाली बात यह भी है कि भारतीय सेना की एविएशन विंग में इजरायली यूएवी हेरान ड्रोन शामिल किए जा चुके हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि एलएसी से लगे इलाकों में ये हथियार सेना के कमांडरों को ऐसी क्षमताएं देते हैं जिससे आपात स्थितियों में सभी प्रकार के आपरेशनों को अंजाम दिया जा सके। माना जा रहा है कि सरहद पर चीन की बढ़ती आक्रामकता से निपटने के लिए ही सेना ने एलएसी पर अपनी तैनातियों में बढ़ोतरी की है। यही नहीं सेना ने पूर्वी क्षेत्र में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए योजना तैयार की है।

पूर्वी लद्दाख में भी अत्याधुनिक तोपों की तैनाती - यही नहीं पूर्वी लद्दाख में भी एलएसी पर चीन की चालबाजी से निपटने के लिए भारत ने अपनी तैनाती में इजाफा किया है। समाचार एजेंसी एएनआइ की हाल ही में आई रिपोर्ट के मुताबिक पूर्वी लद्दाख के फारवर्ड एरिया में भारतीय सेना ने के-9 स्वचालित होवित्जर रेजिमेंट को तैनात किया है। यह तोप लगभग 50 किलोमीटर की दूरी पर मौजूद दुश्मन के ठिकानों को ध्वस्त करने में सक्षम है। के-9 वज्र तोपें ऊंचाई वाले इलाकों में भी काम कर सकती हैं।

बाज नहीं आ रहा चीन - दरअसल चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अपनी कायराना हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। चीनी सेना पूर्वी लद्दाख में स्रष्ट पर अपनी ओर 50 हजार से ज्यादा सैनिकों की तैनाती की है। यही नहीं समाचार एजेंसी एएनआइ की रिपोर्ट के मुताबिक पीएलए भारतीय बलों की टोह लेने के लिए बड़े पैमाने पर ड्रोन का इस्तेमाल भी कर रही है। चीनी सेना की ड्रोन गतिविधियां ज्यादातर दौलत बेग ओल्डी सेक्टर, गोगरा हाइट्स और क्षेत्र के अन्य जगहों पर नजर आ रही हैं। यही वजह है कि भारतीय सेना ने भी अपनी एविएशन विंग को मजबूती दी है।

कोरोना वायरसः ब्रिटेन में संक्रमण से एक दिन में 223 मौत, आंकड़ा काफी चिंताजनक

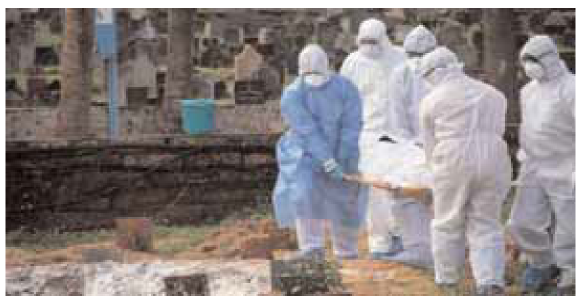

लंदन। दुनिया में कोरोना संक्रमण के मामले पहले के मुकाबले हालांकि काफी कम हुए हैं, लेकिन अभी भी कोरोना वायरस का खतरा टला नहीं है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, ब्रिटेन ने कोरोना से 223 मौतों की सूचना दी जो मार्च के बाद का उच्चतम आंकड़ा है। अब तक कुल 43,738 नए मामले भी दर्ज किए गए।

अमेरिकाः तीन भारतवंशियों समेत 19 उभरते युवा नेताओं को व्हाइट हाउस फेलो के रूप में किया गया नामित

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने तीन भारतीय-अमेरिकियों समेत 19 उभरते युवा नेताओं को 2021-22 के लिए अपने फेलो के रूप में नामित किया है। व्हाइट हाउस फेलोशिप कार्यक्रम के तहत कई पृष्ठभूमियों के पेशेवर चुने जाते हैं, जो एक साल तक व्हाइट हाउस कर्मियों, कैबिनेट मंत्रियों और सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के पूर्णकालिक फेलो के रूप में कार्य करते हैं और इसके लिए उन्हें वेतन भी दिया जाता है।

सूची में जगह बनाने वालों में सनी पटेल, जॉय बसु और आकाश शाह शामिल

इस सूची में जगह बनाने वाले तीन भारतीय-अमेरिकियों में कैलिफोर्निया के सनी पटेल एवं जॉय बसु तथा न्यूजर्सी के आकाश शाह शामिल हैं। सैन फ्रांसिस्को की जॉय बसु को 'व्हाइट हाउस जेंडर पॉलिसी काउंसिल में नियुक्त किया गया है। इससे पहले वह प्रामाणिक और प्रभावित करने वाले विकास संबंधी नवीन व्यवसायों के लिए एक वरिष्ठ सलाहकार के रूप में कार्य कर चुकी हैं। सनी पटेल को गृह सुरक्षा विभाग में नियुक्त किया गया है। पटेल एक बाल एवं किशोर मनोचिकित्सक और सार्वजनिक स्वास्थ्य चिकित्सक हैं, जो बच्चों और परिवारों के लिए समान स्वास्थ्य प्रणालियों का निर्माण करना चाहते हैं। तीसरे भारतवंशी आकाश शाह को स्वास्थ्य एवं मानवसेवा विभाग में नियुक्त किया गया है। जॉय बसु टीपीजी ग्रोथ में पहली चीफ ऑफ स्टाफ थीं, जहां उन्होंने 'द राइज फंड' का निर्माण किया, जो एक महत्वपूर्ण एवं प्रभावी निवेश मंच है। सनी पटेल ने हाल ही में न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय में अपनी फेलोशिप पूरी की, जहां उन्होंने बाल चिकित्सा कैंसर क्लीनिक में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं संबंधी एक मॉडल बनाया था।

अफगानिस्तान : पूर्व राष्ट्रपति करजई ने तालिबान को दी सलाह, कहा- वैश्विक मान्यता पाने के लिए पहले देश के लोगों का प्यार जीतना होगा

काबुल। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने तालिबान को सलाह दी है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता हासिल करने के लिए उसे पहले देश के लोगों का प्यार जीतना होगा। उन्होंने वायस आफ अमेरिका (वीओए) के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि तालिबान को चुनावों के जरिये या लोया जिरगा (एक राष्ट्रीय भव्य सभा) आयोजित करके राष्ट्रीय वैधता हासिल करना चाहिए।

करजई ने यह भी कहा कि इस्लामी अमीरात के पास देश चलाने के लिए एक संविधान होना चाहिए। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय वैधता और अंतरराष्ट्रीय मान्यता महत्वपूर्ण हैं। इसके लिए काम करना चाहिए और अफगानिस्तान के संविधान को लागू करना चाहिए। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय वैधता या तो चुनावों के माध्यम से अथवा लोया जिरगा आयोजित करके हासिल की जा सकती है।

अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति ने पाकिस्तान को देश में दखल न करने के लिए भी कहा

करजई ने यह भी कहा कि पाकिस्तान को काबुल के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा, वह अफगानिस्तान का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकता है, जबकि पाक इन दिनों इस तरह से बोलता है जैसे कि वह हमारा प्रतिनिधित्व करता है। अफगानिस्तान के पत्रकार संघ ने देश के मीडिया का समर्थन करने और मीडिया की आजादी के लिए खड़े होने वाले अंतरराष्ट्रीय संगठनों से कहा है कि यहां सरकारी विभागों में प्रवक्ताओं की नियुक्ति के बाद भी सूचनाओं की पहुंच में कमी है। उन्होंने इस्लामी अमीरात के अधिकारियों से पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के लिए कदम उठाने की अपील भी की।

नेपाल में जानलेवा बारिश से हाहाकार, अब तक 21 लोगों की मौत, 24 लापता

काठमांडू। भारत के बाद अब नेपाल में भी भारी बारिश और भूस्खलन से हाहाकार मचा हुआ है।

इस घटना में अबतक 21 लोगों की मौत हो गई है और 24 लोग लापता हैं। स्थानीय प्रशासन ने इसकी जानकारी दी है। राहत और बचाव कार्य जारी है। स्थिति इतनी भयावह है कि देश के अलग-अलग हिस्सों में सैकड़ों परिवारों को अपने घर छोड़कर दूसरे स्थानों पर जाना पड़ रहा है। काठमांडू टाइम्स के अनुसार, बेमौसम बारिश के कारण आई आपदा से सुदूरपश्चिम प्रांत सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है।

ये इलाके अत्यधिक प्रभावित

नेपाल के कंचनपुर, डोटी, कैलाली, डडेलधुरा, बैतडी, और बझांग जिले बाढ़ से अत्यधिक प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा महाकाली, करनाली और सेती नदियों में दशक का सबसे अधिक जल स्तर दर्ज किया गया है, जिससे जानमाल का भारी नुकसान हो रहा है। डोटी के जिला पुलिस कार्यालय के अनुसार, बाढ़ और भूस्खलन की अलग-अलग घटनाओं में कम से कम नौ लोग मारे गए और एक लापता है।

कोरोना का खौफ : चीन के दो उत्तरी क्षेत्रों में फिर लगा लॉकडाउन, नौ स्थानीय लोगों में मिला वायरस

बीजिंग। चीन ने कोरोना वायरस के खौफ में अपने दो उत्तरी क्षेत्रों में लॉकडाउन लगा दिया है। चीन के नेशनल हेल्थ कमीशन ने बताया कि सोमवार को नौ स्थानीय लोगों में वायरस मिला है। जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत प्रशासन ने इन क्षेत्रों में जांच शुरू करने के साथ इनको पूरी तरह सील कर दिया है। हेल्थ कमीशन के अनुसार नौ नए मरीजों में से पांच शांक्सी प्रांत में जबकि दो मामले चीन के क्षेत्र वाले इन मंगोलिया में मिले हैं। प्रशासन ने संक्रमण के मामले सामने आने के बाद आदेश जारी कर दिया है कि इस क्षेत्र के लोग बिना जरूरी काम के घर से बाहर नहीं निकलेंगे। प्रशासन ने इनर मंगोलिया क्षेत्र के सभी प्रवेश और निकास द्वार बंद कर दिया है। इसके साथ ही 36 हजार लोगों की कोरोना जांच का फैसला किया है। संक्रमण वाले क्षेत्रों में डिसइंफेक्शन का काम शुरू हो गया है।

नेपाल को चीन से दान में मिलेंगे बीस लाख अतिरिक्त टीके

काठमांडू। नेपाल को चीन से कोरोना टीकों की बीस लाख अतिरिक्त खुराक दान में मिलेंगी। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की बातचीत के बाद यह जानकारी सामने आई है। मंगलवार को नेपाल के विदेश मंत्री नारायण खड़का ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से फोन पर बात की थी।

तालिबान ने आत्मघाती हमलावरों को बताया इस्लाम का 'हीरो', परिजनों को जमीन देकर करेगा सम्मानित

काबुल। अफगानिस्तान में जबरन कब्जा कर सरकार बनाने वाले तालिबानी अपनी वास्तविकता को दबाने में अशफल साबित हो रहे हैं। दुनिया से मान्यता के लिए अच्छे होने का ढोंग कर रही तालिबान सरकार का दोहरा चेहरा एक बार फिर उजागर हो गया है। तालिबान के एक शीर्ष मंत्री ने अपने आत्मपघाती हमलावरों (सुसाइड बॉम्बर्स) की जमकर तारीफ की है जिनकी हमलों के दौरान जान जा चुकी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में तालिबान सरकार में गृहमंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी इन आत्मपघाती हमलावरों के परिजनों से मुलाकात की और हमले में मारे गए लोगों को हीरो तक कह दिया।

अफगान स्टेट ब्रॉडकास्टर RTA ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि तालिबान के शीर्ष मंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी ने मारे गये जिहादियों को शहीद और मुजाहिद्दीन कहा। इतना ही नहीं गृहमंत्री ने इन्हें इस्लाम और देश का हीरो भी बताया। बता दें कि सिराजुद्दीन हक्कानी यूनाइटेड स्टेट की लिस्ट में एक आतंकवादी है और उसके सिर पर 10 मीलियन डॉलर का ईनाम है। सिराजुद्दीन हक्कानी ने मरे हुए सभी सुसाइड बॉम्बर्स के परिजनों को 125 डॉलर और एक जमीन का टुकड़ा देने का ऐलान भी किया।

बता दें कि हक्कानी नेटवर्क का संस्थापक सिराजुद्दीन का पिता जल्लालुउद्दीन हक्कानी था। अफगानिस्तान में पिछले दो दशकों में कई खूनी आतंकी हमलों का श्रेय इस आतंकवादी संगठनों पर है। इधर रूस में विदेश मंत्री ने कहा कि उनका देश तालिबान को आधिकारिक तौर से मान्यता नहीं देगा। रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि अभी के लिए वो चाहते हैं कि इस्लामिक ग्रुप अच्छे वादे करे जो वादे उसने अफगानिस्तान में सत्ता हथियाने के बाद किये थे।

चीन ने शिनजियांग के क्रूर प्रशासक वांग झुनझेंग को बनाया तिब्बत का सचिव

बीजिंग। चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने शिनजियांग के क्रूर प्रशासक वांग जुनझेंग को पार्टी की तिब्बत इकाई का प्रमुख नियुक्त किया है। शिनजियांग में उइगर मुसलमानों के मानवाधिकार उल्लंघन में कथित भूमिका के चलते अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और कनाडा ने उनपर प्रतिबंध लगाया था।

समाचार एजेंसी के अनुसार जुनझेंग को चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की तिब्बत स्वायत्त क्षेत्रीय समिति के सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है।वह वू यिंगजी की जगह लेंगे। हांगकांग से प्रकाशित होने वाले साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार जुनझेंग पर मार्च में तब प्रतिबंध लगाए गए थे, जब वह शिनजियांग प्रांत में पार्टी के उपसचिव और सुरक्षा प्रमुख थे। जुनझेंग की पदोन्नति दिखाती है कि शिनजियांग प्रांत में अपनी नीतियों को लेकर चीन पश्चिम की आलोचनाओं और प्रतिबंधों की कोई परवाह नहीं करता।

गर्त में डूबी पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था, 51.6 अरब डालर बाहरी मदद की सख्त जरूरत

इस्लामाबाद। हर मोर्चे पर असफल इमरान खान सरकार के राज में पाकिस्तान लगातार बर्बादी की ओर बढ़ रहा है और इसकी अर्थव्यवस्था बुरी तरह गर्त में डूब चुकी है।

जानकारी के अनुसार पाकिस्तान के हालात इस क्र बिगड़ चुके हैं कि देशवासियों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए पाकिस्तान को अगले दो वर्ष भीतर करीब 9 लाख 92 हजार करोड़ रुपए(पाकिस्तानी मुद्रा) की बाहरी मदद की जरूरत है। अब तक सबसे बड़े आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को बाह्य वित्तीय व्यवस्थाओं के लिए 51.6 अरब डालर (भारतीय मुद्रा में 38.73 खरब रुपए) की जरूरत है ताकि वह अपने दो साल (2021-23) के वित्त वर्ष की मूलभूत जरूरतों को पूरा कर सके।

द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की ओर से बहुत काट-छांट के आकलन करने के बाद भी खस्ताहाल पाकिस्तान की बाह्य वित्तीय आवश्यकताएं वर्ष 2021-22 में 23.6 अरब डालर रही थीं और वित्त वर्ष 2022-23 में 28 अरब डालर की हैं। अगर अंतर्राष्ट्रीय वित्त सुविधा विस्तारित फंड सुविधा के तहत पाक को यह रकम नहीं मिलती है

तो वह आर्थिक तौर पर तबाह होने की तरफ बढ़ जाएगा। IMF के ऋण कार्यक्रम की पात्रता खोने के बाद पाक को विश्व बैंक व एशियन डवलपमेंट बैंक जैसे बहुस्तरीय कर्जदारों से भी ऋण नहीं मिल पाएगा। बता दें कि IMF के कर्मचारी स्तर पर हुए समझौते के तहत बाहरी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमताओं में आए अंतर को पाटने की कोशिश में पाकिस्तान के लिए अनुदान की राशि जुटाई जाती है।

अमेरिका से खिंचाव के बीच IMF के साथ मौजूदा छह अरब डालर के श्वस्न्ख्र (एक्सटेंडेड फंड फैसेलिटी) के तहत बाहरी जरूरतों को पूरा करने के लिए कर्ज देने के प्रोग्राम को स्थगित करना खतरे से खाली नहीं होगा। इसके अलावा, पाकिस्तान को कर्ज देने वाले विश्व बैंक और एशियन डेवलेपमेंट बैंक भी हैं। इन वैश्विक कर्जदाताओं की मदद से पाकिस्तान की मूलभूत जरूरतों को पूरा किया जाता है। यह कर्जदाता एजेंसियां आगे चलकर पाकिस्तान की रेटिंग को और कम कर सकती हैं।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार IMF ने पाकिस्तान से कहा है कि वह कराधान प्रणाली की खामियों को दूर करे और विभिन्न स्तरों पर GST की छूट और दरों को 17 फीसदह के मानक सरल करे। हालांकि पाकिस्तान का प्रशासन इन सुधारात्मक सुझावों का विरोध कर रहा है। उसके इस रवैये की वजह से पहले उपेक्षित कृषि क्षेत्र और बर्बाद हो गया है।

'जिहादिस्तान' बनता जा रहा है बंगलादेश, मदरसे फैला रहे नफरतः तसलीमा नसरीन

ढाका। बंगलादेश में हिंदू विरोधी हिंसा की घटनाओं से क्षुब्ध प्रसिद्ध लेखिका तसलीमा नसरीन ने कहा कि उनका देश अब 'जिहादिस्तान' बनता जा रहा है जहां सरकार अपने राजनीतिक लाभ के लिए मजहब का इस्तेमाल कर रही है और मदरसे कट्टरपंथी पैदा करने में लगे हैं। बंगलादेश से 28 वर्ष पहले निष्कासित लेखिका ने कहा कि मैं अब इसे बंगलादेश नहीं कहती। सभी सरकारों ने इस्लाम को राजधर्म बना दिया जिससे वहां हिंदुओं और बौद्धों की स्थिति दयनीय हो गई है। अपने लेखन के कारण हमेशा कट्टरपंथियों के निशाने पर रहीं तसलीमा ने पूछा कि प्रधानमंत्री शेख हसीना को बखूबी पता है कि दुर्गा पूजा के समय हमेशा हिंदुओं पर जिहादियों के हमले का खतरा रहता है तो

उनकी सुरक्षा के उपाय क्यों नहीं किए गए? उन्होंने कहा मुझे लगता है कि अब दहशत के कारण बचे-खुचे हिंदू भी वहां नहीं रहेंगे।

तसलीमा ने बेशुमार संख्या में मदरसों और मस्जिदों के निर्माण का विरोध करते हुए कहा कि बंगलादेश में बेवजह इतनी मस्जिदें और मदरसे बनाए जा रहे हैं। मजहबी उपदेशों की वाज महफिलों का भी चलन बढ़ गया है जो अनपढ़ गरीबों को इस्लाम के नाम पर कट्टरपंथी बना रही हैं। उधर, बंगलादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने गृहमंत्री असदुजमान खान को दुर्गा पूजा के दौरान हिंदू समुदाय के लोगों के घरों और मंदिरों को निशाना बनाने के पीछे जिम्मेदार लोगों की पहचान करने और उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। इसी बीच अमरीका ने बंगलादेश में अल्पसंख्यक हिन्दू समुदाय के लोगों पर हमलों की कड़ी भर्त्सना की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि धर्म चुनने की आजादी, मानवाधिकार है। इस बीच हिंसा करने के आरोप में अब तक 450 लोगों को पकड़ा गया है।

मानव शरीर में सुअर की किडनी का सफल ट्रांसप्लांट कर डॉक्टरों को मिली बड़ी कामयाबी

न्यूयॉर्क। पूरी दुनिया में मेडिकल साइंस काफी तरक्की कर चुका है। इसी बीच एख नई खबर सामने आई हैं। दरअसल, अमेरिकी डॉक्टरों को पहली बार एक मानव शरीर में एक सुअर की किडनी को ट्रांसप्लांट करने में सफलता मिली है और उस शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र ने तत्काल उस अंग को खारिज नहीं किया। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस पूरी प्रक्रिया को न्यूयॉर्क सिटी में एनवाईयू लैंगन हेल्थ में एक सुअर के साथ अंजाम दिया गया और उसके जीन को बदल दिया गया था ताकि मानव शरीर उसके अंग को तत्काल खारिज न करे। यह ट्रांसप्लांट एक ब्रेन डेड मरीज में किया गया जिसकी किडनी ने काम करना बंद कर दिया था। लाइफ सपोर्ट से हटाने से पहले उनके परिवार ने परीक्षण की अनुमति दी थी, जिसके

बाद डॉक्टरों ने यह एक्सपेरीमेंट किया।

तीन दिनों तक नई किडनी उनकी रक्त वाहिकाओं से जुड़ा हुआ था और उसके शरीर के बाहर रखा गया था। डॉक्टरों ने किडनी ट्रांसप्लांट को सामान्य करार दिया।अमेरिका में यूनाइटेड नेटवर्क फॉर ऑर्गन शेयरिंग के अनुसार, वर्तमान में लगभग 1,07, 000 लोग अंग प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जिसमें 90,000 से अधिक लोग किडनी की प्रतीक्षा कर रहे हैं। एक किडनी ट्रांसप्लांट के लिए औसतन तीन से पांच साल तक इंतजार करना पड़ता है।

तालिबान की राह पर चीन, बच्चों ने की गलती तो मां-बाप जाएंगे जेल!

बीजिंग। चीन में अब बच्चों की गलती की सजा माता-पिता को भुगतना पड़ेगी। इसके लिए बकायदा चीनी संसद में कानून बनाया जा रहा है। इसके तहत बच्चों द्वारा किसी अपराध को अंजाम देने या बुरा व्यवहार करने पर मां-बाप को सजा दी जाएगी। 'फैमिली एजुकेशन प्रमोशन लॉ'के मसौदे के तहत तैयार किए जा रहे इस कानून में यदि कोर्ट को लगेगा कि माता-पिता की देखरेख में बच्चों में बहुत बुरा या आपराधिक प्रवृत्ति पाई जा रही है तो अभिभावकों को फटकार लगाई जाएगी। इसके अलावा पारिवारिक शिक्षा मार्गदर्शन कार्यक्रमों में जाने का आदेश दिया जाएगा।

फैमिली एजुकेशन प्रमोशन लॉ

नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एन.पी.सी.) के तहत विधायी मामलों के आयोग के प्रवक्ता जांग तिवेईक ने कहा कि किशोरों के दुर्व्यवहार करने के कई कारण होते हैं और अनुपयुक्त पारिवारिक शिक्षा इसका प्रमुख कारण है। 'फैमिली एजुकेशन प्रमोशन लॉ' का मसौदे

की इस हफ्ते एन.पी.सी. की स्टैंडिंग कमेटी द्वारा समीक्षा की जाएगी। एन.पी.सी. ने अभिभावकों से गुजारिश की है कि वे अपने बच्चों के आराम करने, खेलने और एक्सरसाइज करने के लिए समय निर्धारित करें। बीजिंग ने इस साल अधिक मुखर तरीके से बच्चों से जुड़े मसलों पर कार्रवाई की है।

आखिर इस नए कानून में क्या है?

नए कानून के मसौदे के तहत अगर बच्चों ने कानूनी उम्र से कम उम्र में कोई अपराध किया है, तो उनके माता-पिता को अधिकारियों द्वारा सजा दी जाएगी। चीन में अधिकांश अपराधों के लिए कानूनी उम्र 16 है। अगर परिवार नियमों का पालन नहीं करता है तो उन्हें चेतावनी दी जाएगी। अपराध की गंभीरता के आधार पर अभिभावकों पर 1000 युआन (लगभग 11 हजार रुपये) का फाइन लगाया जाएगा या उन्हें पांच दिनों तक हिरासत में रखा जाएगा। चीन का कहना है कि इस कानून का मकसद पूरे देश में पालन-पोषण कौशल, नैतिकता और समाजवाद के मूल मूल्यों को बढ़ावा देने है।

संक्षिप्त खबर

दिल्ली में एक बड़े अस्पताल का डॉक्टर गिरफ्तार, पत्नी ने पति पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के ईस्ट ऑफ कैलाश में अपनी पत्नी की कथित तौर पर पिटाई करने के आरोप में पुलिस ने एक नामी अस्पताल के 38 वर्षीय डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में पहले डॉक्टर की पत्नी ने शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस के अनुसार, दिल्ली में घरेलू हिंसा के आरोप में सोमवार को एक 38 वर्षीय डॉक्टर को गिरफ्तार किया गया है। हमें रविवार शाम 5.21 बजे ईस्ट ऑफ कैलाश में डीडीए के एक फ्लैट में घरेलू हिंसा के संबंध में फोन आया और पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस को फ्लैट के अंदर 38 वर्षीय विभा मिली, जिसने बताया कि वह घरेलू हिंसा की शिकार है। आरोपी की पहचान डॉक्टर विनीत धवन के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि तदनुसार, उनके पति डॉ. विनीत धवन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। वह एक बड़े अस्पताल में डॉक्टर हैं। इस संबंध में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 323 और 341 के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं, शिकायतकर्ता को कुछ चोटें भी आई हैं और उसका बयान दर्ज कर लिया गया है। पुलिस चोटों की प्रकृति का पता लगाने के लिए एम्स ट्रॉमा सेंटर से मेडिकल सर्टिफिकेट का इंतजार कर रही है। रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कानूनी धाराओं पर फैसला किया जाएगा।

कूड़े में फेंका दो दिन का बच्चा, किसान बना रखवाला, अस्पताल पहुंचाकर दिया नया जीवन

नई दिल्ली/ सोनीपत । किसी ने नवजात बच्चे को लावारिश हालत में फाजिलपुर गांव के बाहर कूड़े पर फेंक दिया। सुबह लोगों ने बच्चे के रोने की आवाज सुनकर पुलिस को सूचना दी। काफी देर तक पुलिस के नहीं पहुंचने पर ग्रामीणों ने बच्चे को सिविल हास्पिटल में भर्ती कराया। अस्पताल में बच्चे की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रदीप कुमार ने सेक्टर-27 थाना पुलिस को बताया कि वह गांव फाजिलपुर का रहने वाला है। वह खेती करता है। वह मंगलवार सुबह करीब सात बजे अपने खेत पर जा रहा था। जब वह बहालगढ़ रोड पर हैरो फैक्ट्री के पास पहुंचे तो एक बच्चे के रोने की आवाज सुनी। उसने पास जाकर देखा तो कूड़े में एक बच्चा कपड़े में लिपटा पड़ा था। उसने बच्चे को कूड़े से बाहर निकाला और अन्य ग्रामीणों व पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में वहां पर कई ग्रामीण एकत्र हो गए। काफी देर तक पुलिस के नहीं पहुंचने पर उन्होंने बच्चे को सिविल हास्पिटल में भर्ती कराया। वहां पर बच्चे की हालत गंभीर बनी हुई है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि किसी अविवाहित ने लोकलाज के डर से बच्चे को वहां पर फेंक दिया होगा। प्रदीप कुमार ने बताया कि बच्चे के रोने की आवाज सुनकर जब वह कूड़े के पास पहुंचे तो आसपास कई कुत्ते मंडरा रहे थे, लेकिन तब तक उन्होंने बच्चे को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया था। उनके पहुंचने में थोड़ी भी देर हो जाती तो बच्चे की जान को खतरा हो सकता था। लगता है किसी ने थोड़ी देर पहले ही बच्चे को वहां पर फेंका था। इससे वह जीवित बच गया। पिछले दिनों ही कुंडली में एक नवजात को फेंक दिया गया था। उसको कुत्तों ने खा लिया था। छह महीने में जिले में पांच बच्चों को लावारिश हालत में फेंका जा चुका है।

दिल्ली पुलिस ने एनकाउंटर के बाद दो बदमाशों को किया गिरफ्तार, एक ही रात में लूट की चार घटनाओं को दिया था अंजाम

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में एक रात में लूट की कई वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों को पुलिस ने द्वारका इलाके में मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया. अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि छापेमारी के दौरान आरोपियों के एक सहयोगी को भी गिरफ्तार किया गया.

अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की पहचान सचिन (21) और बबलू (20) के रूप में हुई. ये दोनों मंगोलपुरी के रहने वाले हैं. वहीं उनके सहयोगी की पहचान विशाल (21) के रूप में हुई, जो पहले दिल्ली सिविल डिफेंस (डीसीडी) में काम करता था और सुल्तानपुरी का रहने वाला है. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि 11 और 12 अक्टूबर की दरमियानी रात को हथियारबंद लूट की चार घटनाएं द्वारका में हुई. पहली घटना द्वारका सेक्टर के महादेव अपार्टमेंट्स के समीप रात करीब 12 बजकर 30 मिनट के आसपास हुई. पीड़ित ने शिकायत में बताया कि सैंट्रो से यात्रा कर रहे तीन लोगों ने उसे रोका और लूट को अंजाम दिया. वहीं दूसरी घटना में वेलकम होटल के निकट तीन से चार लोगों ने पीड़ित से मोबाइल फोन लूट लिया. तीसरी घटना रात के करीब एक बजकर 15 मिनट पर सेक्टर-9 में आईटीएल स्कूल के समीप हुई और एक व्यक्ति से उसका मोबाइल फोन लुटेरों ने छीन लिया.

वहीं चौथी घटना वेगल मॉल के निकट करीब दो बजकर 35 मिनट पर हुई और शगुन नाम के व्यक्ति से लूटरों ने कथित तौर पर मोबाइल फोन छीन लिया. पुलिस ने जानकारी मिलने के बाद 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों को खंगाला और 100 से ज्यादा लोगों की जांच की. इसके बाद पुलिस को आरोपियों के द्वारका आने के संबंध में जानकारी मिली. जाल बिछाकर पुलिस ने द्वारका सेक्टर-10 में रामलीला मैदान के समीप आरोपियों की कार रोकी. कार से दो लोग बाहर निकले और भागने की कोशिश की. आत्मरक्षा में पुलिस ने चलाई गोली- द्वारका के पुलिस उपायुक्त शंकर चौधरी ने बताया कि आरोपी ने पुलिसकर्मी पर गोली चलाई, जिसके बाद कर्मियों ने आत्मरक्षा के लिए तीन गोली चलाई. दोनों ही संदिग्धों को पैरों में गोली लगी और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया. उन्हें दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में भर्ती कराया गया. इसके बाद सुल्तानपुरी में छापा मारकर विशाल को गिरफ्तार कर लिया गया. उन्होंने बताया कि आरोपी के पास से दो पिस्तौल, लूट में शामिल एक चोरी की कार और चोरी के चार मोबाइल फोन बरामद हुए.

शिक्षक को रास्ता पूछना पड़ा भारी! नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने काटा 2000 रुपए का चालान

नोएडा । देश की राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा के एक युवक को नोएडा ट्रैफिक पुलिस से रास्ता पूछना भारी पड़ गया. इस दौरान युवक ने आरोप ने सोशल मीडिया के जरिए आरोप लगाया है कि उसने वहां पर सेक्टर-16 ए के पास तैनात सिपाही से रास्ता पूछा तो उसने 2000 रुपए का गलत दिशा में चलने का चालान काट दिया. राहुल रंजन एक कोचिंग सेंटर में पढ़ाते हैं और खानपुर दिल्ली में रहते हैं. इसको लेकर पीड़ित ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री से लेकर उत्तर प्रदेश सरकार से मदद की गुहार लगाई है. दरअसल, ये मामला गौतमबुद्ध नगर जिले में नोएडा के सेक्टर-16 ए का है. जहां राहुल का आरोप है कि बीते सोमवार को वह सेक्टर-150 में एक दोस्त से मिलने जा रहे थे. जब वह बाइक लेकर सेक्टर-16ए के पास पहुंचे तो रास्ता भूल गए. उन्होंने कुछ दूर तक गलत दिशा में बाइक चलाकर पुलिसकर्मियों से रास्ता पूछा. इस पर पुलिसकर्मियों ने पहले उनसे कुछ रुपए मांगे. उन्होंने पैसे देने से इनकार कर दिया. इसके बाद वह चला गया. गौरतलब है कि मूलरुप से बिहार के नवादा जिले के रहने वाले राहुल रंजन पेशे से एक कोचिंग सेंटर में शिक्षक है. वह फिलहाल दिल्ली से खानपुर इलाके में रहते हैं. राहुल का कहना है कि कुछ दूरी पर जाने के बाद ही उनके मोबाइल पर 2 हजार रुपए का चालान कटने का मैसेज आया. पुलिसकर्मियों ने उनका रॉग साइड चलने का चालान काट दिया.

बारिश से फसलों को हुआ नुकसान, किसानों को मुआवजा देगी केजरीवाल सरकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सरकार बे-मौसम बारिश की वजह से दिल्ली में बर्बाद हुई किसानों की फसलों का 50 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर मुआवजा देगी। सीएम केजरीवाल ने आज इसकी घोषणा करते हुए कहा कि बे-मौसम बारिश से फसल बर्बाद होने के कारण किसान दुखी हैं। आप दुखी मत हों, आपका बेटा हमेशा की तरह आपके साथ है। बर्बाद हुई फसलों के लिए दिल्ली सरकार प्रति हेक्टेयर 50 हजार रुपये मुआवजा देगी। केजरीवाल ने कहा कि जब भी किसी वजह से फसलें बर्बाद हुई हैं। आप की सरकार ने आगे बढ़कर किसानों का साथ दिया है। हमने केवल घोषणा ही नहीं की, बल्कि हम कोशिश करते हैं कि एक-दो महीने के अंदर किसानों के खाते में पैसा चला जाए। डीएम और एसडीएम बर्बाद हुई फसलों की पैमाइश दो हफ्ते में पूरी लेंगे और अगले एक से डेढ़ महीने के अंदर किसानों के खाते में मुआवजा पहुंच जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ दिन पहले अपने दिल्ली के कुछ किसान मुझसे मिलने के लिए आए थे। वे बहुत दुखी थे। किसानों ने बताया कि बे-मौसम बारिश की वजह से उनकी फसलें बर्बाद हो गई हैं। मैं अपने दिल्ली के सभी किसान भाइयों से कहना चाहता हूं कि आपको दुखी होने की बिल्कुल जरुरत नहीं है। मैं हूं न, आप की सरकार है न। हम आपकी हर मुसीबत में आपके साथ खड़े हैं। आप की सरकार आपकी हर मुसीबत में आपके साथ खड़ी है।

सीएम केजरीवाल ने कहा कि पिछले छह-सात साल में, जबसे दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है, तब से ही, जब भी ऐसे मौके आए और जब किसी वजह से किसान भाइयों की फसलें बर्बाद हुई, आप की सरकार ने आगे बढ़कर आप का साथ दिया। हमने हर बार 50 हजार प्रति हेक्टेयर के हिसाब से अपने किसान भाइयों को मुआवजा दिया। फसल बर्बाद होने पर पूरे देश में दिल्ली सरकार किसानों को सबसे ज्यादा मुआवजा देती है। देश के दूसरे राज्यों में, कहीं पर 8 हजार रुपये, तो कहीं पर 10 हजार रुपये मुआवजा दिया जाता है, लेकिन आप की सरकार ने 50 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर के हिसाब से मुआवजा दिया। साथ ही, हमने केवल घोषणा ही नहीं की, बल्कि हम कोशिश करते हैं कि घोषणा करने के एक से तीन महीने के अंदर सभी किसान भाइयों के खाते में पैसा चला जाए।

उन्होंने कहा कि मैंने इस बार सभी आदेश जारी कर दिए हैं कि जिन-जिन किसान भाइयों की फसलें बर्बाद हुई हैं, उनको 50 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर के हिसाब से मुआवजा दिया जाएगा। हमारे सभी डीएम और एसडीएम पैमाइश कर रहे हैं कि कहां-कहां फसलें बर्बाद हुई है। मुझे उम्मीद है कि दो हफ्ते के अंदर हम सारी पैमाइश व सर्वे पूरी कर लेंगे और उसके बाद जल्द से जल्द अगले एक से डेढ़ महीने अंदर किसान भाइयों का मुआवजा उनके खाते में पहुंच जाएगा। मैं अपने सभी किसान भाइयों से कहना चाहता हूं आपका बेटा आपके साथ खड़ा है। आप दुखी न हो। मैं समझता हूं कि आपकी फसलें बर्बाद हुई हैं। किसान फसल न लगाए, उसमें भी उसको तकलीफ तो होती है, लेकिन उसको उतनी तकलीफ नहीं होती है। लेकिन अगर वह फसल लगाए और उस पर पैसे खर्च करें। खाद-बीज लगाए और उसके बाद उसकी पूरी फसल बर्बाद हो जाए, तो किसान को बहुत ज्यादा दुख होता है। वह कहीं से कर्ज ले रखा होता है। वह कर्ज वापस करने लायक नहीं बचता है। हमारे किसान भाई बिल्कुल दुखी न हों। हम लोग आपके साथ हैं और हम आपका पूरा जल्द से जल्द देने की कोशिश करेंगे।

तापमान में गिरावट ने दिलाई गर्मी से राहत! दिल्ली में सामान्य से 4 डिग्री तक कम रहेगा तापमान; दिन में खिलेगी धूप

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में दो दिन हुई बारिश से अब ठंड का मौसम तेजी से आएगा. वहीं, आगामी कुछ दिन अधिकतम तापमान सामान्य से 4 डिग्री तक कम 31 डिग्री तक रहेगा. इस दौरान आसमान खुला रहेगा. इसी में मौसम विभाग के अनुसार सुबह और शाम धीरे-धीरे ठंड बढ़ेगी. दिन में धूप खिली रहेगी. वहीं, डॉ के मुताबिक बुजुर्गों को सलाह दी गई है कि सुबह सैर पर जाते हुए शरीर को पूरी तरह से ढककर निकलें जिससे सर्दी से बचाव किया जा सके. जहां आने वाले दिनों में प्रदूषण लेवल बढ़ने की आशंका है. ऐसे में जिन लोगों को सांस लेने में तकलीफ है वह सुबह सैर करने से बचें.

दरअसल, खबरों के मुताबिक बीते मंगलवार को दिनभर में अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. इस दौरान उमस 96 फीसदी तक रही. जिसके चलते दिन में तेज धूप निकली पर लोगों को गर्मी का अहसास हुआ. ढ्ढरू के मुताबिक बीते बुधवार को भी दिनभर में अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है. इस दौरान एयर क्वालिटी इंडेक्स (ढ्ढरू) 69 दर्ज किया गया. इसके साथ ही अगले कुछ दिनों तक अधिकतम तापमान 31 से 32 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान जताया गया है.

गौरतलब है कि दिल्ली में बीते अक्टूबर के महीने में पिछले 65 साल में अभी तक 94.6 स्न्रूरिकॉर्ड बारिश दर्ज हुई है. वही, अक्टूबर में सामान्य तौर पर 28 स्न्रूबारिश होती है. मौसम विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र धीरे-धीरे मध्य भारत तक फिर पश्चिमी यूपी तक बढ़ रहा है. ऐसे में अरब सागर से भी नमी भरी हवाएं आई हैं. इनके असर से उत्तर भारत में बीते 2 दिनों में बिना मौसम लगातार बारिश हुई है.

ऐसे में आने वाले दिनों में उत्तर भारत में जल्द ही ठंड बढ़ेगी. दिल्ली में बारिश ने 21 सालों का तोड़ा रिकॉर्ड- बता दें कि दिल्ली में इस साल के पहले महीने यानी कि जनवरी 2021 के पहले हफ्ते में सर्दियों के बीच भारी बारिश से 21 साल का रिकॉर्ड टूट गया था. वहीं, जनवरी के पहले हफ्ते में ही 56.6 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड दर्ज हुई है. जबकि पिछले कई सालों से जनवरी में यह 21-22 मिलीमीटर के आसपास रहती थी.

अपनों को खोने वाले परिजनों को नहीं होगी और दिक्कत, अब दिल्ली के श्मशान और कब्रिस्तान का ऑनलाइन चेक कर सकेंगे स्लॉट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तरी दिल्ली में रहने वाले लोग अब श्मशान स्थलों और कब्रिस्तानों में स्लॉट की वास्तविक समय उपलब्धता ऑनलाइन चेक कर सकते हैं. उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने इस सुविधा के लिए, एक डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है. जिससे लोगों को श्मशान स्थलों और कब्रिस्तानों की उपलब्धता घर से निकलने से पहले ही पता चल सकेगी. नागरिक निकाय की आधिकारिक वेबसाइट- https://mcdonline.nic.in/ के होमपेज से उत्तरी दिल्ली नगर निगम के तहत 'ऑनलाइन सेवाओं' अनुभाग के माध्यम से इस ऑनलाइन सुविधा का लाभ उठाया जा सकता है. इस ऑनलाइन सुविधा के साथ लोगों को डिजिटल श्मशान पर्ची भी मिलेगी.

इन घाटों और और कब्रिस्तानों में मिलेगी ये सुविधा

यह सुविधा निगम बोध घाट , इंदर पुरी, पंचकुइयां रोड, सतनगर, बेरी वाला बाग, वजीरपुर जेजे कॉलोनी, पश्चिम विहार श्मशान भूमि, हैदर पुर श्मशान भूमि, रोहिणी सेक्टर-26 श्मशान भूमि, पुरी कब्रिस्तान, मंगोल पुरी दफन मैदान, मंगोल पुरी श्मशान भूमि में स्लॉट की उपलब्धता दिखाएगी. मेयर राजा इकबाल ने कहा, इस डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से नागरिकों को स्लॉट की रीयल-टाइम उपलब्धता के साथ-साथ डिजिटल श्मशान पर्ची भी मिलेगी.

इस प्लेटफॉर्म से लोगों के मिलेगी बड़ी मदद- एनडीएमसी के अधिकार क्षेत्र में प्रमुख श्मशान स्थल स्थित हैं - निगमबोध घाट, इंद्रपुरी, पंचकुइयां रोड, मंगोलपुरी श्मशान भूमि और हैदरपुर श्मशान भूमि. अधिकारियों ने कहा कि अन्य स्थलों में मंगोलपुरी कब्रिस्तान, मंगोलपुरी कब्रिस्तान, पश्चिम विहार श्मशान भूमि, रोहिणी सेक्टर -26 श्मशान घाट, सतनगर, बेरीवाला बाग और वजीरपुर जेजे कॉलोनी में सुविधाएं हैं.

कोरोना काल में श्मशान स्थलों में देखी गई थी भीड़- दिल्ली में कोविड महामारी की दूसरी लहर के दौरान निगमबोध घाट और अन्य श्मशान स्थलों में भयानक तस्वीरें देखने को मिली थी. कोरोना से जान गंवाने वाले लोगों के शवों की लंबी-लंबी लाइन घाटों के बाहर लगी थी. घाट फुल हो गए थे, हालात ये थे कि मृतकों के परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए कई घंटो तक इंतजार करना पड़ा था. एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह सुविधा वास्तव में लोगों के लिए एक बड़ी मदद के रूप में आएगी क्योंकि वे रीएल टाइम में ऑनलाइन उपलब्धता देखने के बाद अपनी यात्रा का प्लान बना सकते हैं.

दिल्ली-एनसीआर में रिकॉर्ड तोड़ रहा है डेंगू, पीड़ितों को नहीं मिल रहे बेड, जमीन पर लेटने को मजबूर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली सहित पूरे एनसीआर में डेंगू कहर बरपा रहा है। कई जगह तो इस बीमारी ने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। अबकी बार डेंगू इसलिए भी ज्यादा मारक है क्योंकि मरीज की प्लेटलेट्स दो से तीन दिन में ही काफी गिर जा रही है। पहले करीब छह से सात दिन में ऐसा होता था। इसके अलावा इस बार डेंगू बच्चों को भी ज्यादा चपेट में ले रहा है। बच्चों में तेज बुखार के साथ-साथ उल्टी, पेट में दर्द और सिरदर्द जैसे लक्षण दिख रहे हैं। ठीक होने के बाद भी लंबे समय तक कमजोरी बनी रह रही है। एनसीआर के विभिन्न शहरों के हालात पर हिन्दुस्तान की रिपोर्ट..

दिल्ली नगर निगम की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 16 दिनों में (1 अक्तूबर से 16 अक्तूबर तक) ही डेंगू के 382 मामले सामने आ चुके हैं। यह संख्या पिछले साल पूरे अक्तूबर माह में आए डेंगू के मामलों से भी अधिक हैं। पिछले साल अक्तूबर में डेंगू के 346 डेंगू मरीज मिले थे। ज्ञात हो कि हाल ही में राजधानी में डेंगू से मौत का पहला मामला सामने आया था। डेंगू से एक 35 वर्षीय महिला की मौत हो गई थी। सरिता विहार मेट्रो कॉलोनी निवासी ममता को 20 सितंबर को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। छह दिन बाद महिला की मौत हो गई थी।

मरीजों को नहीं मिल रहे बेड, जमीन पर लेटने को मजबूर- राजधानी दिल्ली के अस्पतालों में डेंगू और वायरल बुखार के मरीज तेजी से बढ़े हैं। हालात यह है कि मेडिसिन विभाग के वार्ड में इन मरीजों को बेड तक नहीं मिल पा रहे हैं। किसी जगह एक बेड पर दो से तीन मरीज भर्ती हैं तो कहीं बेड खाली न होने की वजह से मरीज जमीन पर इलाज कराने को मजबूर हैं।

रोज 100 के करीब मरीज आ रहे- सफदरजंग अस्पताल- दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के मेडिसिन वार्ड का बुरा हाल है। यहां रोज डेंगू और डेंगू के लक्षण वाले 80 से 100 मरीज इलाज के लिए आ रहे हैं। ऐसे में यहां भर्ती सभी मरीजों को बेड नहीं मिल पा रहा है। मेडिसिन के वार्ड 11 में जमीन पर पड़े मरीज मिल जाएंगे। इन मरीजों को ग्लूकोज और अन्य दवाएं आईवी के जरिए जमीन पर ही स्टैंड से बोतल लटकाकर दी जा रही हैं। नर्स भी ब्लड सैंपल से लेकर तापमान जांच के काम जमीन पर ही कर रही हैं। डॉक्टर भी वहीं इलाज कर रहे हैं। यह हाल तब है जब इस अस्पताल में डेंगू और वायरल फीवर के मरीजों के लिए कुल 110 बेड आरक्षित किए गए हैं।

45 बेड पर लगभग 150 पीड़ित-अंबेडकर अस्पताल- दिल्ली के रोहिणी स्थित बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल में भी डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़ी है। डॉक्टरों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक यहां 45 बेड के एक वार्ड में करीब 150 मरीज भर्ती हैं। इन मरीजों में आधे मरीज ऐसे हैं जिन्हें डेंगू की पुष्टि हो चुकी है या फिर डेंगू के लक्षण हैं। लक्षणों के आधार पर सभी का इलाज किया जा रहा है। यहां एक बेड पर दो या इससे अधिक मरीज भर्ती हैं। बचे हुए मरीज जमीन पर लेटे हैं और वहीं उनका इलाज किया जा रहा है।

क्या कहते हैं डॉक्टर-एम्स मेडिसिन विभाग के डॉक्टर नवल विक्रम ने कहा, इस बार ज्यादा बारिश की वजह से डेंगू के मामले बढ़े हैं। एम्स मेडिसिन विभाग के वार्ड में आने वाले आधे मरीज ऐसे हैं जो डेंगू से पीड़ित हैं। मरीज लगातार तरल पदार्थ लेते रहें। डिहाइड्रेशन की वजह से मरीज को ज्यादा नुकसान का खतरा है।द्वारका आकाश अस्पताल के मेडिसिन विभाग के प्रमुख डॉक्टर राकेश पंडित ने कहा, डेंगू के मरीजों में 18 से 30 साल के युवक-युवतियों की संख्या अधिक है। अगर तीन से चार दिन तक उल्टी, तेज बुखार और चक्कर आ रहे हैं तो इसे नजरंदाज न करें। प्लेटलेट्स कम होने के मामले भी डेंगू में दिख रहे हैं। ऐसे अधिकतर मामलों में डेंगू के पांचवें दिन के बाद प्लेटलेट्स गिरने शुरू होते हैं।द्वारका आकाश अस्पताल के बाल रोग विभाग में डॉक्टर मीना जे ने कहा, बच्चों में इस बार लक्षण थोड़े ज्यादा गंभीर दिखाई दे रहे हैं। डेंगू से पीड़ित बच्चों में तेज बुखार के साथ पेट दर्द भी लक्षणों में शामिल है।

एक भाजपा कार्यकर्ता उठाएगा 15 परिवारों का जिमा

नई दिल्ली । दिल्ली नगर निगम चुनाव में जीत दोहराने के लिए भाजपा ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। जनसंपर्क अभियान के साथ ही बूथ प्रबंधन पर पार्टी का विशेष जोर है। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि चुनाव जीतने के लिए बूथ को मजबूत करना जरूरी है। इसे ध्यान में रखकर जमीन पर प्रभाव रखने वाले समर्पित कार्यकर्ताओं की फौज तैयार की जा रही है। एक कार्यकर्ता के जिम्मे 10 से 15 परिवार होंगे। पहले बूथ स्तर पर पांच कार्यकर्ताओं की टोली होती थी, इस बार इनकी संख्या बढ़ाकर 21 की जा रही है।

भारतीय जनता पार्टी की कोशिश लगातार चौथी बार निगमों में केसरिया परचम फहराने की है और इसके लिए रणनीति बनाकर जमीन पर काम शुरू कर दिया गया है। छोटी-छोटी बैठकों के माध्यम से मोदी सरकार की नीतियों व उपलब्धियों और निगमों की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने की कवायद हो रही है। प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता झुग्गी बस्तियों में प्रवास कर जनसंवाद कर रहे हैं। बैठकों और जनसंवाद से भाजपा नेता आम आदमी पार्टी सरकर की नीतियों और वादों पर भी सवाल खड़े कर रहे हैं। जनता

से जुड़ाव बढ़ाने के लिए कार्यकर्ता उनसे नियमित संपर्क करेंगे।

काम पर रहेगी प्रदेश की नजर- पन्ना प्रमुखों के कामकाज पर नजर रखने और उनकी समस्या के समाधान के लिए प्रदेश से लेकर मंडल तक नेताओं की जिम्मेदारी तय की गई है। प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक गोयल देवराहा संयोजक बनाए गए हैं। प्रत्येक जिले व मंडल में भी संयोजक बनाए गए हैं।

छह नवंबर तक पन्ना प्रमुखों की हो हो जाएगी तैनाती- स्थानीय जुड़ाव की जिम्मेदारी पन्ना प्रमुखों पर होगी। सभी 13789 बूथ पर योग्य पन्ना प्रमुख तैनात करने का काम चल रहा है। छह नवंबर तक यह काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। एक पन्ना प्रमुख के जिम्मे अधिकतम 15 परिवार होंगे। यह भी ध्यान रखा जा रहा है कि इन परिवारों में संपर्क रखने वाले कार्यकर्ता को ही यह जिम्मेदारी दी जाए। वह चुनाव तक नियमित रूप से इन परिवारों के बीच में जाकर भाजपा की नीतियों, केंद्र सरकार और निगमों की उपलब्धियों की जानकारी देंगे। उनकी परेशानी भी हल कराने की कोशिश होगी।

पन्ना प्रमुख पिछले चुनावों में भी बनाए जाते थे, लेकिन इनकी सक्रियता पर सवाल खड़े होते रहे हैं। कई बार सिर्फ कागजों पर इनकी तैनाती रह जाती थी। इस बार इनकी तैनाती व काम में पारदर्शिता लाने की कोशिश है। पन्ना प्रमुख का विवरण भाजपा के मोबाइल एप कार्यकर्ता कनेक्ट पर डाला जाएगा। विवरण जमा करने के बाद सत्यापन के लिए उसके मोबाइल नंबर पर ओटीपी जाएगा, जिसे मोबाइल एप पर भरना होगा। बाद में फोन करके भी उसकी सत्यता की जांच होगी। झुग्गीवासियों को साथ जोड़ने के लिए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता झुग्गी सम्मान यात्र निकाल रहे हैं। 29 नवंबर तक चलने वाली इस यात्रा में वह 33 विधानसभा क्षेत्रों में स्थित झुग्गीवालों के बीच जाएंगे।

चोरी की स्कूटी पर करते थे झपटमारी, दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली । गीता कालोनी थाना पुलिस ने चोरी की स्कूटी पर झपटमारी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। बदमाशों की पहचान कुणाल वर्मा व अब्बासी और रिसीवर बंटी लाल कपूर के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से चोरी की दो स्कूटी और छह मोबाइल फोन बरामद किए हैं। तीनों ही गांधी नगर के रहने वाले हैं।जिला पुलिस उपायुक्त आर सत्यसुंदरम ने बताया कि 14 अक्टूबर को शीतल नाम की महिला से गीता कालोनी में स्कूटी सवार बदमाशों ने मोबाइल झपटा था। पीड़िता के बयान पर पुलिस ने केस दर्ज किया। जांच के लिए हेड कांस्टेबल दीपक व अन्य की टीम बनाई।

पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, बदमाश कैमरे में कैद मिले। पुलिस ने उससे उनकी पहचान की और सोमवार को जाल बिछाकर दोनों बदमाशों को दबोच लिया। पुलिस को उनके पास से एक चोरी की स्कूटी मिली, उनकी निशानदेही पुलिस ने एक और स्कूटी गांधी नगर से बरामद की पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि वह झपटमारी के मोबाइल दुकानदार बंटी को बेचते थे। बाद में पुलिस ने उसे भी दबोच लिया। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने शराब तस्करी के आरोप में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 31 काटरून (1497 क्वार्टर) हरियाणा निर्मित शराब बरामद की गई है। उक्त शराब मद्रासी कैंप झुग्गी, जंगपुरा व निजामुदीन में बेची जानी थी। डीसीपी अपराध शाखा मोनिका भारद्वाज के मुताबिक गिरफ्तार किए गए तस्करों के नाम के मणि, मुरगन, मुरुगेसन व आनंद है।

वहीं, नबी करीम इलाके में गला दबाकर एक व्यक्ति से मोबाइल लूटने वाले बदमाश को मध्य जिला पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसकी पहचान दिनेश उर्फ चड्डी के रूप में हुई है। बदमाश की निशानदेही पर पुलिस ने लूटा हुआ मोबाइल बरामद कर लिया है। पुलिस उपायुक्त श्वेता चौहान ने बताया कि शनिवार रात सदर बाजार निवासी इरशाद अहमद अपनी बहन से मिलने के लिए नबी करीम स्थित उनके घर आए हुए थे। जब वे घर जा रहे थे इस दौरान सब्जी मंडी इलाके के फैक्ट्री रोड के पास उन्हें दो बदमाशों ने घेर लिया, जिन्होंने लूटपाट की।

दिल्ली के इस जिले में 100 फीसद लोगों को लगा टीके का पहला डोज

नई दिल्ली । कोविड-19 के खिलाफ शुरू हुए टीकाकरण अभियान को नौ माह पूरे हो चुके है और अच्छी बात यह है कि पश्चिमी जिले में 18 वर्ष से अधिक उम्र के शत-प्रतिशत लोगों को टीके का पहला डोज लग चुका है। वहीं जिले की 59 फीसद जनता को टीके का दूसरा डोज भी लगाने में प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग ने सफलता हासिल कर ली है। हालांकि त्योहारों के बीच बीते कुछ दिनों से टीका साइटों पर टीकाकरण कराने वालों की संख्या में कमी देखी गई है। पश्चिमी जिले में कोविड-19 टीकाकरण अभियान की प्रमुख डा. रंजना कक्कड़ ने बताया कि जिले के अंतर्गत 115 टीका साइट चल रही है। लोग अपना टीकाकरण पूरा कराएं, इसके लिए गली-मोहल्ले में मोबाइल वेन घूम-घूम कर लोगों का टीकाकरण सुनिश्चित कर रही है।

इसके अलावा आरडब्ल्यूए व कालोनियों के प्रमुख लोगों की मदद से गली-मोहल्लों व सोसाइटियों में शिविर का भी आयोजन कर लोगों को घरों के नजदीक टीकाकरण कराने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की मदद से लोगों को टीकाकरण कराने के लिए बार-बार प्रेरित किया जा रहा है।

इस दिशा में प्रशासनिक स्तर पर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जिसके तहत कोविन एपलिकेशन पर रजिस्टर लोगों के मोबाइल नंबर पर उनसे संपर्क कर उन्हें टीके का दूसरा डोज लगवाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कामकाज के बीच कई ऐसे लोग है जो टीके का दूसरा डोज लगवाना भूल गए है। उन्हें फोन कर याद दिलाया जा रहा है। इसके लिए युवाओं की एक अलग टीम गठित है।

इसके अलावा बीते दिनों छुट्टी वाले दिन भी टीका साइट खोली गई है और मेगा शिविर का आयोजन किया गया, पर यह देखा गया कि छुट्टी वाले दिन अन्य दिनों के मुकाबले टीकाकरण कराने के लिए काफी सीमित लोग ही आगे आएं। असल में मौजूदा समय में लोग त्योहारों व शादी की तैयारियों में व्यस्त है।

डा. रंजना कक्कड़ ने कहा कि स्थायी जनता के साथ-साथ जिले के अंतर्गत प्रवासी लोगों का भी टीकाकरण पूरा हो इसके लिए भी विभाग पूर्णत- प्रयासरत है। दूसरा अब टीका साइट पर दबाव भी काफी कम है और हमारी पूरी कोशिश रहती है कि साइट पर आया कोई भी व्यक्ति बिना टीकाकरण कराएं वापस लौटे। तीसरी लहर से बचाव के लिए शत-प्रतिशत टीकाकरण जरूरी है और त्योहारों के रंग में भंग न पड़े इसके लिए जरूरी है कि सभी योग्य लोग अपना टीकाकरण पूरा कराएं।

दिल्ली-एनसीआर के बाजारों ने चीन को दिया बड़ा झटका

नई दिल्ली । कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर के बाद इस त्योहारी सीजन में बाजारों में ग्राहकों को चीन निर्मित सामान की कमी खल रही है। चीन निर्मित सामान के प्रति ग्राहकों के आकर्षण के दो मुख्य कारण रहे हैं। पहला चीन निर्मित सामान में वैरायटी अधिक होती हैं। दूसरा ये भारतीय उत्पादों से सस्ता होता है। फिलहाल बाजारों में चीन निर्मित सामान की अधिकता नहीं है।

इलेक्ट्रानिक्स सामान और उपकरण के अलावा मोबाइल फोन का बाजार तो पूरी तरह चीन निर्मित सामान से भरा रहता था, मगर इस बार बाजारों में इसकी चुनिंदा वैरायटी ही हैं। जो सामान उपलब्ध है, उसकी दर भी भारतीय उत्पादों के मुकाबले ज्यादा कम नहीं है। दुकानदारों का कहना है कि मोदी सरकार की कई पाबंदियों और चीन निर्मित सामान पर आयात शुल्क बढ़ाए जाने के कारण

सामान की कमी आई है। मसलन बैटरी आधारित खिलौनों का बाजार पूरी तरह चीन पर निर्भर रहता था, लेकिन अब ऐसा नहीं है। चीन से खिलौना आयात कर बेचने वाले डीलर मुनेश शर्मा का कहना है कि दिसंबर 2020 के बाद से चीन निर्मित खिलौने नहीं आए हैं। इसका एक कारण यह है कि खिलौनों पर आयात शुल्क 20 से सीधे 60 फीसद हो गया है। इस साल से खिलौनों पर भारतीय मानक ब्यूरो (बीआइएस) का प्रमाणपत्र लागू कर दिया गया है। चीन निर्मित बैटरी चलित खिलौनों पर बीआइएस का प्रमाणपत्र लेना छोटे डीलर के लिए आसान नहीं है। चीन निर्मित सामान की कमी के अलावा त्योहारी सीजन के दौरान भी बाजारों में दुकानदार आनलाइन खरीददारी की चुनौती से जूझ रहे हैं। विभिन्न कंपनियों के इलेक्ट्रानिक्स सामान के दिल्ली एनसीआर में डीलर राजेश अग्रवाल बताते हैं कि नवरात्र, दशहरा और दीपावली के पर्व के दौरान इलेक्ट्रानिक्स सामान की मांग काफी हद तक बढ़ जाती है। कोरोना वायरस के संकटकाल से निकल चुके भारतीय बाजारों में अभी इलेक्ट्रानिक्स सामान की मांग उस अनुपात में नहीं निकली है जिसमें दो साल पहले थी।

संपादकीय

हवा में जहर के नए पैमाने

स्वच्छ आबोहवा के लिए तय मौजूदा न्यूनतम मानदंडों का विश्व समुदाय संजीदगी से पालन करता, उससे पहले ही विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सार्वजनिक स्वास्थ्य के सुरक्षा-मानक कड़े कर दिए हैं। बुधवार को जारी अपने नए वायु गुणवत्ता दिशा-निर्देशों में संगठन ने सुरक्षित हवा के पैमानों को फिर से निर्धारित किया है। इससे पहले सन् 2005 में इनमें संशोधन किया गया था। नए दिशा-निर्देशों के मुताबिक, अभी वैश्विक आबादी का 90 फीसदी हिस्सा और भारत में करीब-करीब शत-प्रतिशत लोग ऐसी हवा में सांस ले रहे हैं, जो डब्ल्यूएचओ के मानक पर खरी नहीं उतरती है। बहरहाल, इन दिशा-निर्देशों में सबसे अधिक तवज्जो पार्टिकुलेट मैटर (पीएम), यानी सूक्ष्म कणों को दी गई है। यह दुनिया भर में वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों के लिए सर्वाधिक जिम्मेदार है। 70 लाख के करीब मौतें अकेले इसी वजह से होती हैं। नए दिशा-निर्देशों में पीएम-2.5 (जिन सूक्ष्म कणों का आकार 2.5 माइक्रोमीटर से कम होता है) की सालाना सीमा 10 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर से घटाकर पांच माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर कर दी गई है। उसके 24 घंटे का औसत भी 25 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर से घटाकर 15 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर कर दिया गया है। पीएम-10 (जिन सूक्ष्म कणों का आकार 10 माइक्रोमीटर से कम हो) के लिए भी वार्षिक और 24 घंटे की औसत सीमा में पांच-पांच माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर की कमी की गई है।

मुख्य गैसों के लिए भी दिशा-निर्देशों में संशोधन किया गया है। मसलन, नाइट्रोजन डाई-ऑक्साइड की वार्षिक सीमा 2005 के मुकाबले चार गुना कम कर दी गई है और इसे 40 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर से घटाकर 10 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर कर दिया गया है। इस बार 24 घंटे की गाइडलाइन भी जारी की गई है और इसके लिए 25 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर की सीमा तय की गई है। इसी तरह, ओजोन के लिए आठ घंटे का मानक पूर्ववत 100 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर है, लेकिन पीक-सीजन सीमा तय करते हुए इसे 60 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर कर दिया गया है। कार्बन मोनोऑक्साइड का मानक भी पूर्ववत चार माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर रखा गया है। हालांकि, यह समझ से परे है कि नए दिशा-निर्देशों में सल्फर डाई-ऑक्साइड के वार्षिक मानक का जिक्र नहीं है, जबकि यह सल्फर-युक्त ईंधन के उपयोग से सीधे-सीधे जुड़ा है। इन ईंधनों में कोयला और अन्य औद्योगिक ईंधन भी शामिल हैं, जो विकासशील मुल्कों में व्यापक रूप से इस्तेमाल किए जाते हैं। हां, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस बार पार्टिकुलेट मैटर के अन्य रूपों (जैसे, ब्लैक कार्बन या एलिमेंटल कार्बन, अल्ट्राफाइन पार्टिकल्स और रेत या धूल भरी आंधी से पैदा होने वाले कणों) को लेकर भी दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

इन निर्देशों में इस बात पर जोर दिया गया है कि वायु प्रदूषण से होने वाले नुकसान का जो आकलन पूर्व में किया गया था, अब उससे कहीं ज्यादा नुकसान पहुंच सकता है। इसका अर्थ है कि सभी देश अपने यहां इन जोखिमों को कम करने के उपायों में तेजी लाएं। मगर 'स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर रिपोर्ट, 2020' बताती है कि वर्ष 2019 में दुनिया के तमाम हिस्सों में वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए बहुत कम या नाममात्र के कार्य हुए। निम्न और मध्यम आय वाले देशों में तो हालात पूर्ववत खतरनाक हैं। रही बात भारत की, तो नए दिशा-निर्देश भारत के वायु गुणवत्ता मानकों पर पुनर्विचार करने और उनमें तत्काल संशोधन की जरूरत बता रहे हैं। मसलन, पीएम-2.5 के लिए भारत का वार्षिक औसत मानक 40 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक से आठ गुना अधिक है। इसी तरह, 24 घंटे का मानक भी यहां चार गुना ज्यादा 60 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर है। जाहिर है, डब्ल्यूएचओ के नए दिशा-निर्देशों ने भारत के लिए असहज स्थिति पैदा कर दी है, वह भी तब, जब केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने भारतीय मानकों की समीक्षा की प्रक्रिया शुरू कर दी है। लिहाजा, इसका जवाब आसान नहीं है कि दक्षिण एशिया और विशेष रूप से भारत पीएम-2.5 के पांच और 15 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर के कठिन लक्ष्य को किस तरह से पा सकेगा? विशेषज्ञ मानते हैं कि यहां की मौसम व जलवायु संबंधी परिस्थितियां जटिल हैं, जिनमें धुंध, गगनचुंबी इमारतों व बुनियादी ढांचे की वजह से क्षेत्र-विशेष में बढ़ते तापमान और अत्यधिक प्रदूषण से चुनौतियां बढ़ जाती हैं। आलम यह है कि प्रदूषणकारी गतिविधियों को रोक भी दें, तब भी केवल प्राकृतिक प्रक्रियाओं से हवा में काफी ज्यादा प्राकृतिक कार्बोनिक एरोसोल, यानी सूक्ष्म तरल बूंदों का निर्माण होता है। इन सबके अलावा, विभिन्न स्रोतों से होने वाले उत्सर्जन और चूल्हे पर खाना पकाने जैसी जीविकोपार्जन प्रक्रियाओं से पैदा होने वाले प्रदूषण को भी थामने की जरूरत है। सवाल यह है कि प्रदूषण को हम किस हद तक कम कर सकते हैं? फिलहाल तो यही चुनौती है कि देश के तमाम कोनों में राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता मानक हर हाल में लागू किए जाएं। महामारी के दौरान लॉकडाउन में हमने प्रदूषण में उल्लेखनीय कमी देखी थी, जो स्थानीय प्रदूषण और क्षेत्रीय प्रभावों को कम करने के कारण संभव हो सका था। इससे पता चलता है कि यदि स्थानीय स्तर पर कड़े कदम उठाए जाएं, तो कठिन से कठिन लक्ष्य भी हासिल किया जा सकता है। सेंटर फॉर साइंस ऐंड एन्वायर्नमेंट (सीएसई) का अध्ययन बताता है कि बेहतर वायु गुणवत्ता मानकों को पूरा करने वाले दिनों की संख्या 2020 में अच्छी-खासी बढ़ गई थी। भारत में भू-जलवायु का असर भी पड़ता है, जो स्थानीय स्तर पर प्रदूषण का स्तर बढ़ाने का काम करता है। प्रदूषण स्रोतों के तीव्र प्रसार और वायु गुणवत्ता की कमजोर प्रबंधन प्रणालियों के कारण यहां स्थिति गंभीर हो गई है। ऐसे में, वायु की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए हमें क्षेत्रीय नजरिए पर कहीं ज्यादा फोकस करना होगा। लैंसेट का अध्ययन बताता है कि एक लाख की आबादी में मौत के पैमाने पर यदि पड़ताल की जाए, तो पार्टिकुलेट प्रदूषण के कारण स्वास्थ्य जोखिम कमोबेश पूरे देश में एक समान है। साफ है, अपने यहां सार्वजनिक स्वास्थ्य एक बड़ा मसला है। हालांकि, इससे अब भी पार पाया जा सकता है, बशर्ते विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों के मुताबिक, भारत समाज के कमजोर तबकों पर असमानता और असंगत प्रभावों के पड़ने वाले असर को दूर करने की ठोस रणनीति अपनाए।

प्रवीण कुमार सिंह

जम्मू और कश्मीर में दुबई के निवेश के फैसले से क्यों बौखलाया है पाकिस्तान?

अगर उन 27 लाख लोगों को संयुक्त अरब अमीरात सरकार से वापस पाकिस्तान भेज दिया गया तो पाकिस्तान आर्थिक रूप से और भी डूब जाएगा, क्योकि उनके द्वारा घर भेजे गए पैसों से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था जुडी हुई है. अगर ऐसा हुआ तो दूसरे देश भी वही काम कर सकते हैं, क्योंकि दुबई द्वारा जम्मू और कश्मीर में निवेश एक शुरुआत है, अन्य पश्चिमी एशियाई देश भी जम्मू और कश्मीर में निवेश और व्यापर करने आ सकते हैं. अब फैसला पाकिस्तान को करना होगा कि उसे जम्मू और कश्मीर पर दावा चाहिए या फिर उनके लाखों कमाऊ पूतों की सलामती.

अब तक कश्मीर का राग अलापने वाले पाकिस्तान के मुंह पर सोमवार को एक ऐसा तमाचा लगा जो उसके कश्मीर पर दावे को पूरी तरह से खोखला बना देता है. यह तमाचा किसी और ने नहीं बल्कि मुस्लिम जगत के एक महत्वपूर्ण देश ने जड़ा है. वह देश है संयुक्त अरब अमीरात. सोमवार को घोषणा हुई कि संयुक्त अरब अमीरात के सबसे अहम् अमीरात दुबई केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के क्षेत्र में निवेश करने जा रहा है. दुबई संयुक्त अरब अमीरात की आर्थिक राजधानी है और उसका स्थान संयुक्त अरब अमीरात में वैसा ही है जैसा कि भारत में मुंबई का या फिर अमेरिका में न्यू यॉर्क का. दुबई दुनिया के सबसे विकसित और मशहूर शहरों में से एक है और संयुक्त अरब अमीरात पश्चिम एशिया में सऊदी अरब के साथ सबसे महत्वपूर्ण देश है.

संयुक्त अरब अमीरात सात अमीरातों के विलय से एक नए देश के रूप में 1971 में विश्व पटल पर आया. शुरू में 6 आमिरात - अबू धाबी, दुबई, शारजाह, अजमान, फुजैरा और उम अल कुन - के विलय से संयुक्त अरब अमीरात बना और 1972 में रास अल खैमाह भी संयुक्त अरब अमीरात का हिस्सा बन गया. दुबई रेगिस्तान में एक चमत्कार से कम नहीं है. जहां पहले पीने का पानी भी मुश्किल से नसीब होता था वहीं अब वहां एक जगमगाता शहर बसा है. जहां दुनिया भर से पर्यटक घूमने आते हैं और पूरी दुनिया के लोग वहां नौकरी करने को लालायित रहते हैं.

अभी इस बात की जानकारी नहीं है कि दुबई जम्मू और कश्मीर में कितनी राशि निवेश करने जा रहा है. समझौते के अनुसार दुबई जम्मू और कश्मीर में इंडस्ट्रियल पार्क, आईटी टावर्स, बहुउद्देशीय टावर्स, लॉजिस्टिक सेंटर, एक मेडिकल कॉलेज और एक बड़े अस्पताल के निर्माण में निवेश करेगा. निवेश की राशि से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है एक प्रमुख देश द्वारा जम्मू और कश्मीर में निवेश करना.

शुरू के दिनों में पूरा मुस्लिम जगत पाकिस्तान के जम्मू और कश्मीर के ऊपर दावे का धर्म के आधार पर समर्थन करता था और पाकिस्तान को आर्थिक मदद और लोन भी देता था. उन पैसों से पाकिस्तान भारत के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देने के काम कर रहा था, भारत के अथक कूटनीतिक प्रयासों की वजह से पहले संयुक्त अरब अमीरात और बाद में सऊदी अरब ने भी पाकिस्तान को समर्थन और आर्थिक सहायता देना बंद कर दिया, जिसकी वजह से आज पाकिस्तान दिवालिया होने के कगार पर आ गया है. पाकिस्तान मुस्लिम देशों की बिरादरी में अलग थलग पड़ चुका है. और अब दुबई का जम्मू और कश्मीर में निवेश का सीधा असर यह होने वाला है कि कुछ एक गिने चुने देशों के अलावा पाकिस्तान का कश्मीर के ऊपर दावे का शायद ही कोई देश समर्थन करते दिखे.

संयुक्त अरब अमीरात और पश्चिम एशिया के अन्य देश पेट्रोलियम के खनन से काफी अमीर हो गए. पर पिछले कुछ वर्षों से उन्हें यह भय सताने लगा था कि पेट्रोलियम हमेशा के लिए नहीं रहेगा, फिर उनका क्या हश्र होगा? दुबई ने इस दिशा में पहल की और आय के नए श्रोतों का विकास किया, जिसमे से विदेशों में निवेश भी एक है. निवेशक उन्ही देशो में जाते हैं जहां उनका निवेश सुरक्षित रहे और उस निवेश से वह कमाई कर पाएं. पाकिस्तान की तुलना में भारत पूरे विश्व में निवेश के लिया काफी उपयुक्त पाया गया. जहां भारत के दूसरे राज्यों में पश्चिम एशिया के देशों ने निवेश करना शुरू कर दिया था, यह पहला अवसर है जब कोई मुस्लिम देश जम्मू और कश्मीर में निवेश करने जा रहा है और वह भी धारा 370 को हटाए जाने के बाद, जिस पर पाकिस्तान पूरे विश्व में रोता देखा गया.

अब तक पाकिस्तान जम्मू और कश्मीर के आतंकवाद को बढ़ावा देने को इस्लाम से जोड़ता आया है. पर अब ज्यादातर देशों को यह समझ में आ गया है कि आतंकवाद और इस्लाम का आपस में कुछ लेना देना नहीं है. पाकिस्तान के नेता जम्मू और कश्मीर के नाम पर दुनिया भर से पैसे लेते रहे, जिसका इस्तेमाल आतंकवाद को बढ़ावा देने में किया गया. इस आतंकवाद की चपेट में पश्चिम एशिया भी आने लगा था. पर अब स्थिति बदलने लगी है.

जम्मू और कश्मीर में अभी भी पाकिस्तान आतंकवादियों को भेज रहा है. पर दुबई और जम्मू-कश्मीर की सरकार के बीच इस समझौते से पाकिस्तान में दुविधा की स्थिति बन जाएगी. दुबई से पैसा और परियोजना आएगी जिसके निर्माण का कार्य भारतीय मजदूर ही करेंगे. पाकिस्तानी आतंकवादी इन दिनों जम्मू और कश्मीर में दूसरे राज्यों से आये श्रमिकों की हत्या कर रहे हैं. जम्मू और कश्मीर में प्रति वर्ष 3 से 4 लाख दूसरे प्रदेशों से श्रमिक आते हैं. पाकिस्तान नहीं चाहता कि जम्मू और कश्मीर में स्थिति सामान्य हो जाए और वहां विकास और खुशहाली का माहौल बने. इसलिए प्रवासी श्रमिकों की वहां इन दिनों हत्या हो रही है, ताकि वह वहां से वापस चले जाएं और कश्मीर का सेब, बागान से मंडियों तक नहीं पहुंच पाए.

अब जब दुबई इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास की योजनाओं में निवेश करेगा तो उसके कारण और भी लाखों श्रमिकों की जरूरत पड़ेगी जो दूसरे राज्यों से ही आएंगे. पाकिस्तान की समस्या यह होगी कि अगर जम्मू और कश्मीर में विदेशीं निवेश आना शुरू हो गया और प्रदेश में आर्थिक उन्नति और खुशहाली की स्थिति बन गयी तो उसे जिन मुट्ठीभर स्थानीय लोगों का समर्थन मिलता है वह भी ख़त्म हो जाएगा और पाकिस्तानी आतंवादियों को पनाह और खाना देने वाला भी कोई नहीं बचेगा. और अगर इन परियोजनाओं को आदतन वह रोकने की कोशिश करेगा तो उसे दुबई और अन्य पश्चिम एशिया के देशों से लताड़ मिलेगी.

संयुक्त अरब अमीरात की आबादी लगभग एक करोड़ है, जिसमें से 27 लाख पाकिस्तानी हैं और 38 भारतीय. अगर जम्मू और कश्मीर में पाकिस्तान ने दुबई के निवेश में अवरोध पैदा करने की कोशिश की तो इस संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता कि पाकिस्तानी लोगों के वहां से निष्कासन की प्रक्रिया ना शुरू हो जाए. अगर उन 27 लाख लोगों को संयुक्त अरब अमीरात सरकार से वापस पाकिस्तान भेज दिया गया तो पाकिस्तान आर्थिक रूप से और भी डूब जाएगा, क्योकि उनके द्वारा घर भेजे गए पैसों से पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था जुडी हुई है. अगर ऐसा हुआ तो दूसरे देश भी वही काम कर सकते हैं, क्योंकि दुबई द्वारा जम्मू और कश्मीर में निवेश एक शुरुआत है, अन्य पश्चिमी एशियाई देश भी जम्मू और कश्मीर में निवेश और व्यापर करने आ सकते हैं. अब फैसला पाकिस्तान को करना होगा कि उसे जम्मू और कश्मीर पर दावा चाहिए या फिर उनके लाखों कमाऊ पूतों की सलामती.

रहस्य, अध्यात्म और यथार्थ से बनी निराला की लेखनी हिंदी साहित्य की अनुपम उपलब्धि

इन पंक्तियों को पढ़ने मात्र से एहसास हो जाता है कि हिंदी साहित्य में छायावाद के आधार स्तंभों में एक सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' सच में कितने साधारण थे। इसी साधारणता से वह असाधारण रचनाओं का सृजन कर रहे थे। 15 अक्तूबर 2021 को हिंदी साहित्य के इस नक्षत्र की 60वीं पुण्यतिथि है7 इनका स्वर्गवास इलाहाबाद के दारागंज मोहल्ले में सन 1961 में हुआ था। सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' का जन्म उस समय के बंगाल की महिषादल रियासत में 21 फरवरी 1899 में हुआ और जन्मकुंडली के अनुसार नाम रखा गया सुर्जकुमार। निराला जी के पिता पंडित रामसहाय तिवारी मूलतः उत्तरप्रदेश के उन्नाव जिले के अंतर्गत पड़ने वाले गांव गढ़ाकोला के रहने वाले थे, जो महिषादल में सिपाही की नौकरी कर रहे थे। सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'के बालमन ने संघर्ष को करीब से देखा था।

पिता की सीमित आय में घर खर्चा कठिनाई से चलता था, लेकिन आत्मसम्मान की रक्षा उन अभावों में भी कैसे हो ये निराला ने घर से ही सीखा था। मात्र तीन वर्ष के थे तो उनकी माता रुक्मणि देवी का देहांत हो गया। विपत्ति यहीं न रुकी बीस बरस का होते- होते पिता भी परलोक गमन कर गए। उन दिनों बाल विवाह भी होते थे फलत॰ निराला का विवाह 14 वर्ष की आयु में मनोहरा देवी से कर दिया गया। वह नाम के अनुरूप सुंदर एवं विदुषी महिला थीं। कहते हैं हिंदी का बहुत सा ज्ञान निराला को उन्हीं के माध्यम से मिला। लेकिन सन 1918 में फैली इन्फ्लूएंजा बीमारी ने पत्नी समेत परिवार के बहुत से सदस्यों को असमय काल का ग्रास बनाया। निराला ने कुछ समय महिषादल के राजा के मातहत नौकरी भी की। बाद में रामकृष्ण मिशन से जुड़ गए, उनकी पत्रिका 'समन्वय' का सम्पादन किया। 1923 में उनका पहला काव्य संग्रह अनामिका आया और 1930 में परिमल, फिर गीतिका, अनामिका द्वितीय, तुलसीदास, कुकुरमुत्ता, अणिमा, नये पत्ते, गीत गूंज, सांध्य काकली आदि अनेक कविताएं एवं काव्य संग्रह प्रकाशित हुए। दस उपन्यास, पांच कहानी संग्रह, निबंध, आलोचना, अनुवाद, बाल साहित्य, पुराण साहित्य सब विधाओं और विषयों पर निराला पैंतीस वर्षों से अधिक समयावधि तक लिखते रहे। राजकमल प्रकाशन से नंदकिशोर नवल के सम्पादन में आठ खंडों में निराला रचनावली भी प्रकाशित हुई है, इसमें निराला की सम्पूर्ण रचनाएं संकलित हैं सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की दृष्टि हमेशा भारतीय संस्कृति, भारतीय जन और मन को अभिव्यक्त करने में ही लगी रही। जब वह 'वर दे वीणावादिनी वर दे! प्रिय स्वतंत्र-रव अमृत-मंत्र नव भारत में भर दे! से मां सरस्वती का वंदन करते हैं तो मूल में भारत और उसकी दशा से उसे उबारने की कामना ही है।

'वो तोड़ती पत्थर' कविता में श्रम से उपजे सौन्दर्य को वो सबसे पहले महत्व देते हैं। वह यह भी जानते थे कि केवल एक ही विचारधारा के बूते परिवर्तन नहीं आ सकता तो विद्रोह की बात भी अपनी कविताओं के द्वारा करते हैं। यहां भगवान राम, मर्यादा पुरुषोत्तम राम भी आम व्यक्ति की तरह हताश, निराश होते है- मात॰, दशभुजा, विश्वज्योति, मैं हूं आश्रित; और तब शक्ति की परिकल्पना निराला करते हैं। उनका आशीर्वाद भी मिलता है- होगी जय, होगी जय, हे पुरुषोत्तम नवीन। कह महाशक्ति राम के वदन में हुई लीन। यह पुरुषोतम नवीन भारत का जन-जन बन सकता है ऐसा विश्वास निराला जगाते हैं। निराला उन व्यक्तित्वों में थे, जिन्होंने आजीवन संघर्ष ही किया। अनेक कठिनाइयों से लोहा लेते रहे जूझते रहे।

अपनी पुत्री सरोज की मृत्यु पर लिखी कविता उस पिता की मार्मिक अभिव्यक्ति है, जिसने जीवन को दुःख और संघर्ष से ज्यादा जाना है- दुःख ही जीवन की कथा रही, क्या कहूं आज जो नहीं कही! अपनी पुत्री को दिया पिता का यह तर्पण हिंदी की ही नहीं मानव जीवन की भी मार्मिक अभिव्यक्ति है। निराला की रचनाओं में भावबोध है, चित्रण कौशल है जिसमें जगत का सजीव रूप है। छायावाद का प्राकृतिक सौन्दर्य है, उस सौन्दर्य के साथ प्रकृति की शक्ति भी है। जहां यथार्थ की बात करते हैं, वहां निडर होकर कबीर की तरह दो टूक शब्दों की सपाटबयानी भी है। भारतीय संस्कृति, आचार-विचार, पौराणिक पात्र, तत्कालीन समस्याएं, किसान जीवन और उसका संघर्ष, मजदूर की बात, स्त्रियों की बात- उनकी शक्तिरूपेण संस्थिता की बात, निजी जीवन का संघर्ष, जीविका का संघर्ष, अनेक तरह की जद्दोजहद के बीच आत्मसम्मान को बचाए रखना, निर्भीकता से अपनी बात कहना ही तो सूर्यकान्त त्रिपाठी को निराला बनाता है।

सावरकर पर विवाद क्यों

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में यह कहकर सबको चौंका दिया कि स्वतंत्रता सेनानी और हिंदू महासभा के नेता वीर सावरकर ने अंग्रेजों से माफी महात्मा गांधी के कहने पर मांगी थी। उन्होंने अपने भाषण में इस दावे का कोई आधार नहीं बताया। जैसी कि अपेक्षा थी, उनके बयान पर कांग्रेस और अन्य दलों की ओर से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई। इसे इतिहास को तोड़ने मरोड़ने की एक और कोशिश बताते हुए सवाल उठाया गया कि सावरकर की ओर से माफी की पहली अर्जी 1911 में डाली गई थी, जबकि महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत 1915 में लौटे, ऐसे में यह कैसे संभव हो सकता है कि सावरकर ने माफी गांधी के कहने पर मांगी हो?

बेहतर होता, रक्षा मंत्री अपनी बात ज्यादा स्पष्टता से और तथ्यों व सबूतों का आधार बताते हुए रखते। लेकिन सवाल यह है कि आखिर देश में सावरकर की माफी को लेकर बार-बार विवाद क्यों होते रहते हैं। इसमें दो राय हो ही नहीं सकती कि देश के बीसवीं सदी के इतिहास में सावरकर की अपनी एक खास भूमिका रही है जिसकी वजह से उनका अपना एक अलग स्थान है। अगर यह तथ्य है कि उन्होंने जेल से छूटने के लिए अंग्रेजी सरकार के पास बार-बार माफीनामा भिजवाया, तो इसे स्वीकार करने में हमें कोई दिक्कत क्यों होनी चाहिए?

इस देश को लेकर, इसकी संस्कृति, इतिहास और भविष्य को लेकर, देश की आजादी के लिए लड़ी जा रही लड़ाई को लेकर उस दौर के हर महापुरुष की अपनी एक समझ, अपना एक नजरिया था जिस पर आधारित उनकी खास रणनीति थी। यह रणनीति अगर भगत सिंह को फांसी के फंदे की ओर ले गई तो उस दौर में भी उनके तमाम साथियों की उस पर सहमति ही नहीं थी। इसी तरह सावरकर की रणनीति ने उन्हें अंग्रेजी सरकार के पास माफीनामा भिजवाने को प्रेरित किया तो हमारा उनसे सहमत होना जरूरी नहीं है, लेकिन इसे लेकर शर्मिंदा महसूस करने का भी कोई कारण नहीं है। यह शर्मिंदगी ही है जिसकी वजह से हममें से कुछ लोग आज भी कभी सावरकर के माफीनामे को झुठलाने लगते हैं तो कभी इसके लिए महात्मा गांधी या दूसरे राष्ट्रनायकों की आड़ लेने की कोशिश करते हैं।

यह स्थिति तब उत्पन्न होती है जब हम एक खास दौर के इतिहास को उसके मूल रूप में समझने और संबंधित व्यक्तित्वों का सटीक मूल्यांकन करते हुए उनके गुणों-अवगुणों से सही सबक लेने के बजाय उन महापुरुषों को आपस में लड़ाना शुरू करते हैं कि फलां जी ढिकां जी से ज्यादा बड़े या छोटे थे। यह न केवल उन महापुरुषों की स्मृतियों के साथ अन्याय है बल्कि उस दौर की हमारी समझ को भी धुंधला और दूषित करता है। इसलिए इस प्रवृत्ति से जल्द से जल्द मुक्ति पाने की जरूरत है चाहे वह हमारे स्वतंत्रता संग्राम के दौर से जुड़ी हो या मध्यकालीन और प्राचीन दौर के इतिहास से।

संयुक्त किसान मोर्चे का कृषि कानून विरोधी आंदोलन बना रहा अराजकता और हिंसा के नए कीर्तिमान

उस महाराष्ट्र में मोर्चा नेताओं के आंदोलन को पिछले एक साल में कभी समर्थन नहीं मिला। बंद करवाने के लिए सरकार की मदद लेनी पड़ी। इस आंदोलन की किसानों के बीच अविश्वसनीयता का इससे बड़ा प्रमाण और क्या हो सकता है? ऐसा हश्र किसी भी आंदोलन का हो सकता है, पर इस आंदोलन का हुआ, जो कहीं ज्यादा गंभीर बात है। ऐसा इसलिए, क्योंकि इस आंदोलन को देश के सभी मोदी विरोधी राजनीतिक दलों का समर्थन हासिल है। आम किसान के समर्थन से वंचित यह आंदोलन मोदी विरोधी दलों के जनाधारहीन होने की कहानी भी कहता है। तो दो शून्य मिलकर क्या बनते हैं? यह बताने के लिए आपको गणितज्ञ होने की जरूरत नहीं है।

भारतीय राजनीति में अब सभी वर्जनाएं टूट गई हैं। संविधान की व्याख्या अब कानून के मुताबिक नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों की जरूरत के मुताबिक होती है। संयुक्त किसान मोर्चा ने हाल में भारत बंद का आह्वान किया। इस बंद को सफल बनाने के लिए महाराष्ट्र ने सरकार और गुंडागर्दी दोनों का इस्तेमाल किया। देश के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ कि किसी राज्य सरकार ने एक संगठन द्वारा बुलाए बंद की अपील को कामयाब बनाने के लिए बाकायदा कैबिनेट से प्रस्ताव पास कराया। संविधान निर्माताओं ने कभी इसकी कल्पना नहीं की होगी, मगर इस पर किसी विपक्षी दल को संविधान और जनतंत्र खतरे में नजर नहीं आया। इस आंदोलन को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा के दो दावे या वादे बेमानी साबित हुए हैं। पहला यही कि यह गैर राजनीतिक है और दूसरा यह कि आंदोलन अहिंसक होगा। सोते-जागते गांधी की दुहाई देने वालों को अब गांधी नहीं याद आते। चौरीचौरा में हिंसा के बाद गांधी ने अपना आंदोलन रोक दिया था। इसके विपरीत संयुक्त किसान मोर्चा का आचरण देखिए। गणतंत्र दिवस पर लाल किले और दिल्ली के दूसरे इलाकों में अराजकता का जो नंगा नाच हुआ वही इस कथित अहिंसक आंदोलन को रोकने के लिए पर्याप्त था, लेकिन उसके बाद जो हुआ वह और खतरनाक है।

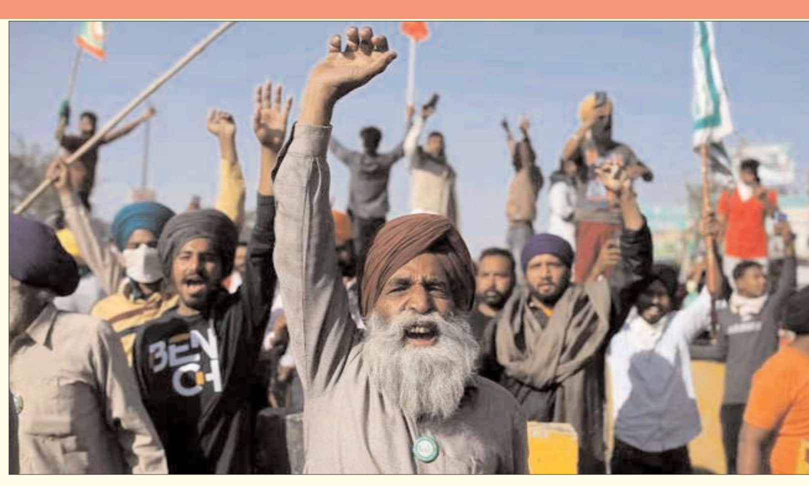

पंजाब में भाजपा विधायक के कपड़े फाड़ दिए, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में विधायक की गाड़ी पर हमला, हरियाणा में विधायक को बंदी बना लिया। हरियाणा और पंजाब में जनप्रतिनिधियों को अपने क्षेत्र में नहीं जाने दिया जा रहा। फिर लखीमपुर खीरी में चार लोगों की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। उत्तर प्रदेश में ब्राह्मणों और गरीबों की चिंता से दुखी होने वालों में घटना के इस पक्ष पर गजब का सन्नाटा है।

इन सब बातों से भी ज्यादा चिंता की बात है भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत का यह बयान कि लखीमपुर खीरी में भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या गलत नहीं है। उनके इस बयान पर किसी विपक्षी दल की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। किसी अदालत ने स्वत॰ संज्ञान नहीं लिया। हिंसा के लिए खुल्लम-खुल्ला उकसाने का इससे बड़ा प्रमाण और क्या हो सकता है। तो क्या मान लिया जाए कि देश में खून के बदले खून का कानून लागू हो गया है।

संयुक्त किसान मोर्चा के नेता गुरनाम सिंह चढूनी राजनीतिक नेताओं (कांग्रेस) से मिले और फिर किसानों से पार्टी बनाकर चुनाव में उतरने की अपील की। उन्हें कुछ दिन के लिए मोर्चे से निलंबित करने का नाटक किया गया। संगठन ने अब यह नाटक-आडंबर भी त्याग दिया है। टिकैत से किसी ने सवाल भी नहीं पूछा। किसान आंदोलन के नाम पर एक ऐसा युद्ध लड़ा जा रहा है जिसमें केंद्र की भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री से सारी नैतिकता, संविधान के प्रविधानों के अनुसार काम करने, हिंसा के खिलाफ संयम बरतने जैसी तमाम अपेक्षाएं हैं। दूसरे पक्ष के लिए इन सब बातों के विरुद्ध आचरण की छूट है। किसान नेता किसी संवैधानिक पद पर नहीं हैं। उनका संविधान में भी कोई यकीन नहीं दिखता। वे नहीं बताएंगे कि सरकार ने जो तीन कृषि कानून बनाए हैं उनमें क्या खराबी है? उनकी बस एक ही जिद है कि कानून रद करो। क्यों रद करो? क्योंकि उसके बिना जिन राजनीतिक दलों का खेल वे खेल रहे हैं उन्हें फायदा नहीं होगा। संयुक्त किसान मोर्चा और सरकार का विरोध कर रहे विपक्षी दलों ने सारी ताकत लगा दी, लेकिन इस कथित आंदोलन को ढाई राज्यों से बाहर नहीं पहुंचा सके।

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे सरकार ने जो किया उसे इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। महाराष्ट्र में शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस की साझा सरकार है। इन तीन पार्टियों को इस बात का विश्वास नहीं था कि वे मिलकर भी संयुक्त किसान मोर्चा की भारत बंद की अपील को सफल बना पाएंगी। ऐसे में एक ही रास्ता बचा था। सरकारी बंद। जिस सरकार पर प्रदेश की व्यवस्था चलाने की जिम्मेदारी है, वही कैबिनेट से उसे बंद करवाने का प्रस्ताव पास करवा रही है। यह इस बात का भी संकेत है कि उद्धव ठाकरे को भरोसा नहीं था कि उनकी अपील पर बाकी दोनों दल साथ देंगे। इतना सब करके भी शिवसेना के गुंडों को सड़क पर उतारना पड़ा।

लखीमपुर खीरी में चार लोगों पर गाड़ी चढ़ाकर मार दिया गया। क्या यह सुनियोजित था या बदहवासी में ऐसा हुआ? इसकी जांच हो रही है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र के बेटे आशीष पर आरोप लगा तो पुलिस ने हत्या और अन्य धाराओं में नामजद मुकदमा दर्ज किया। चार दिन बाद गिरफ्तारी भी हो गई। पंद्रह घंटे में योगी सरकार ने किसानों की सभी मांगें भी मान लीं। राकेश टिकैत ने उत्तर प्रदेश के एडीजी कानून व्यवस्था के साथ साझा प्रेस कांफ्रेंस में इसकी घोषणा कर दी। लगा कि मामला ठंडा हो गया और कानून अपना काम करने लगा। इससे दूसरे खेमे में बेचैनी नजर आने लगी। इतना बड़ा मौका कैसे छोड़ सकते हैं। पहले टिकैत को लानत भेजी गई। टिकैत को तो जिधर फायदा दिखता है, उधर झुक जाते हैं। सो पलट गए। अब भारत बंद, अरदास, अस्थि कलश यात्र, रेल रोको और लखनऊ में महापंचायत जैसे कार्यक्रमों की घोषणा की गई। प्रियंका वाड्रा भी मंगलवार को किसान मोर्चा के कार्यक्रम में लखीमपुर खीरी पहुंच गईं। मंच पर नहीं, लेकिन अगली कतार में उन्हें जगह दी गई। यह कुछ वैसा दृश्य था जैसा पुराने जमाने में जमींदार के किसी गांव वाले के विवाह समारोह में पहुंचने पर दिखता था।

यानी अगली कतार में बैठकर आशीर्वाद देने का। संयुक्त किसान मोर्चा का यह आंदोलन अराजकता और हिंसा के नए कीर्तिमान बना रहा है। महाराष्ट्र हमेशा से किसान आंदोलनों के लिए विख्यात रहा है। उस महाराष्ट्र में मोर्चा नेताओं के आंदोलन को पिछले एक साल में कभी समर्थन नहीं मिला। बंद करवाने के लिए सरकार की मदद लेनी पड़ी। इस आंदोलन की किसानों के बीच अविश्वसनीयता का इससे बड़ा प्रमाण और क्या हो सकता है? ऐसा हश्र किसी भी आंदोलन का हो सकता है, पर इस आंदोलन का हुआ, जो कहीं ज्यादा गंभीर बात है। ऐसा इसलिए, क्योंकि इस आंदोलन को देश के सभी मोदी विरोधी राजनीतिक दलों का समर्थन हासिल है। आम किसान के समर्थन से वंचित यह आंदोलन मोदी विरोधी दलों के जनाधारहीन होने की कहानी भी कहता है। तो दो शून्य मिलकर क्या बनते हैं? यह बताने के लिए आपको गणितज्ञ होने की जरूरत नहीं है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

कारसेवकपुरम पहुंचे संघ प्रमुख मोहन भागवत, वर्ग में स्वयंसेवकों को करेंगे संबोधित

अयोध्या। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत बुधवार की सुबह कारसेवकपुरम पहुंचे। वे कारसेवकपुरम में बीती 18 अक्टूबर से चल रहे संघ के शारीरिक अभ्यास वर्ग में शामिल होंगे। वे गुरुवार की शाम को लखनऊ रवाना होंगे। माना जा रहा है कि वे बुधवार को रामलला और बजरंगबली का दर्शन पूजन भी करेंगे। साथ ही राममंदिर निर्माण की प्रगति का जायजा भी लेंगे। हालांकि, संघ प्रमुख के कार्यक्रम को सार्वजनिक नहीं किया गया है। वर्ग से भी मीडिया को दूर रखा गया है। संघ प्रमुख मंगलवार की देर शाम अयोध्या पहुंचे थे और संघ कार्यालय साकेत निलयम में उन्होंने रात्रि विश्राम किया। सोमवार को कारसेवकपुरम में आरएसएस का अखिल भारतीय शारीरिक अभ्यास वर्ग प्रारंभ हुआ था। इसकी शुरुआत अखिल भारतीय शारीरिक शिक्षण प्रमुख सुनील कुलकर्णी ने की। यह आयोजन पांच वर्ष के अंतराल पर होता है। पिछली बार इसे नागपुर-महाराष्ट्र के भुसावल में आयोजित किया गया था। वर्ग की शुरुआत भोर में चार बजे से स्वयंसेवकों के जागरण से हो रही है। सुबह से शाम तक तीन बार शाखा लग रही है। पहले दिन दंड, योग, पदविन्यास हुआ और शाम को नयाघाट क्षेत्र में शाखा लगी। माना जा रहा है कि संघ प्रमुख स्वयंसेवकों को संबोधित भी करेंगे। वर्ग में देशभर के 460 स्वयंसेवक हिस्सा ले रहे हैं।

पीलीभीत सांसद ने बाढ़-बारिश से प्रभावित किसानों के लिए मांगा विशेष पैकेज, सीएम योगी आदित्यनाथ को भेजा पत्र

बरेली। पीलीभीत सांसद वरुण गांधी ने बारिश और बाढ़ से प्रभावित किसानों के लिए सरकार से विशेष पैकेज दिए जाने का सरकार से अनुरोध किया है। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजा है। सांसद ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजे पत्र में कहा कि उनका संसदीय क्षेत्र कृषि बाहुल्य है। जिसके अंतर्गत पीलीभीत, बरखेड़ा, बीसलपुर, पूरनपुर व बहेड़ी आते हैं। इन सभी क्षेत्रों में दो दिन से बाढ़ के कारण बहुत ज्यादा नुकसान हुआ है। किसानों के खेतों में पके हुए धान की फसल पूरी तरह से बर्बाद हो चुकी है। इसके अलावा गन्ना व अन्य फसल भी बर्बाद हो चुकी है। काफी संख्या में किसानों के पशुओं का भी नुकसान हुआ है। सांसद ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि किसानों की फसल एवं पशुओं के नुकसान का सर्वे कराकर किसानों को हुई क्षति का मुआवजा एवं फसल बीमा देने एवं पीलीभीत व अन्य आसपास के जिलों के लिए विशेष पैकेज दें। किसानों को इस संकट की घड़ी में आर्थिक सहायता की सख्त जरूरत है। पीलीभीत के देवहा में आई बाढ़ का पानी शहर के निकट पहुंच गया है। ईदगाह क्रासिंग से बरेली हाईवे को जोड़ने वाली सड़क पर कई फिट पानी चल रहा है। इस मार्ग पर आवागमन बंद करा दिया है। मार्ग के दोनों ओर बैरीकेडिंग कराई गई है। नगर पंचायत पकड़िया नौगवां के बिल्कुल नजदीक देवहा नदी का पानी चल रहा है। सड़क पार इस्लाम नगर में भी बाढ़ का पानी पहुंच गया है। दूसरी ओर शहर के मुहल्ला फीलखाना के पास निचले इलाके में देवहा नदी का पानी पहुंच जाने से लोगों में खलबली मची हुई है। शहर के मुहल्ला बेनी चौधरी, डालचंद के साथ ही शहर से सटे गांव चंदोई में भिकारीपुर मार्ग पर खकरा नदी का पानी आ गया है। इससे सड़क पर लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। नावकूड, बेहरी, शरीफगंज और अमरगंज के निकट देवहा नदी काफी उफान पर है। ग्रामीणों के खेत बाढ़ के पानी में डूब गए हैं।

ट्विटर पर भिड़ गए तेजस्वी यादव और ललन सिंह, जेडीयू अध्यक्ष का तंज- जनता को मत समझिए पोठिया मछली

पटना । बिहार में दो सीटों कुशेश्वरस्थान और तारापुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर अब प्रचार के साथ साथ सियासी बयानबाजी भी तेज हो गई है। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बेटे और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव दोनों सीट पर पार्टी की जीत के लिए पूरी ताकत झोंक रहे तो वहीं एनडीए भी दोनों सीटों पर जीत दर्ज करने के लिए चुनावी रणनीति बनाने में जुट गई है। तारापुर में चुनाव प्रचार के दौरान तेजस्वी यादव का मछली पकड़ना अब चुनावी मुद्दा बनता जा रहा है। जेडीयू अध्यक्ष ललन सिंह और तेजस्वी यादव के ट्विटर पर भिड़ गए हैं। तेजस्वी यादव ने जेडीयू अध्यक्ष पर मल्लाह समाज के अपमान को आरोप लगाया तो वहीं ललन सिंह ने कहा है कि, नेता प्रतिपक्ष जनता को पोठिया मछली समझने की भूल न करें। तारापुर में चुनाव प्रचार के दौरान तेजस्वी यादव का मछली पकड़ने का वीडियो इंटनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। तेजस्वी यादव ने खुद वीडियो पोस्ट कर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज भी कसा। जिसके बाद जेडीयू अध्यक्ष ललन सिंह ने तेजस्वी को निशान पर लिया और कहा कि, उनका(तेजस्वी यादव) आत्मविश्वास कमजोर हो गया है, ऐसे में मछली नहीं मारेंगे तो और क्या करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मछली भी मिली तो पोठिया मछली। ललन सिंह के बयान के बाद तेजस्वी यादव ने बुधवार को ट्वीट कर सीधे इसे मल्लाह समाज के आपमान से जोड़ दिया। उन्होंने लिखा कि, मछली पकड़ने को छोटा काम बताने वाले जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष को मल्लाह समाज से माफी मांगनी चाहिए।

जनता को पोठिया मछली मत समझिए- तेजस्वी यादव के ट्वीट के बाद जेडीयू के अध्यक्ष ललन सिंह और मुंगेर से सांसद ललन सिंह ने ट्वीट कर लालू यादव और तेजस्वी दोनों पर हमला किया है।ललन सिंह ने ट्वीट कर लिखा है कि, जनता की भावना से खेलना बंद कीजिए। आपके पिता से बड़ा सामंती बिहार में कोई नहीं। इसके साथ ही उन्होंने लिखा है कि, जनता को पोठिया मछली समझने की भूल नहीं करें।

बिहार के भाजपा विधायक ने दिया बड़ा बयान-जल्द होगी एक और एयरस्ट्राइक, होश में रहे पाकिस्तान

पटना । कश्मीर में बिहारी मजदूरों की हत्या पर भाजपा विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि आतंकवादियों के खिलाफ भारत सरकार एक और एयर स्ट्राइक करेगी। जरूरत पड़ेगी तो सरकार उससे भी बड़ा कदम उठाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि देश का बहुसंख्यक समाज जाग गया तो पाकिस्तान और उसके समर्थक मिट्टी में मिल जाएंगे। मजदूरों के खून के हर बूंद का बदला लिया जाएगा। आप सरकार पर भरोसा रखें। मधुबनी जिले के बिस्फी विधानसभा के विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने कहा कि 370 और 35 ए धारा हटाए जाने के बाद से आतंकवादी हताशा में हैं। घाटी में पर्यटक, मजदूर और अन्य लोग जा रहे थे। इस कारण ध्यान बंटाने के लिए और दहशत फैलाने के लिए आतंकवादियों ने इस तरह का कदम उठाया है। वे मजदूरों की हत्या कर रहे हैं। लेकिन मजदूरों के खून के एक-एक बूंद का बदला लिया जाएगा। विधायक ने कहा कि एयर स्ट्राइक की जरूरत है। सरकार यह करेगी भी और जरूरत पड़ने पर उससे भी बड़ा कदम उठाया जाएगा। विधायक ने लगे हाथ भारत सरकार से यह भी मांग कर दी कि भारत-पाकिस्तान का मैच भी नहीं होना चाहिए। क्योंकि गोली और मैच दोनों साथ नहीं हो सकता। बता दें कि कश्मीर में आतंकवादियों ने बिहार के मजदूरों की हत्या पिछले दिनों कर दी थी। टारगेट किलिंग की घटनाओं से बिहार ही नहीं देशभर के लोगों में काफी आक्रोश है। इसको देखते हुए पाकिस्तान के साथ होने वाला मैच रद किए जाने की मांग उठ रही है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह भी इस ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कर चुके हैं। अब देखने वाली बात यह होगी कि आतंकवादियों के इस कायरतापूर्ण कदम का क्रिकेट पर क्या असर पड़ता है।

नालंदा में कोर्ट की छत से कूद गया युवक, डर्टी पिक्चर से था कनेक्शन, उधर महिला ने उठाया यह कदम

बिहारशरीफ । नालंदा व्यवहार न्यायालय परिसर में मंगलवार को अलग-अलग घटनाओं में एक युवक व एक महिला ने आत्महत्या करने का प्रयास किया। युवक जहां अश्लील वीडियो वायरल करने का आरोपित है। वह गिरफ्तार कर पेशी के लिए लाया गया था। वहीं महिला अपने पति से प्रताड़ित है। दोनों की जान बच गई है। अलग-अलग जगहों पर दोनों का इलाज चल रहा है। एक ही दिन हुई दो घटनाओं से हड़कंप की स्थिति बनी रही। बताया जाता है कि आशानगर निवासी बली तांती ने 12 अक्टूबर को एक किशोरी का आपत्तिजनक वीडियो वायरल कर दिया था। इस घटना से आहत किशोरी ने आत्महत्या का प्रयास किया था। इसकी प्राथमिकी दर्ज होने के बाद आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में लाया गया था। इसी दौरान वह छत से कूद गया।

यूपी के लखीमपुर में बड़ा हादसा, घाघरा नदी में नाव पलटने से 10 लोग डूबे, बचाव कार्य जारी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले की धौरहरा तहसील में एक बड़ा हादसा हो गया है. जिले के थाना इसानगर क्षेत्र के मिर्जापुर गांव में घाघरा नदी में नाव पलट गई है और इसमें सवार 10 लोग घाघरा नदी में बह गए हैं। घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य जारी है. घाघरा नदी में पानी का जल स्तर काफी बढ़ा हुआ है. जिसके कारण लोगों को खोजने में गोताखोरों को दिक्कत हो रही है.

जानकारी के मुताबिक लखीमपुर जिले में बुधवार की सुबह एक बड़ी दुर्घटना हो गई और इसमें नाव पलटने से 10 लोग नदी में डूब गए हैं. फिलहाल मौके पर राहत कार्य जारी है. बताया जा रहा है कि पानी में डूबने वाले बह गए हैं और उनकी तलाश जारी है. ये घटना लखीमपुर खीरी जिले की धौरहरा तहसील के इसानगर थाना क्षेत्र के मिर्जापुर गांव में हुई है. स्थानीय लोगों के मुताबिक बुधवार की सुबह कुछ लोग घाघरा नदी में नाव से जा रहे थे. नदी में पानी का बहाव काफी तेज थे और तभी नाव पलट गई और इसमें सवार 10 लोग घाघरा नदी में बह गए हैं.पुलिस का कहना है कि नदी में डूबने वालों की संख्या कम या ज्यादा हो सकती है. वहीं घटना की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंचे हैं और स्टीमर भी राहत कार्य में लगाया है.

खेतों को देखने जा रहे थे नाव में सवाल लोग

जानकारी के मुताबिक ग्राम पंचायत मिर्जापुर गांव के आठ से दस लोग नदी से उस पार अपने खेतों को देखने को जा रहे थे. असल में गांव के लोगों की खेती नदी के उस पार भी है और वहां जाने के साथ ही स्थानीय लोग जंगल से लकड़ी लेने भी जाते हैं. ग्रामीणों का कहना है कि नाव में गांव के 10 लोग सवार थे और अचानक नाव नदी में पटल गई और ये बड़ा हादसा हो गया.

जिला प्रशासन अलर्ट में- जिले के जिलाधिकारी डॉ अरविंद कुमार चौरसिया ने बताया कि वह मौके पर पहुंच रहे हैं. वहीं गांव में पहले से ही एसडीएम पहुंच गई हैं. लेकिन उनका कहना है कि अभी कुछ कहा नहीं जा सकता है. सूचना के आधार पर प्रशासन अलर्ट है और राहत कार्य जारी है. वहीं बताया जा रहा है कि नाव पर सवार लोगों में सुंदर पुत्र गया प्रसाद, त्रिमोहन पुत्र सुंदर, अशोक कुमार पुत्र गया प्रसाद, ढोके पुत्र ननकऊ, दीपू पुत्र ननकऊ, सुरेंद्र कुमार पुत्र ननकऊ, कृपा दयाल पुत्र मोहन, मुरारी पुत्र मौजीलाल, राजू पुत्र शौफाली शामिल हैं।

उत्तराखंड में भारी बारिश का यूपी में दिखने लगा असर, दिल्ली-लखनऊ हाईवे भी बंद किया गया

लखनऊ । उत्तराखंड में हो रही मूसलाधार बारिश का असर राज्य के विभिन्न जिलों के साथ ही अब उत्तर प्रदेश में भी देखने को मिलने लगा है. यूपी में बारिश के कारण हाइवे में पानी भर गया है और इसके कारण यातायात को रोक दिया गया है. जानकारी के मुताबिक मुरादाबाद में रामगंगा और रामपुर में कोसी नदी में लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय हाइवे पर पानी भर गया है. कोई अनहोनी ना हो, इसको देखते हुए यातायात रोक दिया गया है. वहीं पहाड़ों पर बारिश के बाद कालागढ़ बांध भरने पांच हजार क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा गया. जिसके कारण मुरादाबाद में रामगंगा नदी ओवरफ्लो हो गई और पानी नदी के किनारे बसे गांवों में पानी घुस गया. जबकि यूपी के पीलीभीत, मुरादाबाद और रामपुर के कई गांवों में पानी घुस गया है.

जानकारी के मुताबिक मुरादाबाद के करीब 100 गांवों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है. क्योंकि उत्तराखंड की नदियों से पानी छोड़ा जा रहा है. वहीं यूपी के ही लखीमपुर खीरी के पलिया-भीरा के बीच रेलवे ट्रैक पर भी बारिश भर गया है. जिसके कारण मेलनी-नानपारा एक जोड़ी ट्रेनों को कैंसिल कर दिया गया है. जबकि पीलीभीत जिले के कुछ गांवों में भी पानी घुसने की खबर आ रही है. जानकारी के मुताबिक गांवों में पानी के भरने के कारण लोग जान बचाने के लिए गांव की छत और पेड़ों चढ़ गए थे. इसके बाद आठ लोगों को वायुसेना की टीम ने सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया. स्थानी लोगों का कहना है कि उत्तराखंड के बनबसा से पानी छोड़े जाने के बाद पीलीभीत के 30 गांव बाढ़ की चपेट में हैं.

यूपी में आइटीआइ के अभ्यर्थी करेंगे 50 दिनों की स्मार्ट ट्रेनिंग, मिलेगा 20 हजार रुपये मानदेय

लखनऊ। विकास के इस डिजिटल युग में सबकुछ बदल गया है। इस बदलाव का फायदा युवाओं को भी मिले, इसका पूरा इंतजाम कर लिया गया है। इसके तहत आइटीआइ के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को स्मार्ट प्रशिक्षण दिया जाएगा। एक निजी मल्टीनेशन कंपनी की ओर से दिए जाने वाले 50 दिन के निश्शुल्क प्रशिक्षण के एवज में विद्यार्थियों को 20 हजार रुपये मानदेय भी मिलेगा। यही नहीं, कंपनी की परीक्षा में पास होने वाले युवाओं को नौकरी के अवसर भी दिए जाएंगे। चारबाग के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में कंपनी की ओर से आधुनिक लैब स्थापित होगी।

पुरानी तकनीकी को आधुनिकता का रंग देकर युवकों को स्मार्ट मैकेनिक बनाने की पहल के तहत ऐसा किया जा रहा है। लखनऊ के साथ ही प्रदेश में आगरा, वाराणसी और गोरखपुर में भी इसकी स्थापना होगी। इस स्मार्ट कर्मशाला में जहां विद्यार्थियों को वर्तमान समय के उपकरणों की जानकारी दी जाएगी। स्मार्ट क्लास रूम में विद्यार्थियों को विशेषज्ञ आधुनिक तकनीकों के बारे में बताएंगे। कंप्यूटर के माध्यम से विद्यार्थियों को पढ़ाया जाएगा। यही नहीं इस क्लास रूम में युवाओं का ध्यान केंद्रित करने के लिए उन्हें न पेन और न ही कापी निकालने की जरूरत होगी। ऐसे होगा प्रवेशः राजकीय औद्योगिक संस्थान में आरएसी और इलेक्ट्रिक ट्रेड के अंतिम वर्ष के छात्रों का ही इसमे प्रवेश होगा। 50 दिन की ट्रेनिंग देकर युवाओं को स्मार्ट बनाया जाएगा। एसी कमरे में लैपटॉप के माध्यम से बड़ी स्मार्ट टीवी में युवाओं को पढ़ाया जाएगा। पढ़ाई के साथ ही स्मार्ट प्रयोगशाला भी है जहां मल्टीनेशनल ब्रांड की टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन व एसी जैसे आधुनिक उपकरणों को खोलकर खुले में इसका प्रदर्शन किया जाता है। युवाओं को हर एक पार्ट को दिखाकर सिखाया जाएगा।

डिजिटल इंडिया के तहत एक मल्टीनेशनल कंपनी से करार हुआ है। चारबाग स्थित राजकीय आइटीआइ में स्थापना होगी। कोरोना संक्रमण के चलते स्थापना में देरी हुई है। प्रवेश प्रक्रिया समाप्त होने के साथ ही लैब की स्थापना होगी। **-ओपी सिंह, प्रधानाचार्य, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, चारबाग**

थाने में चोरी के आरोपित की हिरासत में मौत, आगरा में वाल्मीकि समाज हो रहा लामबंद, दूसरे जिलों से मंगाया फोर्स

आगरा। जगदीशपुरा थाने से चोरी के मामले में पकड़े गए सफाईकर्मी की मंगलवार रात पुलिस हिरासत में मौत हो गई। इसके बाद बवाल की आशंका पर थाने पर बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात कर दिया गया है। आसपास के जिलों से भी पूर्व में यहां रह चुके तेज तर्रार इंस्पेक्टर बुलाए गए हैं।

जगदीशपुरा थाने के मालखाने में शनिवार रात को दरवाजे तोड़कर 25 लाख रुपये चोरी कर लिए गए थे। रविवार सुबह घटना की जानकारी होने के बाद इंस्पेक्टर अनूप कुमार तिवारी समेत छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया था। इस मामले में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। सबसे पहले पुलिस ने थाने में आने वाले प्राइवेट कर्मचारियों की सूची तैयार की। इनके बारे में पुलिस ने जानकारी की तो सामने आया कि प्राइवेट सफाईकर्मी अरुण दो दिन से थाने में नहीं आ रहा है।

पुलिस टीम उसके घर पहुंची तो वह घर से गायब मिला। उसके घर से पुलिस को कुछ कैश भी मिल गया। मंगलवार को पुलिस ने सफाईकर्मी को ताजगंज क्षेत्र से पकड़ लिया। उससे पूछताछ के बाद पुलिस ने दस लाख रुपये से अधिक बरामद कर लिए। इसके बाद और रुपये बरामद करने को पूछताछ की जा रही थी।

देर रात पुलिस हिरासत में सफाईकर्मी की हालत बिगड़ गई। इसके बाद पुलिस ने उसे हास्पिटल में भर्ती कराया। यहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

एसएसपी मुनिराज जी ने अरुण की मौत की पुष्टि की है। उनका कहना है कि सफाईकर्मी अरुण ने घटना कुबूल ली थी। उसके घर से चोरी की रकम बरामद करने के प्रयास किए जा रहे थे, इसी दौरान रात में उसकी तबियत बिगड़ गई और उपचार के दौरान मौत हो गई। इधर सफाईकर्मी अरुण की मौत की खबर वाल्मीकि समाज में फैल गई है। शहरभर में वाल्मीकि समाज के लोग लामबंद हो रहे हैं। किसी बड़े विरोध प्रदर्शन की आशंका पर पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि दूसरे जिलों में भी फोर्स को तैयार तैयार रहने को कहा गया है।

बीजेपी नेता की है लखीमपुर हिंसा में शामिल स्कॉर्पियो, सामने आया कनाडा कनेक्शन!

लखीमपुर खीरी । उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले के तिकुनिया की घटना में प्रयुक्त तीसरी कार स्कॉर्पियो भी पुलिस ने मंगलवार को बरामद कर ली है. पुलिस ने कार के चालक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है. जानकारी के मुताबिक स्कॉर्पियो का संचालक केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा का रिश्तेदार है और वह पालिया का बीजेपी नेता है. हालांकि इस मामले में एक दूसरा पहलू भी सामने आया है. जिसके मुताबिक कार का मालिक एनआरआई है और वह कनाडा में रहता है. असल में तिकुनिया की घटना में तीन वाहनों का इस्तेमाल किया गया था, जिसमें से स्कॉर्पियो के बारे में जानकारी पुलिस को नहीं मिल रही थी.

असल में कुछ दिनों पहले लखीमपुर में हिंसा हुई थी. किसान केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा का विरोध कर रहे थे. तभी एक कार ने किसानों को कुचल दिया. जिसमें चार किसानों की मौत हो गई थी. वहीं इसके बाद किसानों ने दो बीजेपी कार्यकर्ता, एक ड्राइवर और एक पत्रकार को पीट पीट कर मार डाला था. वही इस मामले में किसानों ने मौके पर ही थार और फॉर्च्यूनर जला दिया था. जबकि स्कॉर्पियो मौके से भागने में कामयाब रही. पुलिस ने थार और फॉर्च्यूनर के मालिकों के बारे में पता कर लिया था. लेकिन स्कॉर्पियो के बारे में पुलिस को पता नहीं चल सका था. लेकिन अब पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त तीसरी स्कॉर्पियो बरामद कर ली है. यह कारपलिया के भाजपा नेता का है और वह केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री का रिश्तेदार बताया जा रहा है. जो जानकारी सामने आई है. उसके मुताबिक बीजेपी नेता ने यह स्कॉर्पियो पुलिस थाना निघासन के एक एनआरआई से खरीदी थी और वह कनाडा में रहते हैं. वहीं बीजेपी नेता ने कार को अपने नाम ट्रांसफर नहीं किया था.

स्कॉर्पियो चला रहा था शिशुपाल- पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक वारदात में प्रयुक्त स्कॉर्पियो शिशुपाल निवासी बनवीरपुर थाना तिकुनिया चला रहा था. पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और पूछताछ में उसने बताया कि स्कॉर्पियो पलिया ब्लॉक के एक बीजेपी नेता की है. वहीं पुलिस ने मंगलवार दोपहर शिशुपाल को जेल भेज दिया है.

दो नवंबर तक ज्यूडिशियल कस्टडी में भेजे गए बीजेपी नेता- फिलहाल लखीमपुर के तिकुनिया में हुई हिंसा में गिरफ्तार बीजेपी नेता समेत चार आरोपियों को पुलिस ने मंगलवार को रिमांड मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया और वहां से उन्हें दो नवंबर तक न्यायिक हिरासत में भेजकर जेल भेज दिया गया है.

लखीमपुर हिंसा में हुई थी आठ लोगों की मौत-दरअसल लखीमपुर खीरी जिले के तिकुनिया में हुई हिंसा में आठ लोगों की मौत हो गई थी. इसमें चार किसान, दो बीजेपी कार्यकर्ता, एक ड्राइवर और एक पत्रकार था. इस मामले में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय के पुत्र आशीष का नाम सामने आया था और किसानों की ओर से पंद्रह और बीस अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है. पुलिस केंद्रीय मंत्री के बेटे आशीष और लखनऊ के कारोबारी अंकितदास समेत छह आरोपियों को अरेस्ट किया है और वह जेल में है.

अखिलेश यादव बोले- कुशीनगर एयरपोर्ट सपा की देन, सिद्धार्थ नाथ सिंह का जवाब- याददाश्त कमजोर

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन पर सवाल उठाएं हैं। तो वहीं यूपी सरकार के प्रवक्ता व एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कुशीनगर एयरपोर्ट के निर्माण को लेकर किए गए अखिलेश यादव के तंज पर उनको घेरा है। अखिलेश ने कहा कि झूठ के पंखों से प्रचार की उड़ान, जनता गई पहचान। उन्होंने कहा कि कुशीनगर एयरपोर्ट सपा की देन है और बीजेपी इसका श्रेय ले रही है। समाजवादी पार्टी की सरकार केंद्र को प्रस्ताव भेजा था और 199 करोड़ का बजट जारी हुआ था। वोट हथियाने के मकसद से कुशीनगर एयरपोर्ट का निर्माण पूरा होने के एक साल बाद अब उद्घाटन किया जा रहा है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ट्वीट कर कहा कि सपा की सरकार में शुरू हुए 'कुशीनगर एयरपोर्ट' के आरंभ होने से इस क्षेत्र में पर्यटन व आर्थिक गतिविधियों को बहुत बढ़ावा मिलेगा। भाजपा को सपा के जनहितकारी कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए सिर्फ सपा के कामों का उद्घाटन करने का कीर्तिमान नहीं बनाना चाहिए।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ट्वीट कर कहा कि जबकि शिलान्यास की एक ईंट तक भी इन्होंने न लगाईज तब भी सपा के कामों का उद्घाटन करने आ गये भाजपाईज लेकर अपनी कैंची, फीता, माला, मिठाई। भाजपाई ये याद रखें कि 'पायलट बनने से प्लेन आपका नहीं हो जाता' और ये भी कि जिस रनवे से आप उड़ान भर रहे हैं उसकी जमीन 'किसी और' ने तैयार की थी।

सिद्धार्थ नाथ सिंह ने अखिलेश यादव को घेरा - राज्य सरकार के प्रवक्ता व एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कुशीनगर एयरपोर्ट के निर्माण को लेकर किए गए तंज पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को घेरा। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की याददाश्त काफी कमजोर हो गई है। कुशीनगर एयरपोर्ट प्रोजेक्ट की प्रक्रिया वर्ष 2010 में शुरू हुई थी और उस समय प्रदेश में सपा की सरकार नहीं थी। ऐसे में दूसरी सरकार के कार्य का श्रेय लेना पूर्व मुख्यमंत्री को शोभा नहीं देता।

एंबेसी की सहमति के बाद बांग्लादेशी डकैत हमजा का होगा पोस्टमार्टम, लखनऊ के रेलवे लाइन किनारे बसी कालोनियों में अलर्ट

लखनऊ। गोमतीनगर में बीती रविवार को देर रात सहारा फ्लाईओवर के नीचे हुई मुठभेड़ के मारे गए बांग्लादेशी बदमाश हमजा का पोस्टमार्टम एंबेसी की सहमति के बाद होगा। हमजा के पोस्टमार्टम के शव के पोस्टमार्टम के लिए पुलिस ने बांग्लादेशी एंबेसी को पत्र भेजा है। जिससे उसके परिवारीजन को सूचना मिल जाए। अगर परिवारीजन नहीं आए तो पुलिस 21 अक्टूबर को शव का पोस्टमार्टम करा दिया जाएगा।

वहीं, पुलिस गिरोह के फरार अन्य सदस्यों की तलाश में लखनऊ के साथ ही आस पड़ोस के अन्य जिलों में दबिश दे रही है। पुलिस की पड़ताल में पता चला कि गिरोह के लोग घटना से 15 दिन पहले शहरों को टारगेट करते थे जहां उन्हें डकैती करनी होती थी। इसके बाद उस शहर में डेरा डाल देते थे। फिर रेककर घर चिन्हित करते और घटना कर भाग जाते थे। एडीसीपी पूर्वी सैय्यद मो. कासिम आब्दी ने बताया कि उन्होंने अपने क्षेत्र के सभी थानों को अलर्ट कर दिया है। अलर्ट के बाद पुलिस बल ने रेलवे लाइन किनारे बसी कालोनियों में अपनी गश्त बढ़ा दी है। इसके साथ ही झुग्गी बस्तियों में रहने वाले अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के बारे में भी पुलिस की टीमें जानकारियां जुटा रही हैं।

यह था मामला- रविवार देर रात करीब ढाई बजे पुलिस टीम रेलवे ट्रैक के आस पास गश्त कर रही थी। इस बीच छह से सात संदिग्ध पुलिस को जाते दिखे। पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। सूचना मिलते ही डीसीपी पूर्वी की क्राइम टीम और थाने से पुलिस बल पहुंचा। पुलिस टीम ने बदमाशों को चारों ओर से घेर लिया। जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के सीने में गोली लग गई। जिससे वह मौके पर ही धराशाई हो गया। मुठभेड़ के दौरान हेड कांस्टेबल मुकेश चौधरी, नरेंद्र बहादुर और आर्यन शुक्ला को भी गोली लगी। वह भी घायल हुए। घायलों को लोहिया अस्पताल ले जाया गया। जहां, उन्हें भर्ती कर लिया गया है। घायल बदमाश की पहचान बांग्लादेशी डकैत गिरोह के सरगना हमजा के रूप में हुई। वहीं, पुलिस कर्मियों का भी अस्पताल में इलाज चल रहा है। सूचना मिलते ही डीसीपी पूर्वी संजीव सुमन, एसीपी गोमतीनगर श्वेता श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे थें। वहीं, फरार बदमाशों की तलाश में गोमतीनगर विस्तार, विभूतिखंड समेत अन्य थानों की पुलिस को अलर्ट कर दिया गया। फरार बदमाशों की तलाश में पुलिस की टीम दबिश दे रही है।

फर्जी तरीके से दो जगह चयनित शिक्षक अभ्यर्थी मामले में अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सका शिक्षा विभाग

सासाराम । गलत तरीके व फर्जी प्रमाण पत्र पर चयनित शिक्षक अभ्यर्थियों पर कार्रवाई करने के मामले में शिक्षा विभाग की दोरंगी नीति सामने आई है। छठे चरण के शिक्षक नियोजन काउंसिलिंग के प्रथम फेज में दो जगह से चयनित एक अभ्यर्थियों के विरूद्ध कार्रवाई करने के मामले में विभाग चार माह में भी अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सका है। चेनारी व शिवसागर प्रखंड कोनार पंचायत में चयनित अभ्यर्थी मंजीव कुमार के खिलाफ कार्रवाई करने का मामला अब भी विचारार्थ रखा है। जबकि इसी तरह के मामले में दो दर्जन से अधिक अभ्यर्थियों का चयन को रद करते हुए कई के खिलाफ स्थानीय थाने में प्राथमिकी भी दर्ज कराई जा चुकी है।

धरा रह गया डीएम का आदेश

शिकायतकर्ता अवनीश कुमार के आवेदन पर चयनित संबंधित अभ्यर्थी के खिलाफ कार्रवाई करने संबंधी डीएम का आदेश धरी रह गई है। न तो पंचायत सचिव ही आजतक जवाब देना उचित समझ पाया है न विभाग कोई कार्रवाई करने की मूड में दिख रहा है। अधिकारी तकनीकी पेच बता कार्रवाई करने से परहेज कर रहे हैं। जबकि मेधा सूची में छेड़छाड़ व फर्जी टेट प्रमाण पत्र पर चयनित दो दर्जन अभ्यर्थियों का चयन विभाग ने रद कर दिया है। वहीं काउंसिलिंग प्रक्रिया में पूरी तरह से अनियमितता बरते जाने की शिकायत को सही पाए जाने के बाद सदर प्रखंड के आकाशी व रामपुर पंचायत की काउंसिलिंग को रद करते हुए दोनों पंचायत के मुखिया व सचिव पर प्राथमिकी भी दर्ज कराई जा चुकी है। मंजीव मामले में विभाग के चुप्पी साधने से लोग कार्यशैली पर सवाल उठाने लगे हैं।

क्या है मामला -जुलाई में विभिन्न तिथियों पर आयोजित काउंसिलिंग जिले के बड़हरी के रहने वाले मंजीव कुमार पिता सुग्रीव चौधरी का चयन सबसे पहले चेनारी प्रखंड के मध्य विद्यालयों में बेसिक शिक्षक के रूप किया गया। उसके दो दिन बाद पंचायत शिक्षक के तहत शिवसागर प्रखंड के कोनार पंचायत में दोबारा चयन किया गया।

अब सवाल यह उठता है कि विभागीय निर्देश के आलोक में एक अभ्यर्थी एक ही स्थान पर काउंसङ्क्षलग में शामिल हो सकता था। क्योंकि चयन उपरांत अभ्यर्थियों के टेट समेत अन्य शैक्षणिक व प्रशैक्षणिक प्रमाण पत्र जमा कराने का निर्देश था। जब मंजीव का चयन चेनारी में पहले हुआ तो फिर कैसे कोनार में किस सर्टिफिकेट के आधार पर शामिल हो हुए।

कहते हैं अधिकारी -डीएम धर्मेंद कुमार ने कहा कि दो जगह से चयनित अभ्यर्थी के विरूद्ध उचित कार्रवाई के लिए डीईओ को निर्देश दिया गया है। अभी तक कार्रवाई न होना दुर्भाग्यपूर्ण है। संबंधित अधिकारी को फिर से स्मारित कर कृत कार्रवाई से संबंधित प्रतिवेदन तलब की जाएगी।

भाजपा और कांग्रेस दोनों ने मनाई महर्षि वाल्मीकि जयंती

भोपाल, (एजेंसी)। उप चुनाव वाली सीटों पर वोटरों को साधने के लिए भाजपा और कांग्रेस पूरा दम लगा रहे हैं। इसके मद्देनगर भाजपा और कांग्रेस मतदाताओं को साधने का कोई भी मौका हाथ से नहीं जाने दे रही है। भाजपा दफ्तर में बुधवार को भाजपा के ध्वज और भगवा ध्वज के साथ महर्षि वाल्मीकि की शोभायात्रा निकाली गई।

भाजपा दफ्तर में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने पहले विधिवत तरीके से महर्षि वाल्मीकि की पूजा अर्चना की। उसके बाद शोभायात्रा में शामिल हुए। महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर भाजपा दफ्तर में सुंदरकांड का भी पाठ किया गया। भाजपा दफ्तर में भगवा पगड़ी पहने कार्यकर्ता शोभायात्रा में नजर आए। पार्टी ने महर्षि वाल्मीकि के जरिए उपचुनाव वाली सीटों तक एक बड़ा संदेश पहुंचाने की कोशिश की है।

उप चुनाव से कोई लेना-देना नहीं: भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने वाल्मीकि पूजन और सुंदरकांड के आयोजन पर कहा कि भोपाल नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में वाल्मीकि जयंती मनाई गई है। उपचुनाव वाले क्षेत्रों में वाल्मीकि जयंती पर पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। पार्टी हर साल वाल्मीकि जयंती पर आयोजन करती है, इसका चुनाव से कोई लेना-देना नहीं है।

कमलनाथ ने किया कैलेंडर का विमोचन

दूसरी तरफ कांग्रेस भी वाल्मीकि जयंती के रंग में रंगी नजर आई। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने अपने घर पर महर्षि वाल्मीकि पर आधारित कैलेंडर का विमोचन किया। इसके बाद प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पार्टी ने वाल्मीकि समाज के लोगों को सम्मानित किया।

महर्षि वाल्मीकि के बहाने वोटर्स पर नजर

रामायण के रचनाकार आदि कवि महर्षि वाल्मीकि जयंती हर साल मनाने की परंपरा है। देशभर में पूरे उत्साह के साथ वाल्मीकि का जन्मदिन मनाया जाता है। वाल्मीकि के बारे में कई कथाएं प्रचलित हैं, लेकिन एक समाज महर्षि वाल्मीकि को अपना आराध्य देव मानकर पूजता है, यही कारण है कि इस वर्ग विशेष को साधने के लिए भाजपा और कांग्रेस ने वाल्मीकि जयंती को महत्व देकर एक बड़ा संदेश देने की कोशिश की है।

भाजपा ने विकास और कांग्रेस ने हमेशा किया विनाश : विष्णुदत्त शर्मा

भोपाल (एजेंसी)। जब देश पर अंग्रेजों का शासन था तो उनको देश से खदेड़ने के लिए रानी लक्ष्मीबाई ने तलवार उठाई थी और अंग्रेजों को यहां से भगाया था। मध्यप्रदेश में भी 2003 से पहले कांग्रेस का आतंक था और इस आतंक को उखाड़ फेंकने के लिए उमाभारती ने अभियान चलाया था। उन्होंने मिस्टर बंटाढार दिग्विजय सिंह की सरकार को उखाड़ फेंका था। भाजपा ने हमेशा से विकास ही किया है, लेकिन कांग्रेस तो विनाश का पर्याय बन गई थी। यह बात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णूदत्त शर्मा ने पृथ्वीपुर में बुधवार को महिला सम्मेलन को संबोधित करतें हुए कही। सम्मेलन के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कन्या पूजन भी किया।

जनता कांग्रेस के आतताई शासन से त्रस्त थी : प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस के आतताई शासन से जनता त्रस्त थी। प्रदेश में सड़क, बिजली, पानी नहीं था। लोगों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रही थीं, लेकिन आज स्थिति एकदम अलग हैं। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री चौहान विकास का पर्याय बन गए हैं। आज गरीबों का जीवन स्तर पूरी तरह से बदल गया है।

भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबा था प्रदेश: श्री शर्मा ने कहा कि 2003 से पहले प्रदेश में विकास तो कुछ नहीं हुआ, लेकिन मध्यप्रदेश का विनाश करने में इन्होंने कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। मध्यप्रदेश भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबा था। प्रदेश के अंदर भ्रष्टाचार था, गुंडागर्दी थी, आतंक था। बुंदेलखंड सहित पूरे प्रदेश में हाहाकार मचा था। डाकुओं का आतंक था, लेकिन अब कोई आतंक नहीं है, कोई डाकू नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

राज्य निर्वाचन आयुक्त आज करेंगे कलेक्टर्स से चर्चा

भोपाल । राज्य निर्वाचन आयुक्त बसंत प्रताप सिंह त्रि-स्तरीय पंचायत आम निर्वाचन-2021 की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर्स एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ 21 अक्टूबर को सुबह 10 से 11 बजे तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा करेंगे। कलेक्टर देवास, खंडवा, बुरहानपुर, खरगौन, निवाड़ी, टीकमगढ़, सतना और अलीराजपुर वीसी में शामिल नहीं होंगे।

केंद्रीय मंत्री तोमर 22 एवं 23 को रैगांव विधानसभा में करेंगे किसान सम्मेलन

भोपाल। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर 22 एवं 23 अक्टूबर को सतना जिले के रैगांव विधानसभा प्रवास पर रहेंगे। श्री तोमर 22 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे भाजपा कार्यालय सतना में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में शामिल होंगे। दोपहर 2 बजे कोठी में किसान सम्मेलन एवं अन्य कार्यक्रम में भाग लेंगे। नरेंद्र सिंह तोमर 23 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे कथकोन में किसान सम्मेलन, दोपहर 2 बजे सिंहपुर में किसान सम्मेलन को संबोधित करेंगे। श्री तोमर रात 8.55 बजे भोपाल प्रस्थान करेंगे।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज खंडवा, खरगौन प्रवास पर

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान गुरुवार, 21 अक्टूबर को दोपहर 12.40 बजे जिला खंडवा में पंधाना विधानसभा के सिंगोट में कार्यक्रमों में शामिल होंगे। दोपहर 2 बजे पंधाना विधानसभा के छैगांव, दोपहर 3.15 बजे बड़वाह के सनावद, शाम 4.30 बजे बड़वाह के बड़वाह में स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। श्री चौहान शाम 6.20 बजे भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ 23 को सतना में करेंगे चुनावी सभाएं

भोपाल। प्रदेश कांगेस के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ 23 अक्टूबर को सतना प्रवास पर रहेंगे। श्री नाथ रैगांव की कांग्रेस प्रत्याशी कल्पना वर्मा के समर्थन में 23 अक्टूबर, सुबह 11 बजे सतना पहुंचेंगे। 11.30 बजे रैगांव विधानसभा के शिवराजपुर में जनसभा करेंगे, इसके बाद 12.30 बजे भरजुना में जनसभा करेंगे।

भाजपा मनाएगी जनसंघ का स्थापना दिवस

भोपाल । भारतीय जनसंघ का 70 वां स्थापना दिवस 21 अक्टूबर को भारतीय जनता पार्टी उत्सव के रूप में मनाएगी। इस अवसर पर मंडलों में दीपक से कमल तक थीम पर कार्यक्रम आयोजित होंगे। उपचुनाव वाले विधानसभा और लोकसभा क्षेत्र के प्रत्येक मंडल में तीन स्थानों पर कार्यक्रम होंगे।

मुख्यमंत्री ने रैगांव विधानसभा क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशी प्रतिमा बागरी के समर्थन में लीं जनसभाएं

जान भले ही चली जाए, परंतु आपके वचन को टूटने नहीं दूंगा : शिवराज

भोपाल (एजेंसी)। मैं आपका दुख, दर्द पीकर आपकी जिंदगी बेहतर कैसे बने इसके लिए मुख्यमंत्री बना हूं। मध्यप्रदेश की जनता मेरे लिए भगवान है। आपको विकास का जो वचन दिया है वह पूरा करूंगा, जान भले चले जाए, परंतु आपके वचन को टूटने नहीं दूंगा। मैं कमलनाथ जैसा नेता नहीं, जो सिर्फ भाषण देने जनता की बीच जाते हैं। यह बात मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने रैगांव विधानसभा के महतेन में पार्टी प्रत्याशी प्रतिमा बागरी के समर्थन में जनसभा संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री चौहान ने बुधवार को रैगांव विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी प्रतिमा बागरी के जनसमर्थन में ग्राम महेतन, श्रीनगर और सितपुरा सहित तीन चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने जनता से भारतीय जनता पार्टी को भारी बहुमतों से विजयी बनाने की अपील कर रैगांव के विकास की राह को मजबूत करने का आह्वान किया। जनसभा को पार्टी प्रत्याशी प्रतिमा बागरी, सांसद गणेश सिंह ने भी संबोधित किया। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, मंत्री रामखेलावन पटेल, रामपाल सिंह, विधायक शरद कोल, प्रदेश उपाध्यक्ष योगेश ताम्रकार जिला अध्यक्ष नरेंद्र त्रिपाठी, पुष्पराज बागरी आदि पदाधिकारी मंचासीन थे।

भाजपा प्रत्याशी को बदनाम करने कांग्रेसी कर रहे वीडियो वायरल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि वे भाजपा प्रत्याशी प्रतिमा बागरी का एक वीडियो वायरल कर उन्हें बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं। यह कांग्रेसियों की घटिया मानसिकता। अगर बहन के बालों में पीछे चश्मा उलझा हुआ है और भाई निकालकर नीचे रख दे, तो इसमें क्या बुराई है? मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस पार्टी के नेताओं ने नैना साहनी जैसी बेटी को टुकड़े-टुकड़े कर तंदूर में जला दिया हो, उसके लोग ऐसी ही घृणित मानसिकता रखते हैं। जो गलत विचार करते हैं, वो गलत सोचते हैं और उन्होंने, हमारी बेटी को बदनाम करने की साजिश की। ये एक बेटी का अपमान नही है? रैगांव की सारी बेटियों का अपमान है और इसका बदला लिया जाएगा। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि कमल के फूल का बटन दबाइए, बहन प्रतिमा को भारी मतों से विजय बनाइए।

मामा का है वादा, पढ़ाई में नहीं आने देगा बाधा

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैंने भांजे, भांजियों के लिए संबल योजना बनाई थी और यह तय किया था कि गरीब परिवार के बेटा, बेटियां जो आईआईटी, आईआईएम, मेडिकल या इंजीनियरिंग की पढ़ाई करना चाहते हैं और अपनी फीस नहीं भर सकते, उनकी फीस उनके माता, पिता नहीं मामा शिवराजसिंह चौहान भरवाएगा, लेकिन मुख्यमंत्री बनने पर कमलनाथ ने यह योजना बंद कर दी। कमलनाथ को जवाब देना होगा कि गरीब बच्चों की शिक्षा में बाधा डालकर उन्हें क्या हासिल हुआ, मेरे बेटा, बेटियों ने तुम्हारा क्या बिगाड़ा था। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटा, बेटियो तुम चिंता मत करना, हमने संबल योजना फिर से चालू कर दी है। तुम्हारा मामा पढ़ाई में कोई बाधा नहीं आने देगा।

कांग्रेस ने प्रदेश का विनाश किया, भाजपा ने विकास की नई राह दिखाई

उन्होंने कहा कि 15 महीने की कमलनाथ सरकार ने प्रदेश को तबाह और बर्बाद करने का काम किया। कांग्रेस सरकार के कार्यकाल ने दिग्विजयसिंह के शासन को दोहराने का काम किया। न सड़कें थीं न लोगों को पीने का पानी, सिंचाई हों या बिजली कांग्रेस राज में किसान परेशान था। आज चारों तरफ सड़कों का जाल दिख रहा है और लोगों को घर-घर पानी पहुंचाने का अभियान चल रहा है, तो ये भाजपा का कार्य है। भाजपा ने केवल सतना रीवा ही नहीं, पूरे प्रदेश के विकास को नई राह दिखाई है।

बांग्लादेशी हिंदुओं की मदद करना हमारा धर्म: मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे हैं। उनके घर जलाए जा रहे हैं, उनको बेघर किया जा रहा है। ऐसे पीड़ित हिंदुओं को भारत शरण देगा। यदि हिंदू भाई, बहनों को किसी देश से निकाल दिया गया है और उन्होंने भारत की धरती पर शरण ली है तो उनकी चिंता हमें ही करना होगी।

मोनिका सिंह का ड्यूटी के प्रति समर्पण अभिनंदनीय: शिवराज

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उप पुलिस अधीक्षक मोनिका सिंह के अपने कर्तव्य के प्रति समर्पण को अभिनंदनीय बताते हुए कहा कि उनके इस समर्पण पर प्रदेश को उन पर गर्व है।

श्री चौहान ने अपने ट्वीट के जरिए कहा कि अलीराजपुर यात्रा के दौरान उन्होंने देखा कि डीएसपी मोनिका सिंह अपनी डेढ़ वर्ष की बेटी को बेबी कैरियर बैग में लिए ड्यूटी पर तैनात थीं। अपने कर्तव्य के प्रति उनका यह समर्पण अभिनंदनीय है। मध्यप्रदेश को उन पर गर्व है। वह सुश्री सिंह को शुभकामनाएं देते हैं और लाडली बिटिया को आशीर्वाद देते हैं। डीएसपी मोनिका ने बताया कि पति अक्सर बाहर रहते हैं। बेटी के लिए घर में महिला केयर टेकर है। उसे भी साथ लेकर आई थी। बुधवार को सीएम सर के आने पर मेरी ड्यूटी लगी थी। मैंने केयर टेकर को कहा कि तुम भी मायसा को साथ लेकर चलो। दोनों गाड़ी में थीं। जैसे ही सीएम सर उतरे मैं हेलीपैड की ओर बढ़ी, लेकिन मायसा रोने लगी। मुझे मायसा को गोद में लेकर ड्यूटी निभानी पड़ी। सीएम सर ने बच्ची के बारे में पूछा। फिर उन्होंने उसे गोद में लेने की कोशिश की। मेरे साथ मौजूद कर्मचारी ने बेल्ट हटाया तो बच्ची रोने लगी। सर ने बच्ची को गोद में नहीं लिया। सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया और ड्यूटी के साथ मां का फर्ज निभाने पर मेरी प्रशंसा की।

खंडवा लोकसभा क्षेत्र में प्रचार करने आएंगे पायलट

भोपाल, (एजेंसी)। प्रदेश में 4 सीटों के उपचुनाव में सबसे अहम खंडवा लोकसभा सीट फतह करने अब कांग्रेस सचिन पायलट की मदद ले रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के अनुरोध पर पायलट एक दिन में 3 विधानसभा सीट पर पार्टी के लिए प्रचार करेंगे।

कांग्रेस के तय कार्यक्रम के मुताबिक सचिन पायलट 27 अक्टूबर को खंडवा लोकसभा सीट की 3 विधानसभा सीटों बड़वाह, नेपानगर और बागली में चुनावी सभा संबोधित करेंगे। पार्टी ने खंडवा लोकसभा सीट पर गुर्जर वोटरों को साधने के लिए राजस्थान कांग्रेस के दिग्गज सचिन पायलट को प्रचार में उतारने की तैयारी कर ली है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के अनुरोध पर सचिन पायलट एक दिन में तीन सभाओं को संबोधित कर कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनाने की पुरजोर कोशिश करेंगे।प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यालय प्रभारी राजीव सिंह ने बताया कि पार्टी के तय कार्यक्रम के मुताबिक कांग्रेस के स्टार प्रचारक सचिन पायलट लोकसभा सीट पर चुनाव प्रचार करेंगे। खंडवा लोकसभा उप चुनाव में उम्मीदवार और स्थानीय नेताओं की मांग पर सचिन पायलट को चुनाव प्रचार में उतारने का निर्णय लिया है। सचिन पायलट 27 अक्टूबर को तीन चुनाव कार्यक्रमों में शामिल होंगे। प्रदेश में 4 सीटों के लिए हो रहे उपचुनाव में खंडवा लोकसभा सीट सत्तारुढ़ भाजपा और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस दोनों के लिए अहम है।

कृषि मंत्री कमल पटेल का लाइव एक्शन

खाद की कालाबाजारी करने वाले कर्मचारी को निलंबित करने के दिए निर्देश

खातेगांव, (एजेंसी)। खातेगांव की अजनास सोसायटी क्षेत्र के कई किसान विगत कई दिनों से सोसाइटी के चक्कर लगा रहे थे, किंतु उन्हें खाद नहीं मिल पा रहा था किसानों को यह बताया जाता था अभी खाद नहीं आई है। किंतु किसानों का सब्र का बांध वहां फूट पड़ा, जब उन्होंने देखा कि कई ऐसे लोगों को खाद ब्लैक में दिए जा रहे हैं एवं भेदभाव पूर्ण पात्रता से ज्यादा दिए जा रहे हैं तब उन्होंने इसका विरोध जताया। संयोग से बुधवार को कृषि मंत्री कमल पटेल का काफिला अजनास से गुजर रहा था, तभी पीड़ित किसानों ने अपनी समस्या बताई कि उन्हें खाद नहीं मिल पा रहा है एवं ब्लैक में खाद बेचा जा रहा है मामले को संज्ञान में लेते हुए तत्काल कृषि मंत्री ने वरिष्ठ अधिकारी से चर्चा कर इस मामले में अजनास सोसायटी के आरोपी सुरेश केवट को तत्काल निलंबित करने के आदेश देते हुए सभी किसानों को पात्रता के साथ खाद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। एसडीएम त्रिलोक सिंह गौड़ ने बताया कि जैसे ही कृषि मंत्री कमल का फोन आया हमने तत्काल राजस्व विभाग, पुलिस विभाग एवं सहकारिता विभाग की टीम को रवाना कर दिया और पात्रता अनुसार खाद वितरण की व्यवस्था करवाई ।

झूठ परोसकर अपनी कुर्सी बचाने में लगे मुख्यमंत्री : कमलनाथ

भोपाल (एजेंसी)। शिवराज जी की कुर्सी तो 2 नवंबर को जाना तय है इसलिए वो झूठ परोसकर सिर्फ अपनी कुर्सी बचाने में लगे हुए हैं। यह बात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने बुधवार को खंडवा लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी राजनारायण सिंह पूरनी के समर्थन में पुंजापुरा व पंधाना में आयोजित जनसभाओ को संबोधित करते हुए कही।

नाथ ने अपने संबोधन में कहा कि देवास जिले का पुंजापुरा इलाका जहां पिछले 60 वर्षो से भाजपा जीतती आई है, मुझे यहां की दशा देखकर आश्चर्य हो रहा है कि नर्मदा किनारे होने के बावजूद यहां पानी का संकट, न उद्योग, न विकास, न रोजगार, रोजगार के अभाव में लोगों का पलायन जारी, आज भी यह क्षेत्र विकास की दृष्टि से उपेक्षित, मुझे तो ताज्जुब होता है कि जिन शिवराज जी को विकास के मामले में आपको धोखा देने के लिए यहां आपसे मंच से माफी मांगना चाहिए, वो किस मुंह से यहां आकर फिर झूठी घोषणाएं करने व झूठे नारियल फोड़ने की हिम्मत कैसे कर लेते हैं। शिवराज जी आप पुंजापुरा के 60 साल का हिसाब दो, शर्म आना चाहिए आपको कि आप फिर झूठ परोस रहे हैं, फिर झूठे सपने दिखा रहे हैं। शिवराज जी बागली को जिला बनाने की घोषणा कितनी बार कर चुके हैं। आज पांधना में पानी नही है, रोजगार नहीं है, क्षेत्र उपेक्षित है। यहां की जनता शिवराज जी से 17 वर्षों का हिसाब मांग रही है। नाथ ने तंज कसते हुए कहा कि आज दो लोगों की जोड़ी है एक प्रदेश में एक्टर और दूसरा देश में डायरेक्टर, इन्हें हमें पहचानना है। उन्होंने कहा कि इन उपचुनावों से कोई सरकार बनना, बिगड़ना नहीं है। यह चुनाव तो एक संदेश के रूप में होंगे।

पीसीसी चीफ ने खंडवा लोकसभा क्षेत्र के पंधाना में पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में की जनसभा

लौह पुरुष का अपमान नहीं होगा बर्दाश्त : शर्मा

भोपाल (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी ने सिद्ध कर दिया है कि अब वह नेहरू परिवार को छोड़कर अन्य किसी भी नेता का सम्मान नहीं करती। वर्तमान में कांग्रेसी नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी को प्रसन्न करने तथा खुद को परिवार का बड़ा सेवक दिखाने के चक्कर में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल का अपमान कर रहे हैं। कांग्रेस कार्य समिति में तारिक हमीद कर्रा ने सरदार पटेल का जो अपमान किया है, उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा हम ऐसी हरकतों की घोर निंदा करते हैं। यह बात भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ. नितेश शर्मा ने एक प्रेस वार्ता के दौरान कही।

डॉ. शर्मा ने तारिक हमीद पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि कांग्रेस में एक परिवार की पूजा करने और उसी को महान बताने की परंपरा चल रही है। इसके चलते पार्टी मां-बेटा की पार्टी बनकर रह गई है। पटेल का व्यक्तित्व बहुत महान है और देश की जनता के दिलों में उनकी जगह नेहरू जी से भी अधिक है। किसी कर्रा के कहने से कश्मीर को लेकर नेहरू जी ने जो गलतियां की, वे छुपाई नहीं जा सकती।

भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचे केंद्रीय मंत्री अठावले, मीडिया से चर्चा में कहा-गलतफहमी में न रहें प्रियंका गांधी

उत्तरप्रदेश में फिर प्रचंड बहुमत से बनेगी भाजपा सरकार

भोपाल (एजेंसी)। प्रियंका गांधी वाड्रा अगर ये सोच रही है कि उनकी हथकंडेबाजी से वे उत्तरप्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनवा लेंगी, तो वे गलतफहमी में हैं। उत्तरप्रदेश में फिर से प्रचंड बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी और रिपब्लिकन पार्टी भाजपा का पूरा साथ देगी। यह बात केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री रामदास अठावले ने बुधवार को प्रदेश कार्यालय में मीडिया से चर्चा के दौरान कही।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने राजभवन में सौजन्य भेंट की।

भोपाल प्रवास के दौरान केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले बुधवार शाम प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंचे। यहां पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष सीमा सिंह, प्रदेश महामंत्री एवं कार्यालय प्रभारी भगवानदास सबनानी, प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल, राहुल कोठारी, प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी नरेन्द्र शिवाजी पटेल, आईटी सेल के प्रदेश संयोजक अमन शुक्ला, प्रवक्ता दुर्गेश केसवानी, जिला प्रभारी महेंद्रसिंह यादव एवं अंकित गर्ग ने उनका स्वागत किया, जिसके पश्चात अठावले ने पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। उत्तरप्रदेश चुनाव में कांग्रेस द्वारा 40 फीसदी टिकट महिलाओं के देने के प्रश्न पर मीडिया से चर्चा के दौरान अठावले ने कहा कि कांग्रेस अगर 100 प्रतिशत टिकट भी महिलाओं को दे दे, तो उससे क्या होगा, अब राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को सब लोग समझ गए हैं। यही कारण है कि राहुल गांधी को जनता नकार चुकी है और इसीलिए उन्होंने अध्यक्ष पद छोड़ दिया है। आरक्षण के सवाल पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह चाहते हैं कि सभी जरूरतमंदों को आरक्षण मिले। सामान्य वर्ग को भी 10 प्रतिशत आरक्षण देने की बात की गई है, पर एससी एसटी वर्ग को भी उनकी संख्या के आधार पर आरक्षण मिलना चाहिए। कश्मीर में आतंकी घटनाओं के प्रश्न पर श्री अठावले ने कहा कि पिछले दिनों जिस तरह से हमारे 11 वीर सैनिकों को पाकिस्तान के पैदा किए आतंकियों ने मार दिया है, अब हम चाहते हैं कि एक बार अब आर-पार की लड़ाई हो जाए और पाक अधिकृत कश्मीर भी हमारे पास आ जाए।

विद्युत लाइनों एवं उपकरणों का किया जा रहा सतत रख-रखाव : ऊर्जा मंत्री

भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि विद्युत लाइनों एवं उपकरणों के रख-रखाव के लिए मानक संधारण प्रक्रिया लागू की गई है। पूर्व में लाइनों एवं उपकरणों का रख-रखाव वर्ष में दो बार किया जाता था, जिसे अब एक सतत् प्रक्रिया बनाया गया है। इसमें वर्ष भर अलग-अलग उपकरणों एवं लाईनों का संधारण किया जा रहा है। इसके कारण तकनीकी व्यवधानों में कमी आई है। इस प्रक्रिया की समीक्षा के लिए एक विशेष मॉड्यूल बनाया गया है।

उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत प्रदाय के लिए अधोसंरचना विकास के अतिरिक्त विद्युत व्यवधान में कमी लाने के लिए नियमित संधारण की मानक संचालन प्रक्रिया का निर्धारण किया गया है।

उपभोक्ता की संतुष्टि 98.67 प्रतिशत

शिकायतों के निराकरण उपरांत उपभोक्ता संतुष्टि के लिए फीडबैक व्यवस्था के अंतर्गत 13.95 लाख उपभोक्ताओं से संपर्क कर फीडबैक प्राप्त किया गया। औसत उपभोक्ता संतुष्टि प्रतिशत 98.67 प्रतिशत पाया गया। असंतुष्ट उपभोक्ताओं से मैदानी अधिकारियों द्वारा व्यक्तिगत संपर्क कर उनकी समस्या के निराकरण के प्रयास किए जा रहे हैं।

7556 शिविरों का आयोजन

उपभोक्ताओं की गलत देयकों से संबंधित शिकायतों के निराकरण के लिए माह अप्रैल, 2020 से सितंबर, 2021 की अवधि में वितरण केंद्र/जोनवार कुल 7556 शिविरों का आयोजन कर 53 हजार 830 शिकायतों का मौके पर ही निराकरण किया गया है। 10 किलोवाट से अधिक संयोजित भार वाले सभी गैर कृषि उपभोक्ताओं की मीटर रीडिंग बिना मानवीय हस्तक्षेप के एएमआर या एमआरआई के माध्यम से किए जाने की व्यवस्था लागू कर दी गई है। इससे ऐसे उपभोक्ताओं की त्रुटिहीन रीडिंग एवं सटीक बिलिंग संभव हो सकेगी।

सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद

रिया चक्रवर्ती

ने पहली बार भाई के साथ शेयर की सेल्फी, सोशल मीडिया पर हो रही वायरल

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद से ही उनकी गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती काफी सुर्खियों में आ गई थीं। रिया चक्रवर्ती अब तक भी खासी चर्चा में बनी रहती हैं। सुशांत के निधन के बाद रिया चक्रवर्ती के ऊपर उनकी मौत का आरोप लगा था। जिसके बाद से ही रिया चक्रवर्ती जमकर ट्रोल हुई थीं। जिसके बाद रिया सोशल मीडिया और लाइम लाइट दोनों से ही दूर हो गई थीं। वहीं अब एक बार फिर से रिया चक्रवर्ती सोशल मीडिया पर एक्टिव हो गई हैं।

रिया चक्रवर्ती पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हो गई हैं। रिया कई त्योहारों पर तो पोस्ट शेयर कर शुभकामनाएं देती ही रहती हैं। साथ ही साथ वो अपनी भी कई तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। अब हाल ही में रिया चक्रवर्ती ने अपनी एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में रिया अपने भाई शौविक चक्रवर्ती के साथ नजर आ रही हैं। खास बात ये है कि रिया ने सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद पहली बार भाई के साथ कोई तस्वीर शेयर की है।

रिया चक्रवर्ती ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए ये तस्वीर शेयर की है। ये सेल्फी है जिसे रिया चक्रवर्ती ने खुद ही क्लिक किया है। तस्वीर में दोनों भाई- बहन सफेद रंग के कपड़े पहने हुए हैं। तस्वीर छत पर क्लिक की हुई नजर आ रही है। जिसमें दोनों बाई- बहन धूप सेकते हुए नजर आ रहे हैं। रिया ने इस तस्वीर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, 'Resilience'.

रिया चक्रवर्ती के इस पोस्ट पर उनके कई दोस्त और चाहने वाले कमेंट्स कर रहे हैं। कई लोग इस तस्वीर में रिया और शौवित की तारीफ कर रहे हैं। तो वहीं कई लोग दोनों को ट्रोल भी कर रहे हैं। बता दें कि रिया चक्रवर्ती और उनके भाई शौविक चक्रवर्ती दोनों ही सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद इस केस में लिप्त पाए गए थे। सुशांत के निधन के बाद बॉलीवुड में ड्रग्स केस सामने आया था। जिसकी वजह से रिया और शौविक दोनों को ही जेल जाना पड़ा था।

मौनी रॉय के बॉडीकॉन ट्यूब ड्रेस में ताज़ा फोटो देख फैंस को लगा झटका, बोले- क्या करोगी इतने पैसे बचाकर...

मौनी रॉय टेलीविज़न की उन एक्ट्रेसेज़ में शामिल हैं, जिन्होंने छोटे पर्दे से बड़े पर्दे का सफ़र तय किया है और अपनी अदाकारी से अपने लिए एक बड़ी फैन फॉलोइंग तैयार की है, जो उन्हें सोशल मीडिया पर भी फॉलो करती है।

इंस्टाग्राम पर मौनी के 19.7 मिलियन फॉलोअर्स हैं। जल्द ही वो 20 मिलियन का शानदार पड़ाव छूने वाली हैं। मौनी इंस्टाग्राम पर अपनी शानदार तस्वीरें पोस्ट करती रहती हैं, जिनके ज़रिए फैंस को मौनी की निजी और कामकाजी ज़िंदगी के अपडेट्स पता चलते हैं। हालांकि, कभी-कभी कुछ तस्वीरें ऐसी आ जाती हैं, जिनसे फैंस को अपने फेवरिट एक्ट्रेस की चिंता होने लगती है। मौनी ने सोमवार को अपनी कुछ नई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें नागिन एक्ट्रेस का बोल्ड और सिज़लिंग अंदाज़ नज़र आ रहा है।

इन फोटोज़ में मौनी एम्ब्रोडयरी वाली बॉडीकॉन ट्यूब ड्रेस पहने हुए दिख रही हैं। पहली फोटो में उनके चेहरे का क्लोज़ अप है। दूसरी फोटो में मिड क्लोज़ अप और तीसरी फोटो में थोड़ा लॉन्ग शॉट है। इस फोटो में मौनी की टोन्ड फिजीक दिख रही है। उनके कंधे, हाथ और पैरों को देखकर लग रहा है कि मौनी ने अपनी मसल्स को काफ़ी कम किया है।

मौनी इस फोटो में जिस मुद्रा में बैठी हैं, उसकी वजह से कॉलर बोन और घुटने की हड्डी नज़र आ रही हैं। इन तस्वीरों पर कई सेलेब्रिटीज़ ने कमेंट किये हैं और मौनी की शानदार फिगर की तारीफ़ की है, मगर एक फैन ने उनकी फिटनेस पर तंज कसते हुए कमेंट किया कि खाना-पीना करो यार। दूसरे ने लिखा- ज़रूरत है थोड़ा और भोजन की। एक अन्य फैन ने लिखा कि क्या करोगी इतना पैसा बचाकर, कुछ खा भी लिया करो।हालांकि, ऐसे फैंस की कमी भी नहीं है, जो मौनी की इन तस्वीरों पर जान लुटा रहे हैं। बड़ी तादाद में फैंस ने फायर की इमोजी बनाकर मौनी के इस अंदाज़ की तारीफ़ की है। कुछ फैंस ने लिखा भी है कि कोई इतना ख़ूबसूरत कैसे हो सकता है।

बता दें, मौनी ने अक्षय कुमार के साथ गोल्ड फ़िल्म से फ़िल्मों में पारी शुरू की थी। मौनी इससे पहले भी फ़िल्मों में नज़र आती रही थीं, मगर वो स्पेशल डांस नम्बर तक सीमित था। गोल्ड में उन्होंने पहली बार फीमेल लीड रोल निभाया था। अब अयान मुखर्जी निर्देशित ब्रह्मास्त्र में मौनी दिखेंगी, जिसमें रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और अमिताभ बच्चन मुख्य भूमिकाओं में हैं।

अनुष्का शर्मा ने विराट कोहली के साथ दिखायी बेटी वामिका की झलक, क्यूट फोटो के साथ लिखा- मेरा दिल एक ही...

अनुष्का शर्मा बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जिन्होंने बॉक्स ऑफ़िस पर अपनी पहचान एक्ट्रेस और प्रोड्यूसर के तौर पर कायम की है। शाह रुख़ ख़ान के साथ रब ने बना दी जोड़ी से बतौर एक्ट्रेस करियर शुरू करने वाली अनुष्का ने इंडस्ट्री में लम्बा सफ़र तय किया है। अनुष्का ने क्रिकेटर विराट कोहली को अपना हमसफ़र चुना और इसी साल दोनों एक प्यारी-सी बिटिया के माता-पिता बने।

अनुष्का सोशल मीडिया के ज़रिए अक्सर अपनी और अपने परिवार की तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। ऐसी ही एक फोटो उन्होंने सोमवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट की, जिसमें डैड विराट कोहली नन्ही वामिका के साथ खेलते हुए नज़र आ रहे हैं। वामिका प्ले एरिया में रंग-बिरंगी गेदों के बीच बैठी हुई हैं और विराट ऊपर से झांकते हुए हंस रहे हैं। हालांकि, अनुष्का ने इस बार भी बेटी की शक्ल फोटो में नहीं दिखायी है। इस प्यारी फोटो के साथ अनुष्का ने लिखा- एक ही फ्रेम में मेरा पूरा दिल। वामिका-विराट की इस फोटो को कई सेलेब्रिटीज़ ने पसंद किया है और इस पर कमेंट किये हैं।

इससे पहले अनुष्का ने अष्टमी पर बेटी की एक तस्वीर शेयर की थी, जिसमें वो उनके साथ मस्ती करती नज़र आ रही हैं। इस फोटो के साथ अनुष्का ने एक भावुक कैप्शन भी लिखा था और वामिका को अपनी ताक़त बताया था। यह फोटो सोशल मीडिया में वायरल हुई थी।

अनुष्का ने प्रेग्नेंसी के बाद फ़िल्मों में एक्टिंग से ब्रेक ले लिया था, जो अभी भी जारी है। उनकी आख़िरी रिलीज़ फ़िल्म ज़ीरो है, जिसमें शाह रुख़ ख़ान लीड रोल में थे और कटरीना कैफ ने भी एक ख़ास भूमिका निभायी थी। यह फ़िल्म 2018 में आयी थी और बॉक्स ऑफ़िस पर सफल नहीं रही थी। इसके बाद से अनुष्का ने एक भी फ़िल्म साइन नहीं की।

अजीब सा टॉप पहनकर

अंकिता लोखंडे

ने करवाया फोटोशूट, यूजर्स बोले- ये क्या थर्माकॉल पहन लिया

टेलीविजन पर अपने पहले ही धारावाहिक पवित्र रिश्ता से घर- घर में पहचान बना लेने वाली अभिनेत्री अंकिता लोखंडे खूब चर्चाओं में रहती हैं। अंकिता लोखंडे हाल- फिलहाल में पवित्र रिश्ता 2.0 को लेकर छाई रहीं। उनके फैंस को दोबारा अंकिता को अर्चना वाले अंदाज में देखना खूब पसंद आया। वहीं अब हाल ही में अंकिता लोखंडे एक बार फिर से चर्चा में आ गई हैं। इस बार अंकिता अपने लेटेस्ट फोटोशूट की वजह से चर्चा का विषय बन गई हैं।अंकिता लोखंडे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो अक्सर अपनी कई तस्वीरें और वीडियो फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। अब हाल ही में अंकिता ने अपनी कुछ लेटेस्ट फोटोज शेयर की हैं। हालांकि अंकिता अपनी इन तस्वीरों को लेकर ट्रोलर्स के निशाने पर आ गई हैं। अंकिता ने इस फोटोशूट के लिए जो ड्रेस पहनी हुई है उसे देखकर उनके फैंस अभिनेत्री का मजाक बना रहे हैं।अंकिता लोखंडे ने ये तस्वीरें अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए शेयर की हैं। इन तस्वीरों में अंकिता लोखंडे ने सफेद रंग का अजीब सा टॉप पहना हुआ है। ये टॉप देखने में ऐसा लग रहा जैसे थर्माकॉल से बना हुआ हो। इसके साथ अंकिता ने सीक्विन की पैंट टीमअप की है। वैसे अंकिता इस फोटोशूट में बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। लेकिन उनका ये अजीब सा टॉप सोशल मीडिया यूजर्स को बिल्कुल भी पसंद नहीं आया और उन्होंने अंकिता लोखंडे को ट्रोल कर दिया।अंकिता लोखंडे की इन तस्वीरों पर सोशल मीडिया यूजर्स अलग- अलग तरह के कमेंट्स कर रहे हैं। एक सोशल मीडिया यूजर ने कमेंट में लिखा, ये क्या पहना है? एक अन्य यूजर ने लिखा, क्या पहना है, सूट भी हो रहा है क्या, कुछ भी। वहीं एक और यूजर ने कमेंट में लिखा, थर्माकॉल पर आ गई तू तो। यक अंकिता लोखंडे जब मेकअप भी आपका कुछ नहीं कर सकता। वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, कुछ भी पहन लेती हो यार तुमलोग। हालांकि इस पोस्ट पर कई लोग अंकिता की तारीफ भी कर रहे हैं।

रोहित का अर्धशतक, भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से पीटा

- दूसरे अभ्यास मैच में भी भारत की आसान जीत
- ऑस्ट्रेलिया ने पहले खेलते हुए पांच विकेट पर 152 रन बनाए
- अब पाकिस्तान के खिलाफ 24 अक्टूबर को मैदान में उतरेगी टीम इंडिया

दुबई, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। कप्तान और सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा (60 रिटायर्ड हर्ट) के शानदार अर्धशतक से भारत ने ऑस्ट्रेलिया को आईसीसी टी 20 विश्व कप के अभ्यास मैच में बुधवार को नौ विकेट से पीटकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

ऑस्ट्रेलिया ने स्टीवन स्मिथ (57) के शानदार अर्धशतक तथा ग्लेन मैक्सवेल (37) और मार्कस स्टॉयनिस (41) की उपयोगी पारियों से 20 ओवर में पांच विकेट पर 152 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया जबकि भारत ने 17.5 ओवर में एक विकेट पर 153 रन बनाकर एकतरफा जीत हासिल कर ली।

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन उसकी शुरुआत खराब रही और उसने 11 रन तक तीन विकेट गंवा दिए। लेकिन स्मिथ और मैक्सवेल ने चौथे विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी की। मैक्सवेल 28 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 37 रन बनाकर लेग स्पिनर राहुल चाहर की गेंद पर बोल्ड हुए।

स्मिथ ने फिर स्टॉयनिस के साथ पांचवें विकेट के लिए 76 रन जोडे। स्मिथ 48 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 57 रन बनाकर पारी के आखिरी ओवर की पांचवीं गेंद पर भुवनेश्वर कुमार का शिकार बने। स्टॉयनिस ने 25 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 41 रन बनाये। मैथ्यू वेड ने एक गेंद खेली और उस पर चौका जड दिया।

भारत की तरफ से रविचंद्रन अश्विन ने दो ओवर में मात्र आठ रन देकर दो विकेट लिए। अश्विन ने पारी का दूसरा ओवर डाला और पांचवीं गेंद पर डेविड वार्नर और छठी गेंद पर मिशेल मार्श का विकेट लिया। वार्नर की खराब फॉर्म इस मैच में भी बरकरार रही और वह सिर्फ एक रन ही बना सके। मार्श का खाता नहीं खुला। कप्तान आरोन फिंच आठ रन बनाकर लेफ्ट आर्म स्पिनर रवींद्र जडेजा की गेंद पर पगबाधा हुए।

जडेजा ने चार ओवर में 35 रन देकर एक विकेट लिया। भुवनेश्वर ने 27 रन पर और राहुल चाहर ने 17 रन देकर एक-एक विकेट लिया। नियमित कप्तान विराट कोहली ने भी इस मैच में दो ओवर डाले और 12 रन दिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए लोकेश राहुल और रोहित ने ओपनिंग साझेदारी में 68 रन जो?। राहुल ने पिछले मैच की फॉर्म को बरकरार रखते हुए 31 गेंदों पर दो चौकों और तीन छक्कों की मदद से 39 रन की शानदार पारी खेली। रोहित 41 गेंदों पर पांच चौकों और तीन छक्के लगाते हुए 60 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। दूसरे छोर पर सूर्यकुमार यादव ने 27 गेंदों पर नाबाद 38 रन में पांच चौके और एक छक्का लगाया। हार्दिक पांड्या ने भी फॉर्म में वापसी करते हुए विजयी छक्का मारा और आठ गेंदों पर 14 रन बनाकर नाबाद लौटे। भारत ने इस तरह लगातार दूसरी जीत हासिल की। भारत ने इंग्लैंड को पहले अभ्यास मैच में सात विकेट से शिकस्त दी।

इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 13 रन से हराया

अबू धाबी। तेज गेंदबाज मार्क वुड (4/23) और लेग स्पिनर आदिल राशिद (3/18) की शानदार गेंदबाजी बदौलत इंग्लैंड ने यहां बुधवार को अपने दूसरे अभ्यास मैच में न्यूजीलैंड को 13 रन से हरा दिया। टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करने आई इंग्लैंड की टीम ने कप्तान जॉस बटलर, जॉनी बेयरस्टो और सैम बिलिंग्स की शानदार पारियों की बदौलत 20 ओवर में छह विकेट पर 163 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 19.2 ओवर में 150 रन पर ऑलआउट हो गई और 13 रन से मैच हार गई, हालांकि एक समय पर उसके बड़े अंतर से हारने की उम्मीद थी, लेकिन निचले क्रम के बल्लेबाजों ईश सोढ़ी और टोड एस्टल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को मैच में इस स्थिति तक पहुंचाया। दोनों ने बेखौफ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए दसवें विकेट के लिए 47 रन की साझेदारी की।

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जेम्स पैटिंसन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

मेलबर्न, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जेम्स पैटिंसन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उनका मानना है कि वह ऐशेज टीम में जगह बनाने की दौर में शामिल नहीं हैं। पैटिंसन ने इस उम्मीद के साथ इस साल घरेलू क्रिकेट की शुरूआत की थी कि अच्छे प्रदर्शन के बाद वह ऐशेज टीम में जगह बना लेंगे। हालांकि, कोरोना के कारण विक्टोरिया और न्यू साउथ वेल्श में लॉकडाउन लगा, घरेलू क्रिकेट रुका और उनकी तैयारियां प्रभावित हुईं।

इसके अलावा उन्हें चोट भी लगी है, जिसके कारण वह यह निर्णय लेने पर मजबूर हुए। हालांकि वह घरेलू क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे। उन्होंने कॉउंटी क्रिकेट भी खेलने के संकेत दिए। उन्होंने कहा, मैं सीजन की शुरूआत यह सोच कर किया था कि मैं ऐशेज टीम में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा करूंगा, लेकिन अब लग रहा है कि मेरी तैयारियां अधूरी हैं। अगर मैं चुना भी जाता हूं तो इस तैयारी के साथ अपने चयन को न्याय नहीं कर पाऊंगा। आपको उसके लिए 100 फीसदी फिट होना होता है, जो मैं अभी महसूस नहीं कर रहा।

उन्होंने आगे कहा, इसलिए मैंने सर्वोच्च स्तर पर खेलने की बजाय विक्टोरिया के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने का फैसला किया है, ताकि मैं अपने बचे हुए तीन-चार के क्रिकेट करियर में राज्य के युवा तेज गेंदबाजों के उभार में मदद कर सकूं। इसके अलावा मैं इंग्लैंड में क्रिकेट खेलूंगा और परिवार के साथ समय बिताऊंगा। जनवरी 2020 में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच के बाद पैटिंसन ने कोई टेस्ट मैच खेला है। पिछले और इस साल की शुरूआत में भारत के खिलाफ सीरीज के दौरान वह पसलियों में फ्रैक्चर से जूझ रहे थे। उन्होंने माना कि यह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से दूर होने का सही समय है। पैटिंसन ने कहा, मैं क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को मुझमें भरोसा जताने और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का मौका देने के लिए उनको धन्यवाद देता हूं। इसके अलावा मैं अपने सभी साथी क्रिकेटरों का शुक्रिया करता हूं, जिन्होंने इस खूबसूरत सफर में मेरा साथ दिया। खासकर, जब मैं चोटिल था तो सीए और साथी खिलाडियों ने मुझे हौसला दिया और विश्वास बनाए रखा। इसके लिए मैं उनका आभारी हूं। ऑस्ट्रेलिया के चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा, जिन्होंने भी पैट के साथ खेला है, वह उनके प्रतिस्पर्धी स्वभाव को जानते हैं। उनके साथ खेलने से पता चलता है कि इस देश के लिए क्रिकेट खेलना कितने त्याग, समर्पण और गर्व की बात है। उनके रिकॉर्ड बताते हैं कि वह एक बेहतरीन खिलाडी हैं। हम उन्हें और भी खेलते देखना पसंद करते। पैटिंसन ने 2011 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने टेस्ट करियर की शुरूआत की थी और पहले दो टेस्ट मैचों में पारी में पांच विकेट लिए थे। हालांकि उनका करियर चोटों से जूझता रहा और बहुत प्रभावित हुआ। इस कारण वह अपने 10 साल के लंबे करियर में सिर्फ 21 टेस्ट खेल पाए, जिसमें उन्होंने 26.33 की औसत और 48.90 की स्ट्राइक रेट से 81 विकेट लिए।

टी20 विश्व कप और एशेज जीतें, नहीं तो झटके के लिए तैयार रहें ऑस्ट्रेलिया : गिलक्रिस्ट

दुबई, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने कहा है कि अगर ऑस्ट्रेलियाई टीम टी20 विश्व कप और एशेज सीरीज जीतने में असफल रही तो उसे झटके के लिए तैयार रहना होगा। ऑस्ट्रेलिया की टीम आईसीसी टी20 रैंकिंग में सातवें स्थान पर है। गिलक्रिस्ट ने कहा, कई पद दांव पर लगे हैं। कोई भी ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट और विशेष रूप से कोच जस्टिन लैंगर के लिए असंतोष को देख सकता है। टीम के साथ उनके बहुत प्रलेखित संबंध हैं। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि लोग सिर्फ आईसीसी टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचने और आसानी से हार मानने की बात को बहुत ज्यादा स्वीकार कर लेंगे। गिलक्रिस्ट ने कहा, उन्हें इस टूर्नामेंट में और फिर दिसंबर-जनवरी में एशेज सीरीज में अपनी छाप छोडनी होगी। अगर एशेज को कम से कम बरकरार नहीं रख पाते हैं तो कुछ सीनियर खिलाडियों के लिए परेशानी होगी, क्योंकि इसका मतलब होगा कि उन्होंने प्रदर्शन नहीं किया है और लैंगर की पोजीशन भी नीचे आएगी।

फॉर्म में नहीं रहने पर मैं भी टीम से बाहर रह सकता हूं : मोर्गन

दुबई, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के कप्तान इयोन मोर्गन की फॉर्म टीम के लिए चिंता का विषय बनी हुई है, ऐसे में मोर्गन ने कहा है कि अगर टीम को मेरे नहीं होने से जीत मिलती है तो उन्हें अपने आप को टीम से बाहर रखने में कई दिक्कत नहीं होगी। मोर्गन को लगता है कि उन्होंने अपने रन की कमी की भरपाई अपनी कप्तानी से कर दी है। मोर्गन के कप्तानी में इंग्लैंड की टीम ने 2019 में 50 ओवरों का विश्व कप जीता था और इंग्लैंड अभी टी20 में शीर्ष टीम है।

मोर्गन का यूएई में खेले गए आईपीएल के दूसरे चरण में भी बल्ले से खराब प्र्दशन रहा। 2021 में उन्होंने कुल 40 टी20 मैच खेले हैं जिसमें मोर्गन ने 16.63 के औसत से 499 रन बनाए हैं और उनका सर्वधाकि स्कोर 47 रहा है। आईपीएल 2021 के 16 मैचों में मोर्गन ने 11.06 के औसत से 133 रन बनाए हैं। उनकी कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ फाइनल खेला जहां उन्हें हार का सामना करना पडा। हालांकि, अगर इंग्लैंड को खिताब जीतने में मदद मिलती है, तो मॉर्गन ने कहा कि वह टी 20 विश्व कप में खुद को प्लेइंग इलेवन से बाहर करने को तैयार हैं।

मॉर्गन ने मंगलवार को ईएसपीएनक्रिकइंफो की एक रिपोर्ट में कहा, मैंने हमेशा कहा है और यह हमेशा एक विकल्प है। मैं विश्व कप जीतने वाली टीम के रास्ते में खडा नहीं होने जा रहा हूं। मेरे पास रनों की कमी है लेकिन मेरी कप्तानी बहुत अच्छी रही है।

भारत-पाकिस्तान के बीच खेल संबंधों को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता : रमीज राजा

इस्लामाबाद , 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष रमीज राजा ने भारत और पाकिस्तान के बीच खेल संबंधों को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि दोनों देशों में सबसे पसंदीदा खेल के संबंधो को सुधार करें और दो क्रिकेट दिग्गजों के बीच प्रतियोगिता का प्रदर्शन करने वाला पहला खेल आयोजित होना चाहिए। राजा ने कहा कि पीसीबी और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को खेल से राजनीति को दूर रखते हुए एक क्रिकेट बंधन बनाना चाहिए।

रमीज ने कहा, मैंने एसीसी (एशिया क्रिकेट काउंसिल) की बैठकों के मौके पर बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह से मुलाकात की। हमें एक क्रिकेट बंधन बनाने की जरूरत है, जबकि मेरा यह भी मानना है कि राजनीति को जितना संभव हो सके खेल से दूर रहना चाहिए और यह हमेशा से हमारा रुख रहा है।

उन्होंने कहा, पाकिस्तान-भारत क्रिकेट को पुनर्जीवित करने के लिए बहुत काम करने की जरूरत है, लेकिन दोनों बोडरें के बीच कुछ आराम का स्तर होना चाहिए और फिर हम देख सकते हैं कि हम कितनी दूर जा सकते हैं। राजा ने कहा कि एसीसी का गठन एक एकीकृत दृष्टिकोण और सामूहिक रुख बनाने के आधार पर किया गया था ताकि सभी की किसी विषय पर बातकर सुलझाया जा सके। दोनों पक्ष आगामी टी 20 विश्व कप में एक-दूसरे से भिडने के लिए तैयार हैं, जो टूर्नामेंट की सबसे बडी क्रिकेट मैच में से एक होने की उम्मीद है। पाकिस्तान देश की सुरक्षा स्थिति के कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अपने मैदान पर वापस लाने के लिए संघर्ष कर रहा है। हाल ही में, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड ने समान सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए पाकिस्तान के अपने दौरे रद्द कर दिए।

जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप झारखंड के सिमडेगा में शुरू

रांची, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड के सिमडेगा में 11वीं नेशनल जूनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप आज से शुरू हो गयी है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इसका उद्घाटन किया। इस प्रतियोगिता में 26 राज्यों की टीमें भाग ले रही हैं। इसी प्रतियोगिता के आधार पर इंडियन हॉकी जूनियर टीम की खिलाडियों का चुनाव किया जायेगा। इस प्रतियोगिता के सभी मैचों का सीधा प्रसारण वर्ल्ड हॉकी फेडरेशन के जरिए 180 देशों में किया जा रहा है। चैंपियनशिप के उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री ने सिमडेगा में बनने वाली इंटरनेशनल हॉकी एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम की भी आधारशिला रखी। प्रतियोगिता के उद्घाटन के मौके पर हॉकी इंडिया का अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निगमबम, हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह, झारखंड के खेल सचिव अमिताभ कौशल, खेल निदेशक जीशान कमर भी उपस्थित रहे। इस मौके पर सीएम हेमंत सोरेन ने उम्मीद जतायी कि इस टूर्नामेंट के जरिए ऐसे खिलाडियों की पहचान होगी, जिनपर आनेवाले दिनों में पूरे देश का नाम ऊंचा करने की चुनौती होगी।

इस प्रतियोगिता में भाग लेनेवाली टीमों को आठ पूल में बांटा गया है। पूल ए में झारखंड के साथ केरल, तमिलनाडु, पूल-बी में हरियाणा, असम, राजस्थान, पूल-सी में मिजोरम, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना को रखा गया है। पूल-डी में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर की टीम है। पूल-ई में महाराष्ट्र, दिल्ली और गुजरात, पूल-एफ में चंडीगढ, बिहार, गोवा, जम्मू और कश्मीर, पूल-जी में ओडिशा, छत्तीसगढ, हिमाचल, मध्य प्रदेश तथा पूल -एच में कर्नाटक, पंजाब, पश्चिम बंगाल और लक्षद्वीप पांडिचेरी की टीम को शामिल किया गया है।

बता दें कि झारखंड के सिमडेगा और खूंटी जिले की पहचान हॉकी की नर्सरी के रूप होती है। इसी साल आयोजित ओलंपिक में भारतीय महिला टीम की ओर से खेलने वाली सलीमा टेटे सिमडेगा और निक्की प्रधान खूंटी की रहनेवाली हैं।

एफआईएच ने जूनियर विश्व कपों का कार्यक्रम जारी किया

लौसाने (स्विट्जरलैंड), 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (आईएफएच) ने आगामी पुरुष एवं महिला एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप का शैड्यूल जारी करने के साथ-साथ पूल की घोषणा कर दी है, जिसमें चार-चार टीमों के चार समूह बनाए गए हैं।

एफआईएच की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप भारत 2021 का पहला मैच ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित कलिंगा स्टेडियम में 24 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका और बेल्जियम के बीच खेला जाएगा। इस शानदार आयोजन स्थल ने 2018 में आखिरी एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप की मेजबानी की थी। हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप का फाइनल पांच दिसंबर को खेला जाएगा। उल्लेखनीय है कि इंग्लैंड द्वारा नाम वापस लेने के बाद पोलैंड इस टूर्नामेंट में शामिल होगा और पूल बी में टूर्नामेंट के मेजबानों और खिताब विजेताओं भारत, कनाडा और फ्रांस के साथ खेलेगा।

पुरुष टूर्नामेंट की समाप्ति के साथ ही एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप दक्षिण अफ्रीका 2021 की शुरुआत पांच दिसंबर को आयरलैंड और जिम्बाब्वे के बीच मैच के साथ होगी, जो जोहान्सबर्ग के पश्चिम-दक्षिण पश्चिम से करीब 120 किमी की दूरी पर स्थित शहर पोटचेफस्ट्रूम की नॉर्थ-वेस्ट यूनिवर्सिटी (एनडब्ल्यूयू) में होगा। महिला जूनियर विश्व कप का फाइनल 16 दिसंबर को होगा। पुरुष विश्व कप के लिए बनाए गए पूल ए में बेल्जियम, चिली, मलेशिया और दक्षिण अफ्रीका, पूल बी में कनाडा, फ्रांस, भारत और पोलैंड, पूल सी में स्पेन, कोरिया, नीदरलैंड और अमेरिका तथा पूल डी में अर्जेंटीना, मिस्र, जर्मनी और पाकिस्तान मौजूद हैं। वहीं महिला विश्व कप में पूल ए में नीदरलैंड, कोरिया, आयरलैंड और जिम्बाब्वे, पूल बी में इंग्लैंड, बेल्जियम, कनाडा और उरुग्वे, पूल सी में अर्जेंटीना, भारत, जापान और रूस, जबकि पूल डी में मेजबान दक्षिण अफ्रीका के साथ जर्मनी, स्पेन और अमेरिका शामिल है।

चोटिल फैबियन एलेन की जगह वेस्ट इंडीज टीम से जुडे अकील हुसैन

दुबई, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। दो बार के आईसीसी टी-20 विश्व कप विजेता वेस्ट इंडीज को आईसीसी टी-20 विश्व कप 2021 अभियान की शुरुआत से पहले झटका लगा है। उसके इनफार्म खिलाडी फैबियन एलेन एडी में चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। टूर्नामेंट की तकनीकी समिति ने हालांकि इसके मद्देनजर एलेन की जगह पर लेफ्ट आर्म स्पिनर अकील हुसैन को 15 सदस्यीय टीम में शामिल करने की अनुमति दे दी है। उन्हें पहले रिजर्व खिलाडी के तौर पर साथ रखा गया था। उल्लेखनीय है कि टी-20 विश्व कप के लिए एलेन वेस्ट इंडीज की एकादश (प्लेइंग इलेवन) का महत्वपूर्ण हिस्सा थे, क्योंकि वह इससे पहले ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखलाओं में लगातार खेले थे और इसके बाद कैरिबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) में भाग लिया था।

टखने की चोट के कारण बाहर एलन की जगह अकील टी-20 विश्व कप के लिए वेस्ट इंडीज की 15 सदस्यीय टीम में

वेस्टइंडिज टीम में बदलाव को आईसीसी की मंजूरी

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर **एजेंसी।** टखने की चोट के कारण स्पिनर फैबियन एलन के बाहर हो जाने से मौजूदा चैंपियन वेस्ट इंडीज की यूएई में आईसीसी टी-20 क्रिकेट विश्व कप में खिताब बरकरार रखने की उम्मीदों को धक्का लगा। पुरुष टी 20 विश्व कप की इवेंट तकनीकी समिति ने वेस्ट इंडीज को एलन की जगह लेफ्ट आर्म स्पिनर अकील हुसैन को अपनी 15 सदस्यीय टीम में शामिल करने की इजाजत दे दी है। लेफ्ट आर्म स्पिनर एलन कैरिबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) से पहले वेस्ट इंडीज के लिए अपने घर में मेहमान ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वेस्ट इंडीज की एकादश का अहम हिस्सा रहे थे। 26 वर्षीय गेंदबाजी ऑलराउंडर एलन की जगह रिजर्व खिलाडियों में शामिल रहे अकील हुसैन को वेस्ट इंडीज की टी-20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। कोरोना के कहर के चलते टीम के साथ इस टी-20 विश्व कप के लिए अतिरिक्त खिलाडियों को साथ यूएई लाने की इजाजत के चलते अकील वेस्ट इंडीज टीम के साथ यूएई में ही थे।

दिलचस्प यह है कि यूएई में आईपीएल 2021 में उपविजेता रही कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए गेंद से कहर बरपाने वाले मिस्ट्री लेग स्पिनर सुनील नारायण की फिर अनदेखी की गई और को एक बार फिर इस टी-20 विश्व कप के लिए वेस्ट इंडीज टीम में जगह नहीं मिल पाई है। सुनील नारायण वेस्ट इंडीज टीम की टी-20 विश्व कप के लिए घोषित कप्तान काइरॉन पोलार्ड के दोस्त और पोलार्ड के पसंदीदा होने के बावजूद अंतिम 15 में घोषित टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे हैं। सुनील नारायण अपनी स्पिन गेंदबाजी से स्पिन का जाल बुनने और शीर्ष से लेकर मध्यक्रम और निचले क्रम में कहीं भी गेंदबाजी करने के साथ ताबडतोड बल्लेबाजी करने की कूवत के कारण कप्तान वेस्ट इंडीज को बहुत विकल्प देते। अब अकील हुसैन को वेस्ट इंडीज की 15 खिलाडियों में जगह मिल जाने के कारण गुडाकेश मोती को वेस्ट इंडीज के रिजर्व खिलाडियों में जगह मिल गई है। इस टी-20 विश्व कप के लिए किसी भी टीम में खिलाडी को बदलने के लिए इवेंट तकनीकी की इजाजत की जरूरत होती है है। तकनीकी समिति से वेस्टइंडीज को एलन की जगह अकील को अपनी 15 सदस्यीय टीम में शामिल करने की इजाजत मिल गई है। पुरुष टी 20 विश्व कप की इवेंट तकनीकी समिति के प्रमुख हैं क्रिस टेटले, क्लाइव हिचकॉक (आईसीसी सीनियर क्रिकेट ऑपरेशन मैनेजर), राहुल द्रविड और धीरज मल्होत्रा (बीसीसीआई के प्रतिनिधि),साइमन डूल और इयान बिशप(स्वतंत्र सदस्य)। 28 वर्षीय अकील हुसैन ने सीपीएल में इस साल सुनील नारायण के साथ मिलकर त्रिनबागो नाइट राइडर्स के मिलकर स्पिन का खूब जाल बुना था। अकील हुसैन ने बेहद किफायती गेंदबाजी करते हुए त्रनबागो नाइट राइडर्स के लिए 4.92 की इकॉनमी रेट के साथ सीपीएल में 13 विकेट चटकाए थे और वह वेस्ट इंडीज के लिए अब तक 15 टी-20 मैच खेलते हैं। अकील हुसैन ने वेस्ट इंडीज की ओर अपना अंतिम टी-20 मैच इस साल अगस्त में पाकिस्तान के खिलाफ खेला था। अकील की जगह अब रिजर्व में शामिल मोती सीपीएल मे गुयाना अमेजन वॉरियर्स के लिए खेलते हैं।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय टीम विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में हिस्सा लेने सर्बिया रवाना

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी टीम सर्बिया के बेलग्रेड में 24 अक्टूबर से छह नवम्बर तक होने वाली 2021 आईबा पुरुष विश्व मुक्केबाजी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने बुधवार को रवाना हो गई। भारतीय टीम में 2021 एशियाई चैंपियनशिप के स्वर्ण विजेता संजीत और 2015 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता शिवा थापा और 13 मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन मुक्केबाज शामिल हैं।

भारत की तीन जोडियां पहले दौर में हारीं

ओडेनसे। भारत की तीन जोडियों को डेनमार्क ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले दौर में बुधवार को हार का सामना करना पडा। अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी तथा जे मेघना और पूर्वीषा राम को महिला युगल के पहले दौर में हार का सामना करना पडा जबकि सात्विकसैराज रेंकीरेड्डी और अश्विनी पोनप्पा को मिश्रित युगल के पहले दौर में हार झेलनी पडी।

हमारी पहली प्राथमिकता पहले राउंड के तीनों मैचों को जीतना है : शनाका

अबु धाबी। श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका ने कहा है कि उनकी पहली प्राथमिकता पहले राउंड के तीनों मैचों को जीत कर यहां खेले जा रहे आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर 12 में प्रवेश करना है। नामिबिया को सात विकेट से हराने के बाद 2014 के टी20 विश्व विजेता को अब आयरलैंड के खिलाफ खेलना है। ग्रुप स्टेज में श्रीलंका के लिए सबसे कठिन चुनौती देने वाली टीम कौन सी होगी इस पर शानाका ने कहा, हमारे लिए तीनों ग्रुप मैचों को जीतना ही प्राथमिकता है और यहां की परिस्थितियों में ढलने के बाद हमें मुख्य टूर्नामेंट में काफी मदद मिलेगी। आयरलैंड की टीम भी काफी मजबूत नजर आ रही है। वह इससे पहले निदरलैंड को सात विकेट से हरा चुकी है और वह अपने टीम में कोई बदलाव नहीं करना चाहेगी। अगर श्रीलंका आयरलैंड को हराने में कामयाब रहती है तो वह अगले दौर में अपनी जगह पक्की कर लेगी क्योंकि उनके दो मैचों में चार अंक हो जाएंगे।

जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन से रह सकते हैं बाहर

सिडनी। विश्व के नंबर-1 टेनिस खिलाडी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने अपना कोविड-वैक्सीन स्टेटस बताने से इंकार किया है, जिसके बाद से उनके अगले साल ऑस्ट्रेलियन ओपन में हिस्सा लेने पर संशय पैदा हो गया है। स्टेट ऑफ विक्टोरिया ने कहा है कि पूरी तरह से वैक्सीनेटेड नहीं हुए खिलाडी इस इवेंट में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। संघीय आव्रजन मंत्री एलेक्स हावकी ने बुधवार को एबीसी न्यूज को दिए साक्षात्कार में राज्य के इस फैसले की पुष्टि की है। हावकी ने कहा, सरकार ने अपनी सीमाएं स्थापित करते हुए कहा है कि ऑस्ट्रेलिया जाने के लिए आपको दोहरा टीका लगवाना होगा।